लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

लगातार 9वीं बार पेश किया बजट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में कहा कि आज दुनिया में व्यापार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर संकट है। संसाधनों और आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटें आ रही हैं। नई तकनीकें उत्पादन के तरीकों को बदल रही हैं और पानी, ऊर्जा और जरूरी खनिजों की मांग बढ़ा रही है। ऐसे माहौल में भारत संतुलन और समावेशन के साथ विकसित भारत की ओर कदम बढ़ाता रहेगा।

गरीब, किसान, युवा और मध्यम वर्ग को साधने की कोशिश | **रोजगार, महंगाई और इंफ्रास्ट्रक्चर पर सरकार का फोकस** | **किसान सहायता और सामाजिक योजनाओं पर अहम ऐलान**

सुरक्षा का ‘सुपर बजट’

बजट 2026- इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव नहीं, ऑपरेशन सिंदूर के बाद डिफेंस बजट 15% बढ़ा, 17 कैंसर मेडिसिन ड्यूटी फ्री, 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर

BUDGET 2026

क्या हुआ सस्ता

- कैंसर, शुगर से जुड़ी दवाइयां
- 7 दुर्लभ बीमारियों की दवाइयां सस्ती होंगी
- सोलर एनर्जी से जुड़ी चीजें सस्ती होंगी
- चमड़ा और कपड़ा निर्यात करना सस्ता होगा
- जूते, बैट्री माइक्रोवेव ओवन सस्ता होगा
- रक्षा क्षेत्र में बेसिक कस्टम ड्यूटी में छूट

क्या हुआ महंगा

- खनिज
- स्क्रैप
- शराब
- वायदा कारोबार करना

बजट भाषण की प्रमुख घोषणाएं

- 5 पूर्वोत्तर राज्यों में पर्यटन स्थलों का निर्माण
- नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी बनेगी
- 5 यूनिवर्सिटी टाउनशिप इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में
- हर जिले में एक गर्ल्स हॉस्टल
- किसान की आय बढ़ाने का प्लान
- खेलो इंडिया मिशन
- 15 पुरातात्विक साइट्स को वाइब्रेंट डेस्टिनेशन बनाएंगे
- डिजिटल नॉलेज ग्रिड पर टूरिस्ट साइट्स की जानकारी
- ट्रेकिंग, हाइकिंग पर योजना
- पशुपालन-वैट कॉलेज के लिए सब्सिडी सपोर्ट स्कीम
- टीसीएस ओवरसीज टूर पैकेज को 2 पर्सेंट करेंगे

रक्षा बजट 15% बढ़ा

डिफेंस बजट पर ऑपरेशन सिंदूर का असर

- बजट 2026-27 में ऑपरेशन सिंदूर का असर साफ नजर आ रहा है। सरकार ने रक्षा कैपिटल एक्सपेंडिचर यानी हथियार और बड़े उपकरणों पर खर्च को 21.84 %बढ़ाकर 2.19 लाख करोड़ रुपए कर दिया है।
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ‘ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह बजट देश की सुरक्षा जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इससे सेना की तैयारियां और ज्यादा मजबूत होंगी।’
- सरकार का मानना है कि बदलते सुरक्षा हालात में सेना को आधुनिक हथियार, बेहतर तकनीक और मजबूत सप्लाई सिस्टम की जरूरत है। यही वजह है कि कैपिटल एक्सपेंडिचर में बड़ी बढ़ोतरी की गई है।
- बजट भाषण के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी बदलती जियो-पॉलिटिक्स और चुनौतियों का जिक्र किया।
- रक्षा बजट में सबसे ज्यादा ध्यान विमान और एयरो इंजन पर दिया गया है। इसके लिए 63,733 करोड़ रुपए रखे गए हैं। वहीं, नेवी बेड़े के लिए 25,024 करोड़ रुपए दिए हैं। इससे फाइटर जेट, ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट, हेलिकॉप्टर और उनके इंजन खरीदे जाएंगे या अपग्रेड किए जाएंगे। अगले साल कई बड़े रक्षा सौदे होने वाले हैं।

बजट 2026 : 4.4% पूंजीगत व्यय का लक्ष्य

यह बजट विकसित भारत के लक्ष्य को नई दिशा देने वाला बजट है। हम विकसित भारत की दिशा में अग्रसर हैं। हम रिफॉर्म एक्टिविटी को बढ़ावा देने की दिशा में अग्रसर हैं। यह बजट सबका साथ, सबका विकास के उद्देश्य के साथ पेश किया गया है। बजट में तकनीकी क्षेत्रों में विकास पर विशेष जोर दिया गया है। यह 21वीं सदी की दूसरी तिमाही का पहला बजट है।

-निर्मला सीतारमण, वित्त मंत्री

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में बजट पेश कर दिया है। वे 85 मिनट बोलीं, लेकिन आम आदमी के लिए कोई बड़ा ऐलान नहीं किया। हालांकि टैक्स फाइल करने में सहूलियत, रेलवे प्रोजेक्ट और आयुर्वेदिक एम्स जैसी नई बातें कही हैं। बजट भाषण में कोई सीधा चुनावी ऐलान भी नहीं था। वे लोकसभा में तमिलनाडु की प्रसिद्ध कांजीवरम साड़ी पहनकर पहुंचीं जरूर, लेकिन इसी साल होने वाले पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी चुनाव पर सीधा असर डालने वाली घोषणाएं नहीं कीं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहले बजट में सीतारमण ने जियो-पॉलिटिक्स और चुनौतियों की बात कही और देश का रक्षा बजट ?6.81 लाख करोड़ से बढ़ाकर ?7.85 लाख करोड़ कर दिया। यानी कुल डिफेंस बजट में 15.2% की बढ़ोतरी हुई है। डिफेंस बजट की खास बात यह है कि इसमें हथियार खरीदी और आधुनिकीकरण पर पिछले साल के ?1.80 लाख करोड़ के मुकाबले इस साल ?2.19 लाख करोड़ खर्च किए जाएंगे। यह पूंजीगत खर्च में सीधे 22% की बढ़ोतरी है।

बजट 2026 : भारत के ऊंची उड़ान का मजबूत आधार

ये बजट भारत की वैश्विक भूमिका को नए सिरे से सशक्त करता है। भारत के 140 करोड़ नागरिक सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनकर संतुष्ट नहीं हैं। हम जल्द से जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं। ये करोड़ों देशवासियों का संकल्प है। दुनिया के एक भरोसेमंद लोकतांत्रिक साझेदार और विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की भूमिका लगातार बढ़ रही है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

अब बजट को सेक्टर वाइज समझिए

- **इनकम टैक्स :** स्लैब में बदलाव नहीं, रिटर्न फाइलिंग के लिए 3 महीने एक्स्ट्रा इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं। रिवाइज्ड रिटर्न फाइल करने के लिए 3 महीने का ज्यादा समय दिया। यानी अब 31 दिसंबर के बदले 31 मार्च तक रिवाइज्ड रिटर्न फाइल कर सकते हैं। न्यू इनकम टैक्स एक्ट 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। फॉर्म रीडिजाइन किए गए हैं, ताकि आम लोग उसे आसानी से भर सकें।
- **स्वास्थ्य :** कैंसर की दवाओं से कस्टम ड्यूटी हटेगी, इलाज सस्ता होगा कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 17 दवाओं पर बेसिक कस्टम ड्यूटी हटा दी गई है। ये एडवांस कैंसर की इंपोर्ट होने वाली दवाएं हैं। अभी 5% कस्टम ड्यूटी लगती थी। हीमोफिलिया, सिकल सेल और मस्कुलर डिस्ट्रॉफी जैसी 7 दुर्लभ बीमारियों की दवाइयां भी ड्यूटी फ्री कर दी गई हैं।
- **रक्षा बजट :** 15% बढ़ा, फोर्सेस के आधुनिकीकरण पर 22% ज्यादा खर्च ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहले बजट में सीतारमण ने जियो-पॉलिटिक्स और चुनौतियों की बात कही और देश का रक्षा बजट ?6.81 लाख करोड़ से बढ़ाकर ?7.85 लाख करोड़ कर दिया। यानी कुल डिफेंस बजट में 15.2% की बढ़ोतरी हुई है। डिफेंस बजट की खास बात यह है कि इसमें हथियार खरीदी और आधुनिकीकरण पर पिछले साल के ?1.80 लाख करोड़ के मुकाबले इस साल ?2.19 लाख करोड़ खर्च किए जाएंगे। यह पूंजीगत खर्च में सीधी 22% की बढ़ोतरी है। विमान और एयरो इंजन डेवलपमेंट के लिए ?64 हजार करोड़ और नौसेना बेड़े के लिए ?25 हजार करोड़ रुपए दिए गए हैं। पेंशन के लिए ?1.71 लाख करोड़ अलग रखे गए हैं।
- **आयुर्वेद :** भारत को ग्लोबल बायो फार्मा मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की तैयारी 3 आयुर्वेदिक एम्स बनाने का ऐलान किया गया है। आयुर्वेदिक दवाइयों की टेस्टिंग के नेशनल लैब्स बनाई जाएंगी। भारत को ग्लोबल लेवल पर बायोफार्मा प्रोडक्ट के उत्पादन का हब बनाया जाएगा। अगले पांच साल में एक लाख स्पेशलिस्ट हेल्थकेयर प्रोफेशनल तैयार होंगे। इसके लिए 10,000 करोड़ के निवेश करने की बात कही गई है।
- **गर्ल्स एजुकेशन :** 789 जिलों में गर्ल्स हॉस्टल, हर जिले में एक हॉस्टल देश में 789 जिले हैं। हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल बनाने का ऐलान किया गया है। गर्ल स्टूडेंट्स के लिए स्ञ्शश्वरू(विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा को विशेष प्राथमिकता देने की बात कही गई है।
- **महिलाएं :** लखपति दीदी मॉडल पर रोजगार और आय बढ़ाने की स्कीम लखपति दीदी की तर्ज पर महिला स्वयं सहायता समूह की उद्यमी महिलाओं के लिए स॥श्व-मार्ट (शी-मार्ट) बनाए जाएंगे। इन दुकानों को महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों के समुदाय ही चलाएंगे। यहां महिलाओं के बनाए खाद्य पदार्थ, हस्तशिल्प, कपड़े और स्थानीय उत्पाद सीधे बेचे जाएंगे। इससे बिचौलियों की भूमिका कम होगी और महिलाओं को अपने कारोबार पर मालिकाना हक मिलेगा।
- **रेल-जलमार्ग और ग्रीन ट्रांसपोर्ट सेक्टर :** 7 नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनेंगे शहरों के बीच 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनाए जाएंगे। ये मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-चेन्नई, हैदराबाद-बेंगलुरु, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी के बीच बनेंगे। अगले 5 साल में 20 नए राष्ट्रीय जलमार्ग बनेंगे। बनारस और पटना में जहाज मरम्मत सुविधाएं विकसित की जाएंगी।
- **ग्रीन एनर्जी :** बैटरी बनाने की मशीनों पर टैक्स छूट बढ़ी सरकार ने लिथियम-आयन बैटरी बनाने वाली मशीनों पर टैक्स छूट का दायरा बढ़ा दिया है। अब बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के लिए इस्तेमाल होने वाले सामान पर भी ड्यूटी नहीं लगेगी। इससे इलेक्ट्रिक व्हीकल सस्ते होंगे। वहीं, सोलर ग्लास बनाने में इस्तेमाल होने वाले ‘सोडियम एंटीमोनेट’ पर भी ड्यूटी हटा दी गई है, जिससे देश में सोलर पैनल बनाना सस्ता होगा।
- **खनिज :** रेयर अर्थ कॉरिडोर बनाया जाएगा केरल, तमिलनाडु और ओडिशा में दुर्लभ खनिजों के लिए विशेष कॉरिडोर बनाए जाएंगे। इसमें आंध्र प्रदेश को भी जोड़ा जाएगा ताकि खनिज संपन्न राज्यों को फायदा मिले। रेयर अर्थ मटेरियल का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक गाड़ियों की मोटर बनाने में इस्तेमाल किया जाता है।
- **खेती और पशु-मछली पालन :** आय और रोजगार के मौके बढ़ाने पर फोकस नारियल प्रोत्साहन योजना से करीब 3 करोड़ लोगों को जोड़ा जाएगा। मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए 500 तालाबों और अमृत सरोवरों का विकास किया जाएगा। पशुपालन के क्षेत्र में नए व्यवसायों को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि ज्यादा लोगों के लिए नौकरी और रोजगार के अवसर बनें। राज्यों के साथ मिलकर भारतीय चंदन उद्योग तंत्र को फिर से स्थापित किया जाएगा। काजू-कोको को 2030 तक दुनिया में पहचान दिलाने का टारगेट है।

टैक्स को लेकर 6 बदलाव ये हैं...

1 अप्रैल से नया इनकम टैक्स कानून : केंद्र सरकार ने पुराने इनकम टैक्स एक्ट 1961 को बदलकर नया इनकम टैक्स एक्ट 2025 लाया जाएगा। ये 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। इसमें टैक्स रेट्स या स्लैब में कोई बदलाव नहीं है, इसके जरिए सिर्फ टैक्स रिटर्न फाइल करने करने की प्रोसेस आसान बनाई जाएगी।

विदेश रुपए भेजने पर कम टैक्स : पढ़ाई और इलाज के लिए विदेश पैसे भेजने पर अब कम टैक्स कलेक्शन एट सोर्स लगेगा। सरकार ने इसे 5% से घटाकर 2% करने का फैसला किया है। विदेशी टूर पैकेज पर लगने वाले 5% और 20% के ञ्जष्टस् रेट को घटाकर 2% किया गया है।

टीडीएस न कटवाने के लिए एप्लिकेशन की जरूरत नहीं : टैक्स डिडक्शन एट सोर्स नहीं कटवाने के लिए अलग से एप्लिकेशन देने की जरूरत नहीं होगी। नियमें अनुसार अब अगर आप पर इनकम टैक्स नहीं बनता है तो आपका टीडीएस नहीं काटा जाएगा। अभी इसके लिए फॉर्म 15 प्रतिशत (60 साल से कम वालों के लिए) या फॉर्म 15H (वरिष्ठ नागरिकों के लिए) जमा करना होता था।

31 मार्च तक फाइल कर सकेंगे रिवाइज्ड रिटर्न : इनकम टैक्स रिटर्न में सुधार करने की आखिरी तारीख बढ़ा दी गई है। अब मामूली फीस देकर 31 दिसंबर की जगह 31 मार्च तक रिवाइज्ड रिटर्न फाइल किया जा सकेगा।

फ्यूचर-ऑप्शंस ट्रेडिंग करना महंगा : सरकार ने फ्यूचर ट्रेडिंग पर लगने वाले सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स को 0.02% से बढ़ाकर 0.05% कर दिया है। ऑप्शंस पर भी एसटीटी को बढ़ाकर 0.15% किया गया है। इसे ट्रेडिंग करना महंगा हो जाएगा।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड पर टैक्स लगेगा : अब सेकेंडरी मार्केट से खरीदे गए सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड पर कैपिटल गेन टैक्स की छूट नहीं मिलेगी। इसका मतलब केवल उन्हीं निवेशको टैक्स-फ्री होने का फायदा मिलेगा जिन्होंने आरबीआई से बॉन्ड खरीदे और उसे पूरी अवधि तक रखा। पहले एसजीबी पर ब्याज के अलावा जो भी फायदा निवेशकों को होता था, वह मैच्योरिटी (8 साल) पर टैक्स-फ्री होता था।

ऐसी रही बाजार की चाल

- **बजट भाषण के बाद :** कारोबार के दौरान सेंसेक्स 2,370 अंक गिरकर अपने दिन के निचले स्तर 79,899 पर आ गया था। वहीं निफ्टी भी 750 अंक गिरकर 24,571 के निचले स्तर पर आ गया था।
- **बजट भाषण के दौरान :** सेंसेक्स 1,600 अंक यानी 2% गिरकर 80,600 पर आ गया। वहीं निफ्टी भी करीब 550 अंक गिरकर 24,800 के स्तर पर आ गया।
- **बजट से पहले :** सुबह 9 :15 बजे सेंसेक्स 100 अंक की गिरावट के साथ 82,156 के स्तर पर खुला था। निफ्टी भी करीब 50 अंक गिरकर 25,275 के स्तर पर ओपन हुआ था।

सरकार की कमाई, कर्ज और घाटे का पूरा हिसाब

सरकारी कर्ज में कमी लाने का लक्ष्य सरकार ने लक्ष्य रखा है कि 2030-31 तक देश का कुल कर्ज, जीडीपी के 50% (ह1) के बराबर लाया जाए। 2025-26 में यह कर्ज 56.1% था, जो अब 2026-27 में घटकर 55.6% रहने का अनुमान है। यह कर्ज कम होगा तो सरकार को ब्याज कम देना पड़ेगा, जिससे वो पैसा स्कूल, अस्पताल और सड़कों पर खर्च हो सकेगा।

‘मैं प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को धन्यवाद देना चाहूंगा। आज के बजट में देश के सर्वांगीण विकास के लिए और विकसित भारत के लिए मजबूत नींव बनाने का काम किया है। आज के बजट में उत्पादन पर फोकस किया गया है...आईटी सर्विसेज के लिए अच्छे कदम उठाए गए हैं... ऑरेंज इकोनॉमी के लिए क्रिएटर लैब बनाने के लिए बजट में प्रावधान किए गए हैं। रेलवे के लिए सात नए हाई स्पीड कॉरिडोर की घोषणा हुई है।’

-अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री

‘आशा और आकांक्षाओं का प्रतीक ये बजट है जिसमें नए भारत और विकसित भारत की संकल्पना की दृष्टि स्पष्ट दिखाई देती है...आयुष और स्वास्थ्य क्षेत्र पर जोर देना, महिलाओं के लिए हर जनपद में छात्रावास के निर्माण की व्यवस्था, नौजवानों के लिए हर क्षेत्र में अवसर के साथ-साथ अलग-अलग क्षेत्र में रिफॉर्म का बजट पेश किया गया है। भारत की अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए ये बजट मददगार साबित होगा।’

-योगी आदित्यनाथ, यूपी मुख्यमंत्री

‘आप कुछ ठोस बताएं कि क्या गलत है? क्या वे नहीं चाहते कि हमारे एमएसएमई क्षेत्र की प्रगति हो, क्या वे नहीं चाहते की देश की उत्पादन क्षमता बढ़े, क्या वे किसानों का उज्ज्वल भविष्य नहीं चाहते, क्या वे देश में टेक्नोलॉजी का विकास नहीं चाहते? कुछ ठोस तो बताए कि क्या तकलीफ है।’

-पीयूष गोयल, केंद्रीय मंत्री

यह बजट सबका साथ, सबका विकास और आत्मनिर्भर भारत के उद्देश्य को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार बजट में घोषित योजनाओं और प्रावधानों को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए केंद्र सरकार के साथ पूरी तरह सहयोग करेगी। यह बजट न केवल देश की आर्थिक ताकत को बढ़ाएगा, बल्कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्यों को भी समान रूप से विकास के अवसर देगा।

पुष्कर सिंह धामी, उत्तराखंड मुख्यमंत्री

यह बजट गरीबों और गांवों में रहने वालों की समझ से परे है। इस बजट में न तो नौकरी दी गई है और न ही रोजगार के अवसर। उन्होंने कहा कि ये बजट गरीब का पेट नहीं भर सकती है। नौकरी रोजगार दिए नहीं। सपने दिखाने वाला बजट है।

-अखिलेश यादव, सांसद

‘यह एक प्रगतिशील बजट है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के हर सेक्टर पर फोकस करता है। यह हर नागरिक के लिए बजट है। खासकर टेलीकॉम और डीओएनईआर के क्षेत्रों को इस बजट में मजबूत बढ़ावा मिला है। यह भारत को सशक्त और शक्तिशाली बनाएगा। पूर्वोत्तर के लिए बहुत सारे संस्थानों और जलमार्गों का आवंटन किया गया है।’

ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय मंत्री

विशेष अभियान के बाद भी भूले अपनी ही गाढ़ी कमाई, 42348 खातों में 15.02 करोड़ रुपये डम्प

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

पाई-पाई जोड़कर भविष्य सवारा जाता है, लेकिन जिले के हजारों बैंक ग्राहक अपनी ही गाढ़ी कमाई जमा कर भूल गए हैं। लीड बैंक की ओर से जारी आँकड़ों के मुताबिक, बारह बैंको के 42348 खाता में करीब 15.02 करोड़ रुपये लम्बे समय से डम्प पड़े है। जब इन खातों में वर्षों तक कोई हलचल नहीं हुई और दावों के लिए कोई सामने नहीं आया, तो बैंकों ने नियम के तहत यह राशि भारतीय रिजर्व बैंक के डिपॉजिटर एजुकेशन एण्ड अवेयरनेस (डीईए) फण्ड में जमा करा दी है।

जिले में इण्डियन बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, ग्रामीण बैंक, सेण्ट्रल बैंक समेत 20 बैंक संचालित है। इनमें 42348 खाताधारक ऐसे है, जिन्होंने अपने खातों में पिछले 10 साल से कोई लेन-देन नहीं किया। इनके खातों में 15.02 करोड़ रुपये भी जमा है। इनमें सबसे अधिक सरकारी योजनाओं के लाभ लेने वाले खाते हैं योजनाओं का लाभ लेकर पैसा निकाला और फिर उस ओर ध्यान नहीं दिया। साथ ही कई विभागीय खाते भी है।

बैंक ने चलाया अभियान, 273 खातों से 1.58 करोड़ किए निर्गत

10 साल से निष्क्रिय खातों में पड़े रुपयों को उनके दावेदारों तक पहुँचाने के लिए बैंकों की ओर से 01 अक्टूबर से 31 दिसम्बर तक विशेष अभियान चलाया गया। इसमें जिलाधिकारी, चित्रकूट एवं एलडीएम कार्यालय की तरफ से भी दावेदारों से औपचारिकताएं पूर्ण कर पैसा निर्गत कराने की अपील की गई। इसके लिए विकास भवन में बीती छह से 10 अक्टूबर तक कैम्प भी लगाया गया। इसके बाद पुनः बीती पांच दिसम्बर को भी एक दिवसीय कैम्प लगाया गया। शाखा स्तर से भी कर्मचारी फील्ड में रहकर इन खातों में दर्ज पतों पर विवेचना के लिए पहुंचे, लेकिन ज्यादातर खातों में खातेदारों के मृत्यु व दर्ज रिकार्ड के अनुसार अन्यत्र कहीं शिफ्ट हो जाने के कारण अधिक सफलता नहीं मिली। तीन माह के अभियान के दौरान 273 ग्राहकों ने अपने पैसों पर दावेदारी करते हुए औपचारिकताएं पूर्ण की। इसके बाद बैंक ने इनको 1.58 करोड़ रुपये निर्गत किए।

क्यों डम्प हो गया करोड़ों का पैसा

इन खातों में पिछले 10 वर्षों या उससे अधिक समय से कोई लेन देन नहीं हुआ है। अक्सर लोग खाता खुलवाकर उसमें कुछ रकम छोड़ देते है और फिर नौकरी बदलने, शहर छोटने या पासबुक खो जाने के कारण उसे भूल जाते हैं। कई मामलों में खाताधारक की मृत्यु के बाद उनके परिजनों को खाते की जानकारी न होना भी एक बड़ी वजह है।

किस तरह प्राप्त करें पैसा

एलडीएम अनुराग शर्मा के अनुसार ग्राहक या उनके कानूनी वारिस अभी भी इस पैसे पर दावा कर सकते है। इसके लिए आरबीआई की ओर से उद्?गम पोर्टल शुरू किया गया है, जहाँ जाकर दावेदार अपनी जानकारी दर्ज कर ब्याज सहित धनराशि वापस पा सकते हैं। आरबीआई के इस उद्?गम पोर्टल पर अपना नाम और मोबाइल नम्बर डालें। बैंक का नाम डालकर पैन कार्ड, वोटर आईडी या ड्राइविंग लाइसेन्स नम्बर अंकित करें, यदि आपका नाम सूची में है, तो पोर्टल तुरन्त बता देगा कि किस बैंक में पैसा जमा है।

किसानों की बुनियादी समस्याओं का प्राथमिकता से कराएं निराकरण: डीएम

जिले में दलहन उत्पादन क्षेत्र में वृद्धि के प्रयासों में जुटे डीएम

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

जिले में कृषिगत विकास एवं दलहन उत्पादन क्षेत्र में वृद्धि के उद्देश्य को लेकर जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने कृषि विभाग के अधिकारियों और कृषि वैज्ञानिकों के साथ बैठक की। जिसमें उन्होंने किसानों कि बुनियादी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर करने के निर्देश दिए।

डीएम पुलकित गर्ग ने कहा कि ग्रीष्मकालीन मूंग उत्पादन के लिए जिले में 500 एकड क्षेत्रफल आच्छादित करते हुए इसके अंतर्गत चयनित किसानों का मृदा परीक्षण कराते हुए उन्हें उन्नत एवं प्रमाणित किस्म का बीज उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही जिले मे कृषि तकनीकि हस्तांतरण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रत्येक राजस्व ग्राम स्तर पर एक कृषि ज्ञान दूत एवं पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता को चिन्हित कर प्रशिक्षित किया जाए। यह कार्यकर्ता कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के सहयोग से शासन की विभिन्न योजनाओं एवं नवीनतम कृषि तकनीकों को ग्राम स्तर तक पहुंचाने का कार्य करेंगें। इसके अलावा जिले में श्री अन्न क्षेत्र विस्तार को प्रोत्साहित करने के लिए उत्पादित श्री अन्न के प्रसंस्करण इकाई की स्थापना के जरिए किसानों को स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। डीएम ने कहा कि ग्रीष्मकालीन दलहन उत्पादन तकनीक के माध्यम से जिले की कृषिगत भूमि का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित होगा। ग्रीष्मकालीन पड़त भूमि का उपयोग कर किसान अतिरिक्त आय अर्जित कर सकेंगें और दलहनी फसलों के कारण खेतों में नाईट्रोजन स्थिरीकरण होगा। जिससे आगामी फसलों के लिए आवश्यक रासायनिक उर्वरकों विशेषकर यूरिया की आवश्यकता में कमी आएगी। यह तकनीक किसानों के लिए कम लागत, पर्यावरण अनुकूल एवं लाभकारी सिद्ध होगी। साथ ही यह प्रयास देश द्वारा आयात किए जाने वाले दलहनों पर निर्भरता कम किए जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जाएगा। इसके अलावा कृषि ज्ञान दूत एवं पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता राजस्व ग्राम स्तर पर किसानों की जमीनी समस्याओं के समाधान के लिए विभाग एवं कृषकों के बीच सेतु के रुप में काम करेंगें। यह कार्यकर्ता नवीनतम कृषि एवं पशुपालन तकनीकों के प्रभावी वाहक बनकर विभागीय योजनाओं की जानकारी किसानों तक समयबद्ध रूप से पहुंचाने में महत्वपूर्ण भमिका निभाएंगें। इसी प्रकार श्री अन्न क्षेत्र विस्तार के तहत प्रस्तावित श्री अन्न प्रसंस्करण इकाई स्थापना से किसानों को स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन की सुविधा प्राप्त होगी। जिससे उनके उत्पाद का बेहतर मूल्य प्राप्त होगा एवं किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित होगी। जिलाधिकारी ने इन तीनों परियोजनाओं के संबंध में एक सप्ताह के भीतर डीपीआर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार, उप कृषि निदेशक राजकुमार, कृषि विज्ञान केन्द्र प्रमुख डॉ. राजेन्द्र सिंह नेगी, परियोजना समन्वयक उत्तम कुमार त्रिपाठी व विजय गौतम आदि मौजूद रहे।

सहायक श्रमायुक्त ने दी जानकारी...

15 मार्च तक चलेगा विशेष पंजीकरण अभियान

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

सहायक श्रमायुक्त आर.के. गुप्ता ने बताया कि श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना एवं प्रधानमंत्री लघु व्यापारी मानधन योजना के अंतर्गत विशेष पंजीकरण अभियान आगामी 15 मार्च तक राष्ट्रव्यापी अभियान के रूप में संचालित किए जाने के निर्देश प्राप्त हुए है। जिसमें असंगठित क्षेत्र में नियोजित कर्मकारों एवं लघु व्यापारियों को लाभान्वित किया जाना है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन पेंशन योजना उन श्रमिकों के लिये एक सुरक्षा कवच है, जिनके पास वृद्वावस्था के लिये कोई अन्य सहारा उपलब्ध नही है। इसके अन्तर्गत असंगठित क्षेत्र के सभी कर्मकार जो ई.पी.एफ. एवं ई.एस.आई. से आवर्त न हो, स्वयं से अथवा किसी भी जनसेवा केन्द्र के माध्यम से इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आनलाइन आवेदन कर सकते है। पंजीयन कराने के लिए असंगठित कर्मकार की आयु 18 से 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए तथा वह ई.पी.एफ. व ई.एस.आई. से आवर्त न हो। साथ ही उसकी मासिक आय 15000 रुपये से अधिक न हो, ऐसे सभी कर्मकारों को 18 से 40 वर्ष तक आयु के अनुसार 55 से 200 रुपये प्रतिमाह जमा किये जाने का प्रावधान है। इसमें पंजीकृत होने वाले असंगठित कर्मकरो को 60 वर्ष की आयु होने के बाद 3000 रुपये प्रतिमाह पेंशन देय है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री लघु व्यापारी मानधन योजना के अन्तर्गत वार्षिक टर्नओवर 1.5 करोड़ (डेढ़ करोड़) तक वाले सभी लघु व्यापारी/दुकानदार राष्ट्रीय पेंशन योजना के अन्तर्गत बोर्ड की बेवसाइट एवं जन सुविधा केन्द्र से या श्रम विभाग में आकर अपना पंजीयन कराकर 60 वर्ष की आयु के बाद 3000 रुपये प्रतिमाह पेंशन पा सकते है। उन्होंने असंगठित क्षेत्र में कार्य करने वाले सभी कर्मकरों तथा लघु व्यापारियों से अपील की है कि वह अपना पंजीयन कराकर भारत सरकार की योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकते है।

जनपद में दूरबीन पद्धति से स्पाइन की सर्जरी का सफल आपरेशन

जन एक्सप्रेस । बाँदा

चिकित्सा के क्षेत्र में जनपद लगातार आगे बढ़ रहा है।कुछ वर्ष पहले जो जनपद रेफर सेंटर बना हुआ था।यहां के मरीजों को अपना इलाज कराने दूसरे महानगरों में जाना पड़ता था लेकिन अब उसी जनपद में आधुनिक उपकरणों से इलाज सम्भव हो गया है।इसी कड़ी में एक मामला और सामने आया है जिसने जनपद की चिकित्सा व्यवस्था को ऊँचाइयों तक पहुंचा दिया है।आपको बता दे कि जनपद के महाबरा की रहने वाली बुजुर्ग महिला नसीमुन 65 वर्ष पत्नी जुबैर की रीढ़ की हड्डी टूट गई थी। मरीज की उम्र ज्यादा होने और वजन बहुत होने की वजह से चीरा लगाकर ऑपरेशन रिस्की था तो श्री क्लिनिक के न्यूरो सर्जन डाक्टर अरविंद झा ने महाराणा प्रताप पर स्थित अवनी परिधि हॉस्पिटल में उस महिला को भर्ती करके दूरबीन पद्धति से सफल सर्जरी की जिससे वो महिला फिर से अपने पैरों पर खड़ी होने के लायक हो गई।इस आपरेशन के बारे में कहा जा रहा है कि ये दूरबीन पद्वति से। होने वाली जनपद की पहली स्पाइन सर्जरी है।डाक्टर अरविंद झा ने बताया कि इस ऑपरेशन में उनको लगभग एक घण्टे का समय लगा है,इस आपरेशन में उनकी टीम में एनेस्थीसिया के डाक्टर,डाक्टर सुशील पटेल ने मरीज को बेहोशी दी और अन्य स्टाफ ने भी सहयोग किया।इस आपरेशन के खर्च के बारे ने डाक्टर अरविंद झा ने बताया कि अगर ये आपरेशन किसी बड़े शहर में होता तो तीन से चार लाख,और अगर किसी बड़े कारपोरेट हास्पिटल में होता तो सात से आठ लाख खर्च हो जाता जबकि जनपद ये आपरेशन दवाओं और हास्पिटल के अन्य खर्च सहित डेढ़ लाख में हो गया।

भागवत कथा का हुआ भव्य आयोजन

जन एक्सप्रेस । हमीरपुर

सरीला के ग्राम पुरैनी में चल रही सत्यानंद आश्रम पुरैनी धाम में निर्माण महोत्सव और भागवत पुराण सहित भक्ति योग वेदांत मानस संत सम्मेलन में आए हुए पीठाधीश श्री श्री 108 स्वामी दाता राम महाराज आश्रम लोदीपुरा श्री श्री 108 स्वामी पूर्णानंद महाराज महा मंडेलेश्वर आश्रम राम राजा सरकार ओरछा धाम से श्री श्री 108 स्वामी आदित्यानंद महाराज आश्रम हरिद्वार श्री श्री 108 स्वामी बालाजी महाराज त्यागी आश्रम अखंड धाम मुस्करा,संत सम्मेलन महायज्ञ का 28 वां वार्षिक समारोह में आयोजित भागवत कथा को पंडित लखनलाल महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य बाल लीलाओं का विस्तार से वर्णन किया। कथा के दौरान पंडाल %जय श्री कृष्णा% के जयकारों से गुंजायमान रहा। कथा व्यास ने कालिया नाग के उद्धार का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि किस तरह भगवान श्रीकृष्ण ने यमुना को जहरीले विष से मुक्त करने के लिये कालिया दह में छलांग लगाई। ये कथा संदेश देती है कि, जब समाज में बुराई का जहर फैलता है, तो ईश्वर किसी न किसी रूप में उसका दमन करने जरूर आते हैं। भगवान ने नाग की पत्नियों की प्रार्थना पर उसे अभयदान दिया और रमणक द्वीप जाने का आदेश दिया। कथा के अगले चरण में गोवर्धन लीला का मनमोहक चित्रण किया गया। कथावाचक ने बताया कि जब इंद्र ने अपने अहंकार में आकर ब्रज पर मूसलधार वर्षा की, तब बाल कृष्ण ने अपनी कनिष्ठ उंगली पर विशाल गोवर्धन पर्वत उठाकर सात दिनों तक ब्रजवासियों की रक्षा की।

पुलिस ने तस्कर को दबोचकर दो किलो अवैध गांजा किया बरामद

हमीरपुर। अपराधों की रोकथाम और अपरधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत कुरारा पुलिस क्षेत्र के 32 वर्षीय झलोखर निवासी पवन कुमार पुत्र रामनारायन को सैय्यद बाबा मजार के पास से दो किलो 100 ग्राम अवैध गांजे के साथ धर दबोचा। पकड़े गये तस्कर के खिलाफ कुरारा पुलिस ने मु0अ0सं0-25/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज कर अदालत में पेश किया है। वही तस्कर को गिरफ्तार करने वाली टीम में एस आई शिवबहादुर, हैड कांस्टेबल आकाश कुमार सहित कांस्टेबल कौशल झा शामिल रहे।

ग्राम पंचायतों में बूंद-बूंद पानी को तरस रहे वहां के वासी

जन एक्सप्रेस/बांदा। ग्राम पंचायत अछरौंड़ के वार्ड नंबर-06 के सदस्य घासीराम निषाद ने वीडियो संदेश जारी कर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह को संबोधित किया।उन्होंने कहा कि महोबा विधायक बृजभूषण सिंह राजपूत द्वारा उठाए मुद्दे से ज्यादा जनपद जिले में समस्या गंभीर है,खासकर अछरौंड़,मोहनपुरवा,उजरेहटा और सुरौली में पेयजल संकट छाया है।सर्दियों में ही ग्रामीण बूंद-बूंद पानी को मोहताज हैं।जबकि जल जीवन मिशन और जल विभाग दोनों सक्रिय हैं।निषाद ने योजना को 卐बजट लूटो मिशन और सड़क तोड़ो मिशन卐 करार देते हुए बड़ा घोटाला होने का आरोप लगाया।अधिकारी,कर्मचारी और ठेकेदार मिलकर योजना बर्बाद कर रहे हैं।ग्रामीण पुराने कुओं-नदियों पर निर्भर।उन्होंने एडीएम मदन मोहन वर्मा पर घिसे-पिटे जवाब देकर भ्रष्टाचारियों का साथ देने का आरोप लगाया।मंत्री से अपील की कि कागजी रिपोर्टों पर न जाएं।अछरौंड़ का औचक निरीक्षण करें तो हकीकत सामने आएगी।

समाजसेवी को परेशान करना अज्ञात को पड़ा भारी

जन एक्सप्रेस/बांदा। अज्ञात व्यक्ति की फर्जी शिकायतों से लगातार प्रताड़ित हो रहे समाजसेवी से पत्रकार बने अल्तमस के सब्र का बांध आखिरकार टूट गया।अपनी प्रताड़ना और छविल धूमिल होने से आजिज आकर आखिरकार अल्तमश ने एसपी से न्याय की गुहार लगाई। एसपी ने मामले को तत्काल संज्ञान लेते हुए। नगर कोतवाली में गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। बताते चलें कि जनपद में कई वर्षों समाजसेवा व पत्रकारिता का कार्य कर रहे अल्तमश हुसैन ने मुकदमा दर्ज कराया है।

आपातकालीन सेवाएं 102 व 108 के उत्कृष्ट कर्मियों का हुआ सम्मान, मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बढ़ाया हौसला

जन एक्सप्रेस । बांदा

सीएमओ कार्यालय परिसर में आयोजित इस सम्मान समारोह में एंबुलेंस सेवा के उन कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया,जिन्होंने आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर पहुँचकर मरीजों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाई है।कार्यक्रम की अगुवाई कर रहे जिला प्रोग्राम मैनेजर सोनेंद्र शुक्ला ने बताया की सम्मानित किए गए कर्मचारियों जिला प्रभारी पुष्कल सिंह तथा एंबुलेंस पायलट नरेश,सुशील,सत्येंद्र,सुरेश एवं नवल तथा ईएमटी अजय मिश्रा,उमाकांति, सुशील,उमेश,विकाश और नीरज शामिल रहे। इस अवसर पर सीएमओ डॉ. एस. एन. प्रसाद ने कहा कि 108 और 102 एंबुलेंस सेवा स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ हैं।इन सेवाओं से जुड़े कर्मचारी दिन-रात बिना रुके जनता की सेवा में लगे रहते हैं और आपातकालीन स्थिति में त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराकर अनेक लोगों की जान बचाते हैं।

सीएमओ डॉक्टर विजेंद्र सिंह ने सभी कर्मचारियों की कर्तव्यनिष्ठा,समर्पण और मानवता भाव की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करने की अपेक्षा जताई।जिला प्रोग्राम मैनेजर सोनेंद्र शुक्ला ने कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि एंबुलेंस कर्मियों का योगदान समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और उनका सम्मान किया जाना गर्व की बात है।

आत्मविश्वास और एकाग्रता बढ़ाने के लिए करें बकासन

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

जिला मुख्यालय के कुबेर गंज निवासी योगाचार्य रमेश सिंह राजपूत ने योग कराते हुए बताया कि बकासन (क्रेन पोज) संपूर्ण शरीर का बेहतरीन व्यायाम है। यह योग विशेषतः बाहों, कलाई और कोर की मांसपेशियों को संतुलित और मजबूत बनाने के लिए बहुत ही असरदार है।

बताया कि बकासन कमर व ऊपरी पीठ में खिंचाव देता है तथा पेट के अंगों को व्यवस्थित करके टोन करता है। मानसिक स्तर पर आत्मविश्वास के साथ एकाग्रता बढ़ाता है व तनाव और चिंता को कम करता है। इसे कौवा या क्रो-पोज के रूप में भी जाना जाता है। इसे करने के लिए योगा मैट पर पंजों के बल इस प्रकार बैठे कि एड़ियां जमीन से ऊपर हों, घुटनों के बीच हिप की चैड़ाई के बराबर दूरी रहे, हथेलियां को जमीन पर घुटनों के बाहर कंधों की चैड़ाई पर रखते हैं तथा हाथ की उंगलियां आगे की ओर फैली रहती हैं। घुटनों को कांख के नीचे भुजा (ट्राइसेप्स) पर टिकाते हुए शरीर का वजन धीरे-धीरे हाथों पर डालते हुए, ध्यान सामने किसी एक बिंदु पर केंद्रित करते हुए धीरे-धीरे पैरों को जमीन से ऊपर उठाते हैं, उन्हें एक साथ सटाकर रखते हैं तथा पेट की मांसपेशियां सक्रिय रखते हुए कुछ देर इस स्थिति को बनाए रखते हैं। श्वास सामान्य रहती है। धीरे-धीरे पैरों को जमीन पर वापस लाकर प्रारंभिक स्थिति में आते हैं। सावधानी के तौर पर कलाई व कंधों में चोट की दशा में अपनी सामर्थ्य के अनुसार इसे धीरे-धीरे करें और अवधि बढ़ाएं।

कांग्रेसियों ने सँत शिरोमणि रविदास की धूमधाम से मनाई जयंती

जन एक्सप्रेस । बांदा

रविवार को जिला/शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित की अध्यक्षता में संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कांग्रेस कार्यालय में मनाई गई।इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए बतलाया कि संत शिरोमणि रविदास का जन्म बनारस में हुआ बचपन से ही मां गंगा के अनंत भक्त रहे गंगा किनारे बैठकर उन्होंने विश्व कल्याण की भावना के साथ समता मूलक समाज की रचना की, चित्तौड़ की रानी एवम् राणा सांगा की पुत्रवधु मीरा उनकी परम शिष्या थीं। जिनकी प्रेरणा से वैराग्य हुआ और कृष्ण रूपी ब्रह्म के साक्षात दर्शन हुए। उनके कहे यह शब्द ÷मन चंगा तो कठौती में गंगा÷ समाज में आज भी प्रचलित हैं। इस अवसर पर कांग्रेस शहर अध्यक्ष अफसाना शाह, एआईसीसी सदस्य प्रद्युम्न कुमार लालू दुबे एडवोकेट,पीसीसी पवन देवी कोरी,कार्यालय प्रभारी शिवबली सिंह,जिला महामंत्री/मीडिया प्रभारी सत्यप्रकाश द्विवेदी एडवोकेट,जिला सचिव हेमन्त कुमार वर्मा, प्रवक्ता राममिलन सिंह पटेल एडवोकेट, बांदा कांग्रेस सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष सन्तोष कुमार द्विवेदी, धीरेन्द्र पांडेय धीरू, राजेश गुप्ता पप्पू, के पी सेन, राजबहादुर गुप्ता,अशोक वर्धन कर्ण,आरिफ निजामी,अंकित साहू,शब्बीर सौदागर,सुखदेव गांधी,अशरफ उल्ला खान रम्पा,गोविन्द नारायण द्विवेदी,जगदेव प्रजापति,नत्थूराम सेन,अली बख्श प्रमुख कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

अवैध शराब के साथ पूर्व प्रधान गिरफ्तार

चित्रकूट। डिलौरा गांव के पूर्व प्रधान राजू निषाद उर्फ रजौवा को आबकारी टीम ने अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के घर से छापा मार टीम ने अवैध शराब बरामद की है। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग को शिकायत प्राप्त हुई थी, कि कर्वी कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत डिलौरा गांव में अवैध शराब की बिक्री की जा रही है। डीएम के निर्देश पर कर्वी के आबकारी निरीक्षक प्रणव कुमार पांडेय ने अपनी टीम के साथ बीती रात डिलौरा गांव के पूर्व प्रधान राजू निषाद उर्फ रजौवा के घर एवं दुकान की सघन तलासी ली। तलासी के दौरान पूर्व प्रधान अपने घर में देशी शराब की बिक्री करवा रहा था। जिसके बाद वहां मिली अवैध शराब को बरामद करते हुए आरोपी राजू निषाद उर्फ रजौवा को गिरफ्तार कर लिया गया। जिसके विरुद्ध संयुक्त प्रांत आबकारी अधिनियम की धाराओं मे अभियुक्त पंजीकृत किया गया है।

सेवानिवृत्त न्यायिक कर्मचारियों को दी विदाई, जिला जज ने किया सम्मानित

जन एक्सप्रेस । बांदा

जनपद न्यायालय परिसर स्थित कान्फ्रेंस हाल में बीती शाम बलराम सिंह कछवाह रीडर सुशील राय चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एवं कविता अग्रहरि लिपिक लोक अदालत के सेवानिवृत्त होने के उपलक्ष्य में एक गरिमामय विदाई समारोह (फेयरवेल पार्टी) का आयोजन किया गया।समारोह की अध्यक्षता जिला जज अल्पना श्रीवास्तव द्वारा की गई।इस अवसर पर जिला जज ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शॉल एवं रामायण भेंट कर उनके दीर्घायु,उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखमय जीवन की कामना की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय न्यायिक अधिकारीगण विकास श्रीवास्तव,छोटे लाल यादव एवं दिव्याकांत सिंह राठौर ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों द्वारा न्यायालय में दी गई सेवाओं की सराहना की तथा उनके स्वस्थ एवं सम्मानपूर्ण जीवन की कामना करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की।इस अवसर पर कर्मचारी संघ के पूर्व महासचिव रोआब आलम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी मुन्नीलाल वर्मा,प्रशासनिक हेड जितेंद्र कुमार,मनोज कुमार जैन,मोतीलाल श्रीवास,तुलसीदास सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों का माल्यार्पण कर उनके प्रति कृतज्ञता एवं आभार व्यक्त किया।समारोह सौहार्दपूर्ण एवं भावनात्मक वातावरण में संपन्न हुआ।

मौनी बाबा की तपोस्थली में आयोजित हुआ विशाल कन्याभोज

जन एक्सप्रेस । बांदा

तहसील बबेरू के ब्लाक बिसंडा अंतर्गत ग्राम कैरी में मौनी बाबा की तपोस्थली में आम जनमानस के लिए एक विशाल कार्यक्रम का आयोजन ग्राम कैरी निवासी छत्तीसगढ़ पुलिस से सेवानिवृत वरिष्ठ पुलिस फोटो एवं वीडियो ग्राफर के रूप में अपनी उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले राष्ट्रपति सेवा पदक से सम्मानित राम गोपाल पटेल द्वारा कराया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ सुंदरकांड पाठन से प्रारंभ हुआ तत्पश्चात विशाल कन्या भोज व आम जनमानस द्वारा प्रसाद ग्रहण किया गया,उक्त कार्यक्रम में गांव के सर्व समाज के महत्वपूर्ण लोगों के साथ-साथ विधवाओं और शहीदों की पत्नियों को शाल देकर सम्मानित किया गया,कार्यक्रम में आये क्षेत्र के सैकड़ो लोगों एवं अतिथियों का ड्रोन द्वारा गंगाजल व पुष्प की वर्षा कर स्वागत किया गया कार्यक्रम के आयोजक राम गोपाल द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी,सुभाष चंद्र बोस व जवाहरलाल नेहरू के विश्वासपात्र एवं आजादी की लड़ाई में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पूर्व विधायक एवं डिस्ट्रिक बोर्ड जनपद के लंबे समय तक अध्यक्ष रहे स्वर्गीय राम सनेही भारती की प्रतिमा सरदार वल्लभभाई पटेल सेवा संस्थान जनपद के पदाधिकारियों को भेंट की गयी।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से लखनऊ से आए सेवानिवृत्ति कमिश्नर सी के पटेल सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व अधिवक्ता राममिलन सिंह पटेल,सरदार वल्लभभाई पटेल सेवा संस्थान के अध्यक्ष मुंगी प्रसाद पटेल,पटेल उत्थान समिति बबेरू के अध्यक्ष महेंद्र सिंह पटेल, रोहित सिंह पटेल,आध्यात्मिक व समाज सेवी रोहिणी पटेल उर्फ सुमन सिंह,पूर्व प्रोफेसर डॉक्टर सदाशिव भारतीय,ब्रह्म कुमारी आश्रम के छेदीलाल पटेल,गायत्री मिशन के राधे भगत पूर्व प्रधान राम मूरत सिंह चंद्रपाल पटेल समाज सेवी पीसी पटेल सहित सैकड़ो की संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

लखनऊ एक्सप्रेस
हिंदी दैनिक, जन एक्सप्रेस | @janexpressnews | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper | janexpresslive | लखनऊ, सोमवार, 02 फरवरी, 2026

भाजपा जिला कार्यालय में केंद्रीय वित्त मंत्री...
भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर रविवार को केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में प्रस्तुत किए गए केंद्रीय बजट 2026-27 (9वां बजट) का सीधा लाइव प्रसारण बड़े ही उत्साह, अनुशासन और गंभीरता के साथ देखा गया... पढ़ें पेज 07 पर...

शिकायत सही, अतिक्रमण साबित फिर भी नगर निगम बेपरवाह

- आईजीआरएस बना फाइल निपटाने का औज़ार, ज़मीनी कार्रवाई से फिर पल्ला

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

लखनऊ नगर निगम की कार्यप्रणाली अब केवल लापरवाही नहीं, बल्कि जानबूझकर की जा रही प्रशासनिक टालमटोल की मिसाल बनती जा रही है। आईजीआरएस पर दर्ज शिकायत में अतिक्रमण स्पष्ट रूप से सही पाए जाने के बावजूद नगर निगम ने मौके पर कार्रवाई करने के बजाय भविष्य की तारीख थमा दी और फाइल निपटाने की तैयारी कर ली। आईजीआरएस शिकायत संख्या 40015726006006 की जांच रिपोर्ट खुद नगर निगम के खिलाफ गवाही दे रही है। 29 जनवरी 2026 को जोन-05 (आलमबाग) के कर अधीक्षक सभाजीत सिंह द्वारा प्रस्तुत आख्या में साफ लिखा है कि- स्थल का भौतिक सत्यापन कराया गया

शिकायतकर्ता से वार्ता की गई मौके पर अस्थायी अतिक्रमण पाया गया इसके बावजूद नगर निगम ने कानून के मुताबिक तत्काल हटाने की कार्रवाई नहीं की और अतिक्रमण हटाने की तारीख 10 फरवरी 2026 तय कर दी।

कानून किनारे-किसके दबाव में निगम?

जब अतिक्रमण की पुष्टि हो चुकी है, तो सवाल उठता है कि उसे उसी समय हटाने में क्या बाधा थी? क्या नगर निगम को कानून से ज्यादा तारीखें देना आसान लगने लगा है? या फिर पुलिस बल, संसाधन और प्रक्रिया का बहाना बनाकर कार्रवाई को जानबूझकर टाला जा रहा है?

आईजीआरएस पर 'संतुष्टि', जमीन पर कुछ नहीं

सबसे गंभीर तथ्य यह है कि आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायतकर्ता की 'संतुष्टि' दर्ज कराते हुए मामले को 'निक्षेपित' करने का प्रस्ताव किया गया है। यानी– कागजों में समस्या खत्म पोर्टल पर मामला बंद लेकिन अतिक्रमण मौके पर कायम यह स्थिति साफ इशारा करती है कि जनसुनवाई व्यवस्था अब न्याय नहीं, बल्कि फाइल निस्तारण का माध्यम बनती जा रही है।

गवाह मौजूद, सबूत दर्ज, फिर कार्रवाई क्यों नहीं?

जांच के दौरान गवाह विवेक मिश्र की उपस्थिति दर्ज की गई है। जब साक्ष्य मौजूद हैं, रिपोर्ट स्पष्ट है, और अतिक्रमण स्वीकार किया जा चुका है, तो फिर कार्रवाई में देरी किसके इशारे पर हो रही है? क्या नगर निगम की प्राथमिकता कानून लागू करना नहीं, बल्कि समय निकालना रह गई है?

10 फरवरी: कार्रवाई या फिर एक और छलावा?

- अब सबकी नजरें 10 फरवरी 2026 पर हैं।
- सवाल यह नहीं है कि तारीख तय हुई या नहीं–
- सवाल यह है कि क्या उस दिन वाकई अतिक्रमण हटेगा या यह तारीख भी सरकारी फाइलों में दब कर रह जाएगी?

सबसे बड़ा सवाल–

- अगर शिकायत सही साबित होने के बाद भी कार्रवाई नहीं होती, तो आईजीआरएस किस काम का?
- और जब नगर निगम खुद अतिक्रमण मान ले, तब भी हाथ खड़े कर दे–तो जनता न्याय के लिए जाए तो जाए कहां?

चमकती हाई बीम के आगे बुझते परिवहन नियम

- हाई पावर एलईडी हेडलाइट्स बनीं सड़क हादसों का नया खतरा, नियम-कानून बेबस

जन एक्सप्रेस । अमित शुक्ला

पुलिस-परिवहन विभाग में 'ब्लेम गेम'

हालांकि पुलिस प्रशासन समय-समय पर हाई बीम के खिलाफ अभियान चलाता है और चालान भी काटे जाते हैं, लेकिन ये कार्रवाई नाकाफी साबित हो रही है। इस मुद्दे पर पुलिस और परिवहन विभाग के बीच जिम्मेदारी को लेकर खुला 'ब्लेम गेम' चल रहा है। दोनों विभाग एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल देते हैं।

सबसे बड़ा सवाल:

क्या हाई पावर स्ध्रष्ठ हेडलाइट्स पर कोई स्पष्ट सरकारी मानक मौजूद है?
यदि नियम हैं, तो बाजार में गैर-मानक लाइटें कैसे बिक रही हैं?
हादसों की जिम्मेदारी किसकी- पुलिस, परिवहन विभाग या दोनों की?

विशेषज्ञों की राय

विशेषज्ञों का मानना है कि या तो वाहन लाइटों को लेकर नियम अस्पष्ट हैं, या फिर नियमों को लागू कराने वाला सिस्टम सुस्त है। जब तक बाजार में बिकने वाली गैर-मानक स्ध्रष्ठ हेडलाइट्स पर सख्ती नहीं होगी, तब तक सड़क सुरक्षा महज़ कागज़ी दावा बनी रहेगी। अब उम्मीद यही है कि प्रशासन इस गंभीर समस्या का संज्ञान लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करे और सख्त कार्रवाई करे, ताकि आम वाहन चालकों को राहत मिल सके और सड़कें सुरक्षित बन सकें।

लखनऊ। राजधानी की सड़कों पर पहले से ही ट्रैफिक जाम, गड्ढे, ओवरस्पीडिंग और लचर ट्रैफिक व्यवस्था लोगों की परेशानी बढ़ा रही थी, अब वाहनों में लगी हाई बीम स्ध्रष्ठ हेडलाइट्स ने हालात और भयावह कर दिए हैं। तेज रोशनी वाली ये लाइटें आंखों को चौंधिया देती हैं, जिससे वाहन चालक कुछ सेकंड के लिए सामने का दृश्य खो बैठते हैं। यही कुछ सेकंड सड़क दुर्घटनाओं को जन्म देने के लिए काफी हैं। रात के समय शहर की मुख्य सड़कों से लेकर कॉलोनियों की गलियों तक हाई पावर स्ध्रष्ठ हेडलाइट्स आम होती जा रही हैं। हालात यह है कि सामने से आती गाड़ी की रोशनी आंखों में पड़ते ही वाहन चलाना मुश्किल हो जाता है। खासकर बुजुर्ग, चश्मा पहनने वाले और दोपहिया वाहन चालक इस समस्या से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। जानकार बताते हैं कि पहले वाहनों में लगी हेलोजन लाइटें पर्याप्त रोशनी देती थीं और आंखों पर ज्यादा असर नहीं डालती थीं। अब वाहन निर्माता कंपनियां जो स्ध्रष्ठ लाइट्स देती हैं, वे सरकारी मानकों के अनुसार होती हैं। लेकिन बाजार में खुलेआम बिक रही हाई पावर एलईडी हेडलाइट्स न तो किसी मानक पर खरी उतरती हैं और न ही इनके उपयोग की सड़कों पर कोई ठोस निगरानी है। स्पेयर पार्ट्स की दुकानों पर ये लाइटें आसानी से मिल जाती हैं। दुकानदारों का साफ कहना है- 'जो डिमांड होती है, वही बेचते हैं। इसको लेकर कोई स्पष्ट गाइडलाइन नहीं है।'

जनता की पीड़ा

गोमती नगर निवासी एक नागरिक का कहना है- 'पहले ही होम डिलीवरी वाले लापरवाही से वाहन चलाते हैं, अब इन हाई बीम लाइट्स ने नई मुसीबत खड़ी कर दी है।' वहीं आशियाना क्षेत्र में रहने वाले एक वृद्ध सज्जन बताते हैं- 'इन लाइट्स की वजह से रात में गाड़ी चलाना बुजुर्गों के लिए चुनौती बन गया है। चश्मा पहनने वालों के लिए तो यह और खतरनाक है।'

युवाओं का शौक, दूसरों के लिए खतरा

तेज रोशनी, लंबी दूरी तक कवरेज और स्टाइलिश डिजाइन ने इन लाइट्स को युवाओं और मनचलों के बीच फैशन का हिस्सा बना दिया है। लेकिन यही फैशन सड़क हादसों को न्योता दे रहा है। कई मामलों में सामने से आ रहे वाहन की तेज रोशनी के कारण चालक का संतुलन बिगड़ जाता है।

आईजीआरएस में शिकायत, जिम्मेदार अफसरों को क्लीन चिट

मौके पर गंदगी व नाबालिग मजदूरी मिली-एफएसओ, सहायक आयुक्त और डीएम की भूमिका पर सवाल

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

आईजीआरएस पर दर्ज शिकायत संख्या 40015726005385 के निस्तारण ने साफ कर दिया है कि जब मामला जमीनी कार्रवाई का हो, तो खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) के जिम्मेदार अफसर नियमों की किताब बंद कर देते हैं। अजन्ता हॉस्पिटल, आलमबाग के पास संचालित खाद्य प्रतिष्ठान में गंदगी, खुले में अंडा-बिरयानी की बिक्री और नाबालिग बच्चों से काम कराए जाने की पुष्टि होने के बावजूद सिर्फ इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी कर शिकायत को निस्तारित कर दिया गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी की रिपोर्ट और वही रिपोर्ट बेअसर

मामले की जांच करने वाले खाद्य सुरक्षा अधिकारी (एफएसओ) की आख्या खुद यह स्वीकार करती है कि मौके पर खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाया गया। सवाल यह है कि- जब उल्लंघन प्रमाणित था, तो एफएसओ ने सीलिंग की संस्तुति क्यों नहीं की? सहायक आयुक्त (खाद्य) ने इस रिपोर्ट के बावजूद दंडात्मक कार्रवाई क्यों नहीं कराई?

क्या नियम सिर्फ कागज़ों में लागू होते हैं?

नाबालिग मजदूरी दिखी, फिर भी रिपोर्ट आगे नहीं बढ़ी शिकायत में नाबालिग बच्चों से काम कराए जाने का स्पष्ट उल्लेख था, लेकिन एफएसओ ने न श्रम विभाग या बाल संरक्षण इकाई को सूचना क्यों नहीं दी? क्या कानून के तहत अन्य विभागों को सूचित करना प्रशासनिक दायित्व नहीं है? यह चूक नहीं, बल्कि जिम्मेदारी से बचने का रास्ता मानी जा रही है।

पंजीकरण बना सुरक्षा कवच

एफएसडीए अधिकारियों ने प्रतिष्ठान के पास वैध पंजीकरण होने को आधार बनाकर कार्रवाई से हाथ खींच लिए। जबकि कानून स्पष्ट है– उल्लंघन की स्थिति में पंजीकरण संरक्षण नहीं देता। फिर भी सहायक आयुक्त (खाद्य) स्तर पर कोई सख्ती नहीं दिखाई गई। आईजीआरएस निस्तारण पर अंतिम मुहर–डीएम कार्यालय की आईजीआरएस शिकायत का अंतिम निस्तार जिलाधिकारी कार्यालय के स्तर से होता है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या डीएम कार्यालय इस रिपोर्ट को ज्यों-का-त्यों स्वीकार करेगा? या फिर ढीली जांच और खानापूर्ति पर सवाल उठाएगा? यदि यह शिकायत बिना पुनः जांच के 'निक्षेपित' होती है, तो पूरे निस्तारण की जवाबदेही सीधे जिला प्रशासन पर तय होगी।

कुर्सियां सुरक्षित, जनस्वास्थ्य असुरक्षित

इस पूरे मामले में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सहायक आयुक्त (खाद्य) और आईजीआरएस निस्तारण से जुड़े जिला स्तरीय अधिकारी तीनों स्तरों पर जिम्मेदारी तय होती दिख रही है, लेकिन कार्रवाई कहीं नजर नहीं आ रही। यह केवल एक होटल या एक शिकायत का मामला नहीं– यह सवाल है कि क्या नियम आम जनता के लिए हैं, और अफसरों के लिए नहीं?

भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष और विधायकों ने सामूहिक रूप से केंद्रीय बजट का लाइव प्रसारण सुना

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनन्द द्विवेदी ने हजरतगंज स्थित हलवासिया कोर्ट में बड़ी संख्या में उपस्थित पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के संग केंद्रीय बजट का लाइव प्रसारण सुना। लखनऊ महानगर में मंडल स्तर पर बजट का लाइव प्रसारण बड़ी स्क्रीन पर आमजन के साथ देखा गया। एमएलसी मुकेश शर्मा ने पूर्व मंडल एक में, उत्तर विधायक डॉ नीरज बोरा ने इंजीनियरिंग चौराहा स्थित उत्तर मंडल पांच पर, पूर्व विधानसभा विधायक ओ पी श्रीवास्तव ने इंदिरा नगर स्थित सी-ब्लॉक, दत्त भवन पर सामूहिक रूप से केंद्रीय बजट प्रसारण पदाधिकारियों,कार्यकर्ताओं और आमजन के साथ लाइव देखा। महानगर अध्यक्ष आनन्द द्विवेदी ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश का ऐतिहासिक बजट प्रस्तुत किया है। ये केंद्रीय बजट पीएम मोदी के नेतृत्व में समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत की प्रक्रिया को गति देगा। यह बजट भारत को लोकल से ग्लोबल बनने में मदद करेगा। बजट आत्मनिर्भरता को समर्पित उद्योग, स्टार्टअप्स, किसानों और युवाओं को मजबूत करने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगा। बजट प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' के संकल्प के अनुसार जनकल्याणकारी एवं सर्वसमावेशी दिशा में बड़ा कदम है।

इटौंजा में यूजीसी कानून के विरोध में जन आंदोलन

सैकड़ों लोग हुए एकत्रित जमकर हुई नारेबाजी

- इटौंजा खेल मैदान, बाजार, मार्केट महोना रोड पर किया पैदल मार्च, श्रीओम मिश्रा ने खून से लिखा राष्ट्रपति महोदया को पत्र

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

लखनऊ जिले के बख्शी का तालाब इटौंजा में सर्व समाज के हजारों लोगों ने यूजीसी कानून के विरोध में इटौंजा खेल ग्राउंड में एकत्रित होकर पैदल मार्च निकाला। वहीं यह मार्च इटौंजा से सीतापुर रोड तक गया,जिसमें लोगों ने यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ नारेबाजी की और अपना विरोध दर्ज कराया। वहीं आंदोलनकारी राम प्रकाश सिंह,अजय मिश्र बाबा, भाजपा युवा नेता सुधाकर अवस्थी अपने कार्यकर्ताओं के साथ, मदन मोहन मिश्रा,ओम मिश्रा, दीपक शुक्ला तिरंगा, नगेन्द्र सिंह ने महामहिम राष्ट्रपति महोदया को संबोधित ज्ञापन इटौंजा थाना प्रभारी निरीक्षक मार्कंडेय यादव को सौंपा। जिसमें उन्होंने यूजीसी के नए नियमों को एकपक्षीय और सवर्ण छात्रों के विरुद्ध प्रभाव डालने वाला बताया है, ज्ञापन में कहा गया है कि, यूजीसी के नए नियम देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था में गहरी असमानता और भेद-भाव उत्पन्न करने वाले हैं और यह कानून सवर्ण वर्ग के छात्रों का शैक्षणिक और व्यवसायिक भविष्य बाधित कर सकता है। इटौंजा में सरकारी आंदोलनकारियों ने मांग की है कि यूजीसी के इस काले कानून को तत्काल प्रभाव से रोका जाए। नीति निर्धारण समितियों में सभी सामाजिक वर्गों का संतुलन और पारदर्शी प्रतिनिधित्व किया जाए, और छात्रों, शिक्षकों, शिक्षाविदों एवं राज्य सरकारों से व्यापक संवाद के बाद ही कोई नई नीति लागू की जाए। आंदोलन में सर्व समाज के लोग उपस्थित थे,जिन्होंने यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया और सरकार से मांग की कि उनकी मांगों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। सभी ने कहा कि अगर सरकार ने उनकी मांगे नहीं मानी तो वह बड़े स्तर से आंदोलन करेंगे? यह कानून बांटने वाला है ना कि एक दूसरे को जोड़ने वाला।

महीनों की अनदेखी पर सड़कों पर उतरी जनता

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

- दुबग्गा में जलभराव-टूटी पुलिया से जनआक्रोश, अनिश्चितकालीन धरने ने प्रशासन को झुकाया

दुबग्गा थाना क्षेत्र में अंधे की चौकी के पीछे फैला भीषण जलभराव आखिरकार प्रशासन के लिए भारी पड़ गया। महीनों से बजबजाती नालियां, धंसी सड़क और टूटी पुलिया से परेशान जनता का गुस्सा शनिवार को सड़कों पर फूट पड़ा। भारतीय किसान मजदूर यूनियन (दसहरी संगठन) के नेतृत्व में शुरू हुए अनिश्चितकालीन धरने ने नगर निगम और पीडब्ल्यूडी को हिला कर रख दिया। धरना शुरू होते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया। नगर निगम के अधिशासी अभियंता, जेई, पीडब्ल्यूडी अधिकारी और दुबग्गा थाना प्रभारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जनता के दबाव के आगे झुकते हुए अधिकारियों को तत्काल जेसीबी मशीन मंगवाकर जलनिकासी की वैकल्पिक व्यवस्था करानी पड़ी। जलभराव से घिरे इलाके में दोनों ओर से पानी निकाला गया और गिट्टी डालकर अस्थायी रास्ता बनवाया गया, ताकि किसी तरह आवागमन बहाल हो सके। अधिकारियों ने मौके पर स्वीकार किया कि समस्या लंबे समय से लंबित थी और लगातार अनदेखी के चलते हालात विस्फोटक हो गए। प्रशासन ने मछली मंडी से अंधे की चौकी तक नाले के निर्माण का कार्य शनिवार से शुरू कराने का दावा किया। साथ ही 4 फरवरी को नगर आयुक्त के साथ उच्चस्तरीय बैठक बुलाने का आश्वासन भी दिया गया। दो माह में स्थायी समाधान का दावा किया गया, लेकिन जनता ने साफ कर दिया कि 'घोषणाओं से नहीं, ज़मीनी काम से भरोसा बनेगा।' धरने में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे। भारतीय किसान मजदूर यूनियन (दसहरी संगठन) के नेता मनीष यादव (दसहरी) ने चेतावनी दी– 'अगर प्रशासन ने फिर आंख मूंद ली, तो आंदोलन और तेज होगा। महीनों से जलभराव, टूटी पुलिया से बेहाल दुबग्गा, अनिश्चितकालीन धरने से मचा प्रशासन में हड़कंप, जेसीबी से कराई गई आनन-फानन में जलनिकासी, 4 फरवरी को नगर आयुक्त संग बैठक का आश्वासन, जनता बोली–काम पूरा होगा, तभी धरना खत्म होगा।

मारपीट में घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत

जन एक्सप्रेस। लखनऊ। लखनऊ कमिश्नरेट उत्तरी जोन सैरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम लोधामऊ में जमीन की पुरानी रंजिश को लेकर चाकू से घायल हुए गजराज की इलाज के दौरान मौत हो गई। एक 1 फरवरी की तड़के सुबह उनकी हालत अचानक बिगड़ गई और अस्पताल ले जाते समय उन्होंने दम तोड़ दिया। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और अस्पताल परिसर में मातम छा गया। परिजनों के अनुसार, 28 जनवरी की शाम करीब 4 बजे जमीन के विवाद को लेकर गजराज के पोते रोहित उर्फ आकाश से कहासुनी हो गई। आरोप है कि पुरानी रंजिश के चलते रोहित उर्फ आकाश ने गाली-गलौज के बाद अपने बाबा गजराज पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उनकी गर्दन में गंभीर चोट आई। वारदात के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देता हुआ मौके से फरार हो गया।घायल गजराज को परिजन इलाज के लिए राम सागर मिश्र अस्पताल ले गए, जहां उनकी हालत लगातार गंभीर बनी रही। इलाज के दौरान 1 फरवरी की सुबह अचानक तबीयत बिगड़ गई और अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई।मृत्यु के बाद परिजनों की तहरीर पर मृतक के दूसरे बेटे पवन ने सैरपुर थाने में आरोपी रोहित उर्फ आकाश के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

अध्यक्ष आनन्द द्विवेदी ने किया संत शिरोमणि रविदास की मूर्ति का किया अनावरण

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

लखनऊ मिठाई चौराहा महानगर स्थित संत शिरोमणि रविदास जयंती के अवसर पर लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने संत शिरोमणि रविदास की मूर्ति का अनावरण किया साथ में विधान परिषद सदस्य रामचंद्र प्रधान मौजूद रहें। महानगर अध्यक्ष आनन्द द्विवेदी ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि मानवता, समानता और भाईचारे का उत्सव है। संत रविदास ने समाज में फैली बुराईयों को जड़ से समाप्त करने के लिए अपना पूरा जीवन लगा दिया, उनके विचार 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' आज भी हमें सही राह दिखाते हैं। एमएलसी रामचंद्र प्रधान ने कहा कि रविदास जयंती संत गुरु रविदास जी के सम्मान और उनके महान विचारों को याद करने के लिए मनाई जाती है उन्होंने अपनी शिक्षाओं, उपदेशों और भक्ति के माध्यम से लोगों को समानता, प्रेम और मानवता का संदेश दिया उनका मानना था कि सभी मनुष्य समान हैं और किसी भी व्यक्ति को जाति, धर्म या वर्ग के आधार पर छोटा-बड़ा नहीं समझना चाहिए। इस अवसर पर अनुसूचित मोर्चा उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक इंदल गौतम, महामंत्री राम अवतार कनौजिया, उपाध्यक्ष घनश्याम दास अग्रवाल, अशोक तिवारी, विनायक पांडे, चेतन बिष्ट, आनंद पांडे, युवा मोर्चा अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह, महामंत्री अमित त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

लखनऊ केजीएमयू मे संयुक्त स्वास्थ्य आउटसोर्सिंग संविदा कर्मचारी संघ ने अपनी समस्याओं को लेकर आम सभा की बैठक हुई संपन्न

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

संयुक्त स्वास्थ्य आउटसोर्सिंग संविदा कर्मचारी संघ केजीएमयू लखनऊ में कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर आम सभा की बैठक केजीएमयू कैंपस सभागार में संपन्न हुई। जिसमें कर्मचारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर अपनी समस्याओं को संगठन के समक्ष रखा। वही सर्वप्रथम कर्मचारियों ने उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री द्वारा बनाए जा रहे निगम की घोषणा की गई थी, किंतु एक वर्ष बीत जाने के बावजूद भी अभी तक निगम मूर्त रूप नहीं ले सका जिससे कर्मचारी आहत और परेशान है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा निगम बनने के नाम पर वेतन बढ़ोतरी एवं प्रतिवर्ष होने वाली वृद्धि को भी रोक दिया गया है जिससे कर्मचारियों में काफी रोष व्याप्त है। वही प्रदेश अध्यक्ष रितेश मल्ल जी ने कहा कर्मचारियों की समस्याओं का निवारण एक माह में नहीं हुआ तो कर्मचारी आंदोलन करने के लिए विवश होंगे कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए हर स्तर पर लड़ाई लड़ी जाएगी। साथ ही महामंत्री मनोज जी ने कहा चिकित्सा विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा संगठन के प्रति सहयोग की भावना तो रहती है मगर काम करने के समय निरंकुश हो जाते है बार-बार कर्मचारियों को एजेंसियों के द्वारा शोषण वेतन कटौती आदि समस्याओं के लिए संगठन प्रयास करता रहता है जिसमें विभाग द्वारा सहयोग मिलने के बावजूद भी एजेंसी द्वारा जानबूझकर प्रताड़ित किया जाता है। संगठन के सभी साथियों ने एक साथ हुंकार भरी और जल्द से जल्द निगम बनाने वेतन बढ़ोतरी इंक्रीमेंट और अवकाश जैसी व्यवस्था को लागू करने का आवाहन किया एवं महिला कर्मचारियों का किसी भी तरह से शोषण न हो इसके लिए संगठन हर स्तर पर लड़ने के लिए बाध्य होगा। बैठक में कार्यवाहक अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, सतीश चौहान मनोज सिंह,बसंत जी,पाठक जी,विनोद कुमार कश्यप, विकास, सुभाष, उमेश, आराधना, लक्ष्मी, काजल, रंजना, राहुल, शैलेन्द्र, संदीप, गीतेश, सचिन, सुनील अन्य सभी कर्मचारियों मौजूद रहें।

सरकारी सुरक्षित जंगल में अवैध कटान, विभागीय भूमिका पर उठे सवाल

जन एक्सप्रेस । तिलोई, अमेठी

जनपद अंतर्गत तिलोई रेंज के विकास खंड सिंहपुर स्थित ग्राम सभा जेहटा में सरकारी सुरक्षित जंगल में बड़े पैमाने पर अवैध कटान का मामला सामने आया है। ग्रामीणों और सूत्रों के अनुसार जेहटा से भगनी के पुरवा की ओर जाने वाले कच्चे मार्ग के किनारे स्थित जंगल में हरे-भरे सरकारी पेड़ों की खुलेआम कटाई कराई गई है,जिससे वन संरक्षण व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है,कि दिनदहाड़े इलेक्ट्रॉनिक आरी और कुल्हाड़ी से पेड़ काटे जाते रहे,लेकिन इस दौरान न तो वन विभाग की ओर से प्रभावी कार्रवाई हुई और न ही स्थानीय पुलिस व राजस्व विभाग की सक्रियता दिखाई दी।इससे विभागीय लापरवाही अथवा मिलीभगत की आशंका जताई जा रही है।ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में संचालित एक भट्ठी के लिए जंगल से लकड़ी कटवाई जाती है। आरोप यह भी है कि कथित ठेकेदार केवल माध्यम हैं,जबकि असली लाभ भट्ठी संचालकों को मिलता है।जंगल से काटी गई लकड़ी को सस्ते दामों पर खरीदकर भट्टियों में झोंक दिया जाता है,जहां उससे कोयला तैयार किया जाता है।ग्रामीणों के अनुसार एक भट्ठी परिसर में सरकारी जंगल की जंगली बबूल की भारी मात्रा में लकड़ी देखी गई थी।सूचना मिलने पर वन विभाग के बीट प्रभारी मौके पर पहुंचे।और कुछ लकड़ी बरामद भी की गई, लेकिन आरोप है कि शेष लकड़ी अब तक पूरी तरह जब्त नहीं हो सकी है।इस दौरान वनकर्मियों के साथ कहासुनी और विरोध की बात भी सामने आई है।सरकारी सुरक्षित जंगल में इस तरह का अवैध कटान पर्यावरण संतुलन के लिए गंभीर खतरा है।इससे न केवल हरियाली नष्ट हो रही है, बल्कि वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास भी प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने उच्चाधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा प्रधानमंत्री आवास
रिश्वत न देने पर पीड़िता को बताया गया अपात्र

जन एक्सप्रेस । अमेठी

विकासखंड सिंहपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मेहमानपुर गंगापुर में प्रधानमंत्री आवास योजना में कथित भ्रष्टाचार का गंभीर मामला सामने आया है।एक पीड़िता ने ग्राम पंचायत स्तर के अधिकारियों पर रिश्वत मांगने और रकम न देने पर आवास से वंचित करने का आरोप लगाया है।पीड़िता के अनुसार वर्ष 2023 में आपदा के दौरान उसका कच्चा मकान क्षतिग्रस्त हो गया था। मामले की जानकारी राजस्व विभाग को देने पर जांच के बाद उसे राहत कोष से चार हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई।शासनादेश के अनुसार आपदा से क्षतिग्रस्त पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान उपलब्ध कराए जाने का प्रावधान है,जिसकी जिम्मेदारी विकास विभाग की होती है।पीड़िता का आरोप है कि पात्र होने के बावजूद उससे प्रधानमंत्री आवास दिलाने के नाम पर बीस हजार रुपये की मांग की गई।दबाव में आकर उसने कथित रूप से दस हजार रुपये दे दिए,जबकि शेष राशि के लिए लगातार दबाव बनाया जाता रहा।पीड़िता का कहना है,कि शेष रकम न देने पर उसे योजना से अपात्र घोषित कर दिया गया।पीड़िता ने आरोप लगाया कि आवास सत्यापन के दौरान उसके कच्चे मकान के स्थान पर किसी अन्य पक्के मकान को दर्शाते हुए गलत रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी गई।जब उसने इसका विरोध किया तो उसे धमकाया गया।और योजना से बाहर कर दिया गया।पीड़िता का कहना है कि उसने इस संबंध में जनसुनवाई पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई,लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ।अंततः जिलाधिकारी अमेठी को डाक के माध्यम से शिकायती पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाई है।इस मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है।अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर आरोप की जांच कर पीड़िता को न्याय दिलाता है या नहीं तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की जाती है।

बार काउंसिल ऑफ यूपी सदस्य चुनाव का अंतिम दिन, हुड़दंग से प्रभावित हुई चुनावी गरिमा

जन एक्सप्रेस । रासयबरेली

बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश 2026 के सदस्य पद के लिए चल रहे चुनाव अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गए हैं। रायबरेली जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में सोमवार और मंगलवार को मतदान प्रक्रिया जारी रही, जो शाम 5 बजे तक संपन्न होगी। जिले से तीन स्थानीय अधिवक्ताओं के चुनाव मैदान में होने और अन्य प्रत्याशियों के बाहरी होने के कारण अधिवक्ताओं के बीच यह चुनाव दो हिस्सों में बंटा हुआ नजर आ रहा है। अधिवक्ताओं से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर सभी प्रत्याशी सक्रिय रूप से प्रचार में जुटे रहे। वरिष्ठ अधिवक्ताओं का कहना है कि आगामी एक-दो माह में यह स्पष्ट हो जाएगा कि कौन-सा प्रत्याशी अधिवक्ता समुदाय का विश्वास जीतने में सफल रहा। चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं में खासा उत्साह भी देखने को मिला। हालांकि, मतदान के दौरान कुछ प्रत्याशियों के साथ आए समर्थकों द्वारा किए गए हुड़दंग पर अधिवक्ताओं ने नाराजगी जताई। उनका कहना है कि इस तरह की गतिविधियों से चुनाव की गरिमा प्रभावित होती है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मर्यादा बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। अधिवक्ताओं ने उम्मीद जताई कि भविष्य में इस तरह के चुनाव शांतिपूर्ण और गरिमापूर्ण माहौल में संपन्न कराए जाएंगे, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर किसी तरह का सवाल न उठे।

सोलर पम्प स्थापना/अनुरक्षण हेतु इच्छुक अभ्यर्थी तकनीकी प्रशिक्षण के लिए करें आवेदन

रायबरेली। उप कृषि निदेशक विनोद कुमार ने बताया है कि निदेशक, राज्य कृषि प्रबन्ध संस्थान, रहमानखेडा द्वारा राज्य कृषि विकास योजनान्तर्गत 卐सोलर पम्प स्थापना/अनुरक्षण हेतु तकनीकी प्रशिक्षण योजना卐 के अन्तर्गत जनपद के 6 तहसीलों में इच्छुक उम्मीदवारों को सोलर पम्प की स्थापना एवं अनुरक्षण के सम्बन्ध में नवीनतम तकनीक का व्यवहारिक ज्ञान देकर सोलर पम्प मैकेनिक के रूप में तैयार किया जाना है। वर्ष 2025-26 में जनपद की प्रत्येक तहसील से एक अभ्यर्थी का चयन किया जाना है।
सोलर पम्प स्थापना/अनुरक्षण हेतु अभ्यर्थियों के चयन के लिए नियम एवं शर्तें निर्धारित की गई है, जिसके अनुसार अभ्यर्थी इलेक्ट्रीशियन/इलेक्ट्रनिक/फिटर ट्रेड में 2 वर्षीय आई0टी0आई0 अथवा इजीनियरिंग में 03 वर्षीय डिप्लोमा/इंजीरियरिंग में स्नातक होना चाहिए अथवा कृषि इंजीनियरिंग में स्नातक ।अभ्यर्थी की आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। उन्होंने बताया है कि जनपद के इच्छुक अभ्यर्थी जो उपरोक्त अर्हता को पूर्ण करते हो, वे 02 से 12 फरवरी 2026 के बीज अपना आवेदन उप कृषि निदेशक, रायबरेली के कार्यालय में सायं 5-00 बजे तक जमा कर सकते है।

जिला कारागार में बन्दियों के विधिक अधिकार विषय पर जागरुकता शिविर का आयोजन संपन्न

जन एक्सप्रेस । रायबरेनी

उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अमित पाल सिंह के दिशा-निर्देशन में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अमोद कंठ द्वारा जिला कारागार, रायबरेली का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दौरान सचिव द्वारा जिला कारागार की पाकशाला, महिला बैरक, जेल चिकित्सालय, लीगल ऐड क्लीनिक व वीडियो कान्फ्रसिंग कक्ष का अवलोकन किया गया। जेल चिकित्सालय में सचिव द्वारा मानसिक रोग से ग्रस्त बन्दियों से बात कर उनका हालचाल जाना गया। सचिव द्वारा महिला बन्दियों को स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। निरीक्षण दौरान सचिव द्वारा बन्दियों से उनके पास अधिवक्ता की उपलब्धता के बाबत जानकारी ली गई। इसके अतिरिक्त ऐसा कोई बन्दी तो नहीं है जिसकी जमानत न्यायालय से होने के बाद भी जमानतदार न दाखिल होने के कारण रिहाई नहीं हो सकी हो के सम्बन्ध में भी जानकारी ली गयी।
निरीक्षण के पश्चात बन्दियों को विधिक रुप से जागरुक करने हेतु विधिक जागरुकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित बन्दियों को उनके विधिक अधिकार की जानकारी दी गई तथा यह भी बताया गया कि जिन बन्दियों को निःशुल्क अधिवक्ता की आवश्यकता हो वह जेल में स्थित लीगल ऐड क्लीनिक के माध्यम से मदद ले सकते है।
निरीक्षण के दौरान व विधिक जागरुकता कार्यक्रम में अनीशा अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-प्रथम, जेलर हिमाशुँ रौतेला, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिंल जय सिंह यादव व जेल चिकित्साधिकारी डा0 सुनील अग्रवाल, उपकारापाल अंकित गौतम, जनमेजय सिंह व सुमैया परवीन उपस्थित रही।

डंफर, ट्रक में हुई भीषण भिड़ंत ड्यूटी में तैनात होमगार्ड की मौके पर मौत ड्राइवर कंडक्टर गंभीर रूप से घायल

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

उत्तर प्रदेश में माघी पूर्णिमा के अवसर पर गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं का तांता देखने को मिल रहा है। तड़के सुबह चार बजे से ही हजारों की संख्या में लोग गंगा स्नान के लिए घाटों पर पहुंचने लगे थे। हर-हर गंगे और जय मां गंगा के जयकारों से पूरे रायबरेली के घाटों का माहौल भक्तिमय हो गया है। माघी पूर्णिमा को सनातन धर्म में बेहद खास माना जाता है। मान्यता है कि माघ महीने में भगवान नारायण का वास जल में होता है और इस दिन गंगा स्नान करने से पूरे माघ मास के स्नान का फल मिल जाता है। इसी विश्वास के साथ देश के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालु रायबरेली के घाट पहुंचे। कई श्रद्धालु ने बताया, ÷आज माघी पूर्णिमा है, माघ मास का समापन है। जो लोग पूरे महीने स्नान नहीं कर पाते, उन्हें आज के दिन स्नान करने से पूरा फल मिल जाता है। इसलिए आज गंगा स्नान का बहुत महत्व है।÷ पुलिस प्रशासन की ओर से भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि देर रात से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। सभी घाटों पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम हैं ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और प्रशासन लगातार निगरानी कर रहे हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं और साफ-सफाई का भी विशेष ध्यान रखा गया है। वहीं, माघी पूर्णिमा के इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए प्रयागराज के घाटों पर भी पहुंच रहे हैं। सुबह से ही दूर-दूर से आए भक्त मां गंगा में आस्था की डुबकी लगाते नजर आ रहे हैं। एक श्रद्धालु ने बातचीत में बताया कि आज माघी पूर्णिमा के दिन उन्होंने गंगा स्नान किया। उन्होंने कहा, ÷आज माघी पूर्णिमा है, इस दिन स्नान का बहुत बड़ा महत्व माना जाता है। हम लोग अयोध्या से आए हैं। यहां आकर बहुत अच्छा लगा। घाटों पर साफ-सफाई की व्यवस्था बढ़िया है और प्रशासन की तरफ से भी अच्छी तैयारी की गई है। बड़े आराम से हमने स्नान किया और दर्शन भी हुए, मन बहुत आनंदित हो गया।÷वहीं दूसरे श्रद्धालु ने बताया कि वे अपने मित्रों के साथ झूढा जिले के जलस्तर ब्लॉक से आए हैं। उन्होंने कहा, ÷माघी पूर्णिमा के मौके पर मां गंगा में स्नान करने का सौभाग्य मिला। यहां की व्यवस्था देखकर हम बहुत खुश हैं। हर तरफ सफाई है, कोई परेशानी नहीं हुई। प्रशासन की व्यवस्था काफी अच्छी है। पुलिस और सफाईकर्मी सब जगह मौजूद हैं, जिससे श्रद्धालुओं को सुविधा मिल रही है।÷ एक अन्य भक्त ने कहा कि उन्होंने मां गंगा से सभी के लिए मंगलकामना की है। उन्होंने बताया, ÷हमने मां गंगा से प्रार्थना की है कि सभी लोग सुखी रहें, स्वस्थ रहें और दुनिया में शांति बनी रहे। जो भी यहां आए, श्रद्धा और सम्मान के साथ मां गंगा का दर्शन और स्नान करें।÷

परीक्षा नीति पर हाईकोर्ट की मुहर, विश्वविद्यालय को बड़ी राहत

बलरामपुर। मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय को परीक्षा संचालन के मोर्चे पर बड़ी कानूनी राहत मिली है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने विश्वविद्यालय द्वारा तय की गई परीक्षा केंद्र नीति को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया है। साफ हो गया है कि विश्वविद्यालय द्वारा शासनादेश के तहत बनाई गई परीक्षा केंद्र निर्धारण की व्यवस्था वैध है और उसमें हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। राम तेज भगवती प्रसाद महाविद्यालय और राजा भैया मेमोरियल महिला महाविद्यालय ने स्वयं को परीक्षा केंद्र न बनाए जाने को लेकर हाईकोर्ट में याचिकाएं दाखिल की थीं। याचिकाओं में परीक्षा केंद्र सूची पर सवाल उठाए गए थे और विश्वविद्यालय के निर्णय को चुनौती दी गई थी। मामले की सुनवाई करते हुए माननीय न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने स्पष्ट कहा कि विश्वविद्यालय की परीक्षाएं 20 जनवरी 2026 से प्रारंभ हो चुकी हैं।

हाई स्पीड इंटरनेट से जोड़ी जा रहीं ग्राम पंचायतें

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी भारतनेट योजना के तहत तुलसीपुर तहसील क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायतों को बीएसएनएल वाई-फाई भारतनेट फाइबर लाइन से जोड़ने का कार्य तेजी से जारी है। अब तक तहसील क्षेत्र की लगभग 50 प्रतिशत ग्राम पंचायतों में फाइबर केबल कनेक्शन किया जा चुका है।
सभी ग्राम पंचायतों में ऑप्टिकल फाइबर केबल के माध्यम से हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाया जा रहा है, जिससे गांवों में भी शहरों जैसी इंटरनेट सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। कनेक्शन पूरा होने के बाद छात्र-छात्राएं ऑनलाइन पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, सरकारी योजनाओं के ऑनलाइन आवेदन और डिजिटल सेवाओं का लाभ आसानी से ले सकेंगे। इसके साथ ही आम जनता भी तेज गति से इंटरनेट का उपयोग कर सकेगी। डाटा कनेक्शन के कार्य की निगरानी कर रहे सुपरवाइजर रामेश्वर तिवारी ने बताया कि तहसील क्षेत्र की आधे से अधिक ग्राम पंचायतों में कनेक्शन हो चुका है, जल्द ही सभी ग्राम पंचायतों को भारतनेट फाइबर लाइन से जोड़ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि योजना के पूर्ण होने के बाद ग्रामीण इलाकों में डिजिटल सेवाओं की पहुंच और रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी।
ंचायत भवन व स्कूलों को मिलेगा वाई-फाई ग्रामीण स्तर पर ग्राम प्रधानों की पहल से पंचायत भवन, स्कूल, जन सेवा केंद्र सहित सार्वजनिक स्थानों पर वाई-फाई हॉटस्पॉट के माध्यम से इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। ग्रामीण राधेश्याम, गया प्रसाद, सियाराम, पिंटू, धन बहादुर सिंह आदि ने कहा भारतनेट योजना के तहत गांवों तक फाइबर नेटवर्क पहुंचने से शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग और सरकारी सेवाओं में सुविधा बढ़ेगी।

प्रयोगात्मक परीक्षा में शामिल हुए 2156 विद्यार्थी, 50 गैरहाजिर

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जिले के 21 विद्यालयों में शनिवार को यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट के विभिन्न विषयों की प्रयोगात्मक परीक्षा सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में कराई गई। प्रयोगात्मक परीक्षा में 2156 विद्यार्थी शामिल हुए। 50 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा छोड़ दी। शनिवार सुबह 10 बजे से जिले के 21 विद्यालयों में प्रयोगात्मक परीक्षा शुरू हुई। नगर के एमपीपी इंटर कॉलेज में पंजीकृत सभी 18 विद्यार्थियों ने आशुलिपि एवं टंकण की प्रयोगात्मक परीक्षा दी। गौरा चौराहा के ग्रामीण इंटर कॉलेज में 223 छात्र रसायन विज्ञान की प्रयोगात्मक परीक्षा में शामिल हुए। वहीं 15 छात्रों ने परीक्षा छोड़ दी। रामफल मेमोरियल इंटर कॉलेज महराजगंज तराई में 57 छात्रों ने भूगोल विषय की प्रयोगात्मक परीक्षा दी, वहीं एक छात्र अनुपस्थित रहा। उतरौला के एमवाई उस्मानी इंटर कॉलेज में 19 छात्रों ने जीव विज्ञान की प्रयोगात्मक परीक्षा दी। यहां पर कोई भी छात्र अनुपस्थित नहीं था। पचपेड़वा के किसान इंटर कॉलेज गनेशपुर में 105 छात्र जीव विज्ञान की प्रयोगात्मक परीक्षा में शामिल हुए, वहीं दो छात्रों ने परीक्षा छोड़ दी। लोकमान्य तिलक इंटर कॉलेज पचपेड़वा में 303 छात्रों ने भूगोल विषय की प्रयोगात्मक परीक्षा दी, 53 छात्र अनुपस्थित रहे। इसी विद्यालय में 190 छात्र रसायन विज्ञान की प्रयोगात्मक परीक्षा में शामिल हुए, वहीं 16 छात्रों ने परीक्षा छोड़ दी। लोकहित इंटर कॉलेज सहियापुर में 49 के सापेक्ष 48 छात्रों ने जीव विज्ञान की प्रयोगात्मक परीक्षा दी, वहीं एक छात्र अनुपस्थित रहा।
जिला विद्यालय निरीक्षक मृदुला आनंद ने शनिवार को रामदीन बुधराम कृषक इंटर कॉलेज का निरीक्षण कर प्रयोगात्मक परीक्षा का जायजा लिया। यहां जीव विज्ञान की परीक्षा में 107 के सापेक्ष 104 विद्यार्थी शामिल हुए, तीन छात्र अनुपस्थित मिले। डीआईओएस ने बताया कि 21 विद्यालयों में प्रयोगात्मक परीक्षा कराई गई है। परीक्षा में पंजीकृत 2206 के सापेक्ष 2156 विद्यार्थी शामिल हुए हैं। 50 विद्यार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी है।

एक नाम से जारी हुए दो बिजली बिल, उपभोक्ता परेशान

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

एक ही नाम से दो बिजली के बिल मिलने से उपभोक्ता परेशान है। एक बिल में 14,381 रुपये है जबकि दूसरे बिल में 8124 रुपये बकाया दिखाया गया है।
स्थानीय विद्युत उपकेंद्र की ग्राम पंचायत मोतीपुर कला के पिपरहवा निवासी रक्षाराम मौर्य ने बताया कि बिजली विभाग ने उनके नाम से दो कनेक्शन कर दिए हैं। पीड़ित ने बताया कि जब बिल राहत योजना के तहत बिजली बिल जमा करने के लिए पावर हाउस गए तो एक और कनेक्शन का बकाया बिल भुगतान के लिए थमा दिया गया। बिल सुधार के लिए पिछले एक हफ्ते से विभाग का चक्कर काट रहे हैं।
बिजली विभाग के कर्मचारियों ने कहा कि एक ही नाम से दो कनेक्शन कैसे हुए, इस संबंध में एसडीओ के पास जाइए। पीड़ित ने अपनी व्यथा एसडीओ तुलसीपुर को बताई तो उन्होंने मार्च में जांच कराकर समस्या का समाधान कराने को कहा।

बघेलखंड जलाशय के सुंदरीकरण में नहरों, पुलों व कुलाबों की उपेक्षा

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

चित्तौड़गढ़ बांध निर्माण खंड बीते दो वर्षों से बघेलखंड जलाशय का सात करोड़ की लागत से सुंदरीकरण कर रहा है। निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण में है, लेकिन जलाशय की नहरों, कुलाबों (सिंचाई के लिए छोटी नाली) और पुल पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। किसानों ने जलाशय के सुंदरीकरण के साथ नहरों, पुलों व कुलाबों की मरम्मत की मांग की है।
क्षेत्रीय किसान राजाबाबू, गोवर्धन, जगदीश, बेला, हनुमान, मुस्तकीम, अजीज, रफीक आदि ने बताया कि जलाशय के सुंदरीकरण का कार्य चल रहा है, लेकिन इसके आगे किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। जब बरसात व पहाड़ों के बहाव का पानी जलाशय में ज्यादा मात्रा में एकत्रित हो जाएगा तो पानी नहर में छोड़ना पड़ेगा। नहरों की स्थिति जर्जर होने के कारण सारा पानी खेतों और गांव में भर जाएगा, जिससे फसलों को नुकसान पहुंचेगा।
ग्राम चैनपुर बड़ेरिया प्रधान अरविंद पांडेय ने बताया कि मुख्य नहर का पुल चैनपुर, गोपालपुर, बड़ेरिया व सोनपुर धुतकहवा का कुलाबा टूटा व बंद है। जब पानी उफान मारता है, तब किनारे से होकर पानी आगे बढ़ता है। मकुनहवा के पास नहर में 15 वर्ष से पानी नहीं जाने से किसान नहर में ही खेती करने लगे हैं। नवानगर का कुलाबा व चकनाली भी मरम्मत के अभाव में बंद है। इस कारण सिंचाई में ज्यादा पैसा लग रहा है। किसानों ने नहर की मरम्मत, टूटे पुल का निर्माण और कुलाबों की मरम्मत आदि कराने की मांग जिलाधिकारी से की है।
बघेलखंड परियोजना के सहायक अभियंता इमरान आलम ने बताया कि इसके लिए प्रस्ताव भेजा जा रहा है। जल्दी ही नहरों व कुलाबों की मरम्मत का कार्य कराया जाएगा।

पंचायत चुनाव के लिए 1.59 करोड़ मतपत्र पहुंचे, बिछी चुनावी बिसात

बलरामपुर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तिथियों पर भले ही अभी संशय हो लेकिन जिले में सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। चुनाव के लिए मतपत्र जिले में पहुंच चुके हैं। इसके साथ ही पंचायत चुनाव का बिगुल भी लगभग बज चुका है। ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य और जिला पंचायत सदस्य पदों के लिए कुल 1 करोड़ 59 लाख 48 हजार 200 मतपत्र प्राप्त हुए हैं। इन मतपत्रों को पुलिस और पीएसी की निगरानी में स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा गया है, जहां डबल लॉक सिस्टम लागू किया गया है। जिले की 793 ग्राम पंचायतों में होने वाले चुनाव की तैयारी तेजी से चल रही हैं। पंचायत चुनाव के जरिये गांव की सरकार बनेगी और इसी वजह से हर स्तर पर सतर्कता बढ़ा दी गई है। जिले में 793 ग्राम प्रधान, करीब 9000 ग्राम पंचायत वार्ड सदस्य, 1010 क्षेत्र पंचायत सदस्य और 39 जिला पंचायत सदस्य पदों के लिए चुनाव कराया जाएगा। संभावना जताई जा रही है कि मतदान अप्रैल से जुलाई 2026 के बीच कराया जाएगा। चुनाव कार्यालय से मिले आंकड़ों के अनुसार जिले में कुल 17 लाख 55 हजार 567 मतदाता हैं, जिनके लिए पर्याप्त से भी अधिक मतपत्र मंगाए गए हैं।

जन एक्सप्रेस। विशेष

समझावनपुर

सुरक्षित सफर की संजीवनी

डॉ. सी0 एल0 त्रिपाठी
राजकीय अधिकारी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

जग कहता कागज की लेखी मैं कहता अंखियन की देखी।' कबीर दास की यह पंक्ति डॉक्टर उदित नारायण पांडेय के कहानी संग्रह समझावनपुर पर पूरी तरह से चरितार्थ होती है। परिवहन विभाग में एक अधिकारी के रूप में ड्यूटी करते समय लेखक ने सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं को बहुत ही नजदीकी से देखा है। उनके लिए सड़क दुर्घटना केवल आंकड़े नहीं रहे हैं बल्कि दुर्घटना में मृत किसी के बेटे को उन्होंने एक पिता के रूप में महसूस किया है। सड़क दुर्घटना के कारण अंग-भंग हुई व्यक्ति एवं परिवार की पीड़ाओं ने उनके अंतर्मन को कई बार झकझोरा है एवं दुर्घटनाओं की मार्मिक आवाज उनके हृदय तक पहुंची है।अधिकारी से बढ़कर मानवीय भावों से भरे हुए आम जनमानस के रूप में लेखक ने सड़क की मौतें ,दुर्घटना रक्तपात, चीख और चीत्कार को न सिर्फ देखा बल्कि महसूस किया है। 'रफ्तार' कहानी में उल्लिखित तेज रफ्तार से चलती हुई बाइक के कारण विकलांग हुए शिवम की घटना केवल एक सूचना के रूप में नहीं बल्कि यह किसी बच्चे के उन्नति और प्रगति की भी विकलांगता के रूप में लेखक ने महसूस किया है। लेखक की सड़क दुर्घटना के संदर्भ में संवेदनशीलता मानव मात्र तक सीमित नहीं है बल्कि इससे आगे बढ़कर यह सभी प्राणियों के लिए है। 'कपिला' कहानी इसका मूर्तिमान रूप है जिसमें मानव द्वारा गायों को दुह लेने के पश्चात उन्हें आवारा छोड़ देने के कारण होने वाली दुर्घटनाओं का जीवंत चित्रण किया गया है। इस रूप में समझावनपुर की कहानियों में महर्षि आदि कवि वाल्मीकि परंपरा ध्वनित होती है जिसमें बहेलिया द्वारा क्रौंच युगल में से एक का वध कर दिए जाने से बिलखते हुए उसके सहचरी को देखकर महर्षि वाल्मीकि के मुंह से सहसा कविता फूट पड़ी थी। ठीक इसी प्रकार समझावनपुर की दसों कहानियां, रफ्तार, शनि निवारण, नशा, अपराजिता, कपिला, फेरे, समझावानपुर ,फूल और माली ,फक्कड़ चाचा सभी ऐसी ही सड़क दुर्घटना की कराह और आह से निकली हुई हैं।

वियोगी होगा पहले कवि आह से उपजा होगा गान,
उमड़कर आंखों से चुपचाप बही होगी कविता अनजान।

स्पष्ट है कि समझावनपुर की कहानियां काल्पनिक घटनाओं पर आधारित न होकर लेखक की गहन अनुभूति और संवेदनाओं से नि:सृत सड़क दुर्घटनाओं की कठोर वास्तविकता को प्रतिबिंबित करती हैं। 'साहित्य समाज का दर्पण होता है' साहित्य की कसौटी के रूप में भी समझावनपुर की कहानियों में सड़क और उससे जुड़े हुए सारे आयाम प्रत्येक पात्र और प्रत्येक घटना में प्रतिबिंबित होते रहतेहैं।

सबसे बड़ा साधन जान-माल की रक्षा

साहित्य शास्त्रियों के अनुसार जिसमें हित का भाव हो, जिसमें लोक मंगल का भाव हो वही साहित्य है, 'हितेन सहितं साहित्यम्'। यही साहित्य की कसौटी भी है और यही साहित्य का उद्देश्य भी है। इस रूप में लेखक ने कहानियों के माध्यम से आम जनमानस को सड़क सुरक्षा के नियमों से प्रशिक्षित करने, उन्हें जागरूक करने का कार्य बहुत ही सरल किंतु सशक्त ढंग से किया है। जो भी सुधी पाठक इन कहानियों से होकर गुजरता है उसे कहानी के पात्र सहज ही यह दिशा देते हैं कि किसी भी पिता को अपने अल्पवयस्क लाडले को कभी भी कोई बाइक नहीं देनी चाहिए। यदि हम नशे में वाहन का चालन करते हैं तो हमारा विनाश सुनिश्चित है। थोड़ी सी भी लालच में पड़कर ओवरलोडिंग करते हैं, सुरक्षा के नियमों की उपेक्षा करते हैं तो इसके दुष्परिणाम अवश्य भुगतने होंगे। सड़क सुरक्षा से संबंधित नियमों विधानों की जानकारी तब और आवश्यक हो जाती है जब हमारे देश मे प्रति 3 मिनट में एक व्यक्ति सड़क दुर्घटना के कारण काल कवलित हो जाता है। इस रूप में किसी भी व्यक्ति के हित का सबसे बड़ा साधन जान-माल की रक्षा है। सड़क सुरक्षा इसमें अहम भूमिका अदा करती है। लेखक की कहानियां सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं को बहुत ही सशक्त रूप में पाठक के अंदर बैठाने में सक्षम है। लेखक द्वारा 'कहानी के अंदर कहानी' की शैली द्वारा इसे और बोधगम्य तथा मनोरंजक बनाने का प्रयास किया गया है । इससे कोई भी पाठक कहानी को पढ़ते समय बिना रुके, बिना थके , स्वाभाविक रूप में आगे बढ़ता जाता है। कहानी के अंदर कहानी की माला का यह जोड़ यहां बेजोड़ है।

लेखक की इस विशिष्ट शैली ने समझावनपुर कहानियों को 'यथा नाम तथा गुण' के रूप में चरितार्थ किया है। सभी कहानियां-

'रिटेक केवल फिल्मों में होता है।' 'तेज गति करे दुर्गति ''सिर सलामत तो सब सलामत' जैसे सड़क सुरक्षा से संबंधित पहलुओं को शानदार ढंग से समझाने में सफल सिद्ध होती हैं!

जो भी व्यक्ति समझावनपुर की कहानियों को पढ़ेगा निश्चित रूप से जब वह सड़क पर चलेगा तो उसके साथ-साथ में समझावनपुर की कहानियां भी चलती रहेंगी। इस रूप में समझावनपुर की कहानियां अदृश्य सारथी के रूप में व्यक्ति के जीवन रथ को सड़क पर सही और सुरक्षित रास्ता दिखाती रहेंगी। आजकल केवल मनोरंजक साहित्य की भरमार देखी जा रही है जो केवल हमारी तंत्रिकाओं को गुदगुदाते हैं किंतु उचित उपदेश के मर्म से वंचित रहते हैं।ऐसे में लेखक द्वारा समझावनपुर कहानियों के माध्यम से सड़क सुरक्षा से संबंधित सभी पहलुओं को समझाया गया है। इस रूप में साहित्य की कसौटी पर समझावनपुर की कहानियां पूरी तरह से खरी उतरती हैं। जैसा कि राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने कहा भी है ,

केवल मनोरंजन ही नहीं कवि का कर्म होना चाहिए।
उसमें उचित उपदेश का भी मर्म होना चाहिए।

सभी कहानियां साहित्य के उपदेशपरक मूल्य को लेकर आगे बढ़ती हैं। इन कहानियों में सड़क से जुड़े हुए जितने भी पहलू हैं, सभी से संबंधित जागरूकता से युक्त उपदेशों का समावेश है किंतु ये उपदेश गुरु या धर्माचार्य की शैली में आदेशपरक नहीं है न ही मित्र की शैली में परामर्शपरक हैं। ये तो साहित्यशास्त्रियों और साहित्यमर्मज्ञों द्वारा निर्धारित साहित्य की कसौटी के अनुसार कान्तापरक शैली में हैं। इस रूप में जैसे ही पाठक इन कहानियों के 'सड़क' पर चलने लगता है वैसे ही , सड़क से संबंधित नियम ,कानून , तौर-तरीके सब उसे मालूम होने लगते हैं। यही नहीं इनका उल्लंघन करने पर विकलांगता, दुर्घटना, मृत्यु, जान -माल की क्षति, परिवार के कुलदीप का बुझ जाना सबका बोध पाठक को होने लगता है। ये बोध, आंकड़े तथ्य विकिपीडिया, गूगल, या फिर परिवहन विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों जैसे नहीं है। मस्तिष्क को छूने वाले उपर्युक्त माध्यमों से सर्वथा विशिष्ट सड़क से संबंधित सभी पहलू समझावनपुर कहानियों के माध्यम से हृदय में अंकित हो जाने वाले हैं। समझावनपुर कहानी के सभी पात्र कभी इकलौते लाडले पुत्र 'राज 'के रूप में, तो कभी घर को विज्ञान की रोशनी से रोशन करने वाली तथा अंधविश्वास का शमन करने वाली बेटी 'दीपिका' के रूप में, कभी अतिशय लाड़ प्यार में अपने अल्पवयस्क बेटे को बाइक के साथ-साथ उसके दुर्भाग्य की चाभी पकड़ाने वाले मां-बाप के रूप में, तो कभी अपना सब कुछ खोकर जगने वाले 'फक्कड़ चाचा' के रूप में सड़क के कायदे और कानून पाठक के हृदय में बैठते जाते हैं।

'सड़क सुरक्षा ' के मंत्र को गुंजायमान कर रही

समझावनपुर कहानी अपने नाम को इसलिए भी चरितार्थ करती है क्योंकि यहां केवल एक व्यक्ति, यह एक संस्था या एक परिवार ही सड़क -सुरक्षा से संबंधित नियमों को समझता और समझाता नहीं है बल्कि पूरा का पूरा 'पुर' इसे समझता और समझाता है। समझने वाले और समझाने वालों में पति भी है, पत्नी भी है, पिता भी है,दादा भी हैं, माता भी है, पुत्र भी है ,पुत्री भी है, बहन भी है, मित्र भी हैं, डॉक्टर भी हैं, पुलिस भी हैं, ढोंग और अंधविश्वास के द्वारा अपनी दुकान चलाने वाले बंजारा बाबा भी हैं और अंधविश्वास की जमीन पर फलती- फूलती खेती को तर्क से बंजर करने वाली बिटिया दीपिका भी है, घायल भी हैं ,जीवित भी हैं, यहां तक की मृत भी हैं। इस रूप में समझावनपुर की सभी दस कहानियां ऐसा लगता है की दसों दिशाओं में 'सड़क सुरक्षा 'के मंत्र को गुंजायमान कर रही हैं।

जीवन की रफ्तार को विकलांगता के रूप में धीमी कर देती

प्रत्येक कहानी के प्रत्येक पात्र में,प्रत्येक घटना में, सड़क सुरक्षा की संजीवनी जीवन्त है। हर कहानी संग्रह का शीर्षक कहानी के मूल और मूल्य को एक शब्द में ही स्पष्ट कर देता है। 'रफ्तार' कहानी बताती है की बाइक रफ्तार यदि अनियंत्रित हुई तो किसी के जीवन की रफ्तार को विकलांगता के रूप में धीमी कर देती है। 'शनिनिवारण 'कहानी में बहुत ही सही तरीके से यह स्पष्ट किया गया है की दुर्घटना का कारण शनि का प्रकोप नहीं बल्कि परिवहन के नियमों से दूरी है। 'नशा' कहानी मार्मिक चित्रण के द्वारा यह स्पष्ट करती है कि नशे में हम केवल शराब नहीं पीते बल्कि नशा पीकर गाड़ी चलाने से पता नहीं कितने लोगों की जिंदगियां भी 'पी' जाते हैं। उनमें उस डॉक्टर के इकलौती बेटी की जिंदगी भी हो सकती है जिसने दुर्घटनाग्रस्त नशेड़ियों की जान बचाई हो। इस रूप में यह कहानी न केवल नशा मुक्ति आंदोलन का रूप लेती है बल्कि यह भी दिल में बैठा देती है की नशा से युक्त होकर गाड़ी चलाना सीधे अपनी गाड़ी को यमराज का वाहन बना देना है। इस कहानी में लेखक के पात्र ऐसा लगता है की महात्मा गांधी का रूप धारण कर लेते हैं जो नशा मुक्ति आंदोलन को नए स्वरूप में आधुनिक संदर्भ में संचालित कर रहे हैं। यद्यपि सभी कहानियों का अपना मूल्य है ।सभी अपना - अपना संदेश अपने ढंग से देती हैं किन्तु 'अपराजिता' कहानी का मूल्य और संदेश सबसे विशिष्ट है। जैसे भारतीय संस्कृति में कन्या सबसे गुणी वर का चयन करती थी। सीता स्वयंवर की कथा हम सब जानते हैं सीता द्वारा राम को वर माला उनके गुणों के आधार पर पहनाई गई। यहां पर अपराजिता जैसी सुयोग्य पुत्री पति के चयन में सबसे बड़े गुण और सबसे बड़ी कसौटी के रूप में यातायात से संबंधित नियमों के अनुपालन को रखती है। उसकी यह कसौटी तब और खरी उतरती है जब सुरक्षा के नियमों को न मानने वाले कमाऊ और सुन्दर लड़के ईशान को अपने जीवनसाथी के रूप में चुनने से मना कर देती है और वही लड़का यातायात के नियमों की उल्लंघन के कारण काल का ग्रास बन जाता है। इस कहानी का यह मूल्य पाठकों को निश्चित रूप से झंकृत करेगा। हमें नहीं लगता कि अभी तक के किसी भी साहित्य में इस प्रकार का विशिष्ट और अद्भुत संदेश किसी भी कहानीकार, कवि, लेखक या उपन्यासकार द्वारा के द्वारा दिया गया है। इस रूप में यह कहानी अनुपम है। इस मूल्य की स्थापना के लिए लेखक की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है क्योंकि चाहे जितने भी गुण हों , जितनी भी संपत्ति का स्वामी हो, जितना भी ताकतवर हो, जितना भी उद्भट विद्वान हो यदि वह सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करेगा , तो सब कुछ इसी धरा पर 'धरा' रह जाएगा और वह स्वर्ग सिधार जाएगा।

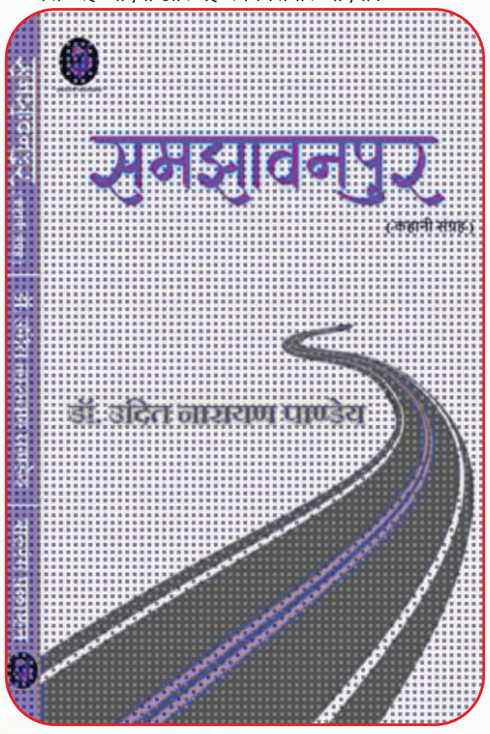

'फेरे 'कहानी तीन दोस्तों की कहानी है

'कपिला' कहानी न केवल छुट्टा पशुओं की समस्या को उजागर करती है बल्कि मानव के उस स्वार्थी स्वरूप को ,भी सामने लाती है जिसमें वह गाय का दूध दुहने के बाद उसे उसकी हालात पर छोड़ देता है और अंतत: वह दुर्घटना का कारण बनती है और स्वयं भी दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है। इस प्रकार यह कहानी बेजुबान के दर्द को मर्मस्पर्शी रूप में सामने रखती है। यहां पर भारतीय संविधान के मूल कर्तव्यों तथा नीति निर्देशक तत्वों में निहित गोरक्षा को भी प्रभावी रूप में उकेरा गया है। 'फेरे 'कहानी तीन दोस्तों की कहानी है। इस कहानी में खलासी भी है, ड्राइवर भी है, ट्रक भी है, लालच भी है तथा सीधे रास्ते पर चलने वाला संतोषी परविंदर भी है। इस कहानी को पढ़ते समय पाठक के सामने भारतीय सड़कों पर हर्र -हर्र और पों -पों के रूप में आर्तनाद करते हुए , ओवरलोडेड ट्रकों की तस्वीर सामने घूमने लगती है। जब कभी पाठक सड़कों पर जाता है और ऐसी ट्रकों को देखता है तो यही फेरे कहानी उसके दिल और दिमाग में 'फिरने ' लगती है।

ट्रैक्टर ट्राली' सवारी नहीं बोझा ढोने के लिए बनी

इसीप्रकार समझावनपुर कहानी का मुख्य पात्र उदय बारीकी से यह समझाने में सफल रहती है कि' ट्रैक्टर ट्राली' सवारी नहीं बोझा ढोने के लिए बनी होती है। 'फूल और माली' की कहानी उस मर्म को उजागर करती है कि यदि माली कलियों को ही तोड़ने लगे तो वह फूल नहीं बन सकते। ठीक इसी प्रकार से हर मां -बाप का माली के रूप में कर्तव्य है कि वह फूल जैसे बच्चों को समय से पहले गाड़ियां ना दे नहीं तो वे खिलने से पहले ही मुरझा जाएंगे। ' फक्कड़ चाचा ' कहानी का नाम और शीर्षक सर्वाधिक प्रभावित करता है। 'कुछ तो बात रही होगी कोई यूं ही फक्कड़ नहीं बनता।'इस रूप में फक्कड़ चाचा के साथ कुछ बात यही थी कि वह जब सड़क पर चलते थे तो केवल और केवल खुद को देखते थे ,खुद की गाड़ी को देखते थे, इसके अलावा चाहे कोई सड़क पर मर रहा हो ,जी रहा हो , सड़क दुर्घटना के कारण कराह हो, खून से लथपथ हो कुछ भी नहीं देखते थे। उनकी यह अनदेखी खुद उनके सामने आकर खड़ी हो जाती है। जब किसी दुर्घटना में उनके अलावा उनके परिवार के सारे सदस्य घायल हो जाते हैं उन्हें भी नहीं देखा जाता न ही समय से अस्पताल पहुंचाया जाता और इस रूप में 'कुछ न देखने 'वाले फक्कड़ चाचा का 'सब कुछ' समाप्त हो जाता है। इसके पश्चात फक्कड़ चाचा की आंख खुलती है और वे सड़क पर घायल हुए लोगों की जान बचाने के लिए मशाल का काम करने लगते हैं।लेखक ने यहां पर 'जैसी करनी वैसी भरनी' के मूल्य को तथा इसके पश्चात होने वाले हृदय परिवर्तन को फक्कड़ चाचा की कहानी के माध्यम से हृदय स्पर्शी रूप में स्थापित किया है। इसी के साथ घायलों के इलाज से संबंधित परिवहन विभाग की 'राहवीर ' योजना को को भी लेखक द्वारा सहज ढंग से रख दिया गया है।

समझावनपुर की कहानियां पढ़ी और पढ़ाई जानी चाहिए

इस रूप में समझावनपुर की कहानियां अपनी रचना शैली, अपने कथ्य अपने तथ्य और अपने उद्देश्य सभी दृष्टियों से लेकर विशिष्ट हैं। भारत ही नहीं विश्व का हर व्यक्ति सड़क से होकर गुजरता है। सड़कें उसके जीवन की धमनियां हैं। कोई भी पाठक यदि समझावनपुर कहानियों को पढ़ेगा ,इसमें निहित मूल्यों को समझेगा तो निश्चित रूप से वह स्वयं की रक्षा करेगा, औरों की रक्षा करेगा , सुरक्षा कानून की रक्षा करेगा। इस रूप में समझावनपुर की कहानियां संक्षेप में सड़क हादसे और जीवन मूल्यों के अन्तराल को भी जोड़ने मे बेजोड़ है। उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार के परिवहन विभाग को निश्चित रूप से इन्हें प्रचारित प्रसारित करना चाहिए। समझावनपुर की कहानियां पढ़ी और पढ़ाई जानी चाहिए जिससे कोई अल्प वयस्क विद्यार्थी अपने घर में बाइक चलाने की जिद ना करें जिससे उसकी जिंदगी के पहिए निर्बाध गति से चलते रहें। लेखक ने इसके पूर्व 'जागो रे जागो' कविता संग्रह की कविताओं के माध्यम से , गीतों के माध्यम से यातायात के नियमों और सड़क सुरक्षा से संबंधित आयामों को रखा है। जो 'यत्र-तत्र- सर्वत्र' प्रशंसित हुए हैं। समझावनपुर कहानियां लेखक की इसी निरंतर गति करती हुई ,प्रगति करती हुई प्रज्ञा को नित नए आयामों और संदर्भ में प्रस्तुत कर रहे हैं।

पढ़ें पेज 07 पर...

जन एक्सप्रेस

सम्पादकीय

तेल के खेल में पीएम मोदी के आगे कोई नहीं टिक सकता

मोदी और रोड्रिगेज की बातचीत सिर्फ एक शिष्टाचार नहीं, बल्कि सामरिक संकेत है। भारत साफ तौर पर संदेश दे रहा है कि वह किसी एक स्रोत या किसी एक धड़े के साथ नहीं रहेगा। ऊर्जा सुरक्षा भारत की आर्थिक संप्रभुता की रीढ़ है और इस रीढ़ को मजबूत करने के लिए बहुध्रुवीय नीति अनिवार्य है। वेनेजुएला के दरवाजे खुलना भारत के लिए अवसर की तरह है क्योंकि दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार तक पहुंच सस्ती और स्थिर आपूर्ति का रास्ता खोल सकती है। भारत को अमेरिकी शर्तों, भुगतान नियमों और भू-राजनीति की रस्साकशी में संतुलन भी साधना होगा।

भारत और वेनेजुएला के बीच कूटनीति ने अचानक तेज रफ्तार पकड़ ली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज के बीच हुई टेलीफोन वार्ता ने वैश्विक ऊर्जा राजनीति में जबरदस्त हलचल पैदा कर दी है। माना जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच हुई इस वार्ता का सीधा संबंध तेल से है और इसका परोक्ष असर भारत रूस निर्भरता घटाने, अमेरिका से व्यापारिक दबाव कम करने और ग्लोबल साउथ में भारत की रणनीतिक स्थिति मजबूत करने से जुड़ा है। सूत्रों के अनुसार अमेरिका ने भारत को संकेत दिया है कि वह शीघ्र ही वेनेजुएला से तेल खरीद दोबारा शुरू कर सकता है ताकि रूसी कच्चे तेल पर निर्भरता घटे। यह पहल भारत अमेरिका ऊर्जा संबंधों को नए सांचे में ढालने की अमेरिकी कोशिश का हिस्सा है। रिपोर्टों के मुताबिक आने वाले महीनों में भारत रूसी तेल आयात में प्रतिदिन कई लाख बैरल की कटौती कर सकता है। इस कूटनीतिक पृष्ठभूमि में डेल्सी रोड्रिगेज ने प्रधानमंत्री मोदी से वार्ता के बाद ऊर्जा सहयोग पर सहमति की पुष्टि की। प्रधानमंत्री ने भी सार्वजनिक संदेश में कहा कि दोनों देश द्विपक्षीय साझेदारी को सभी क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों तक ले जाने की साझा दृष्टि रखते हैं। हम आपको बता दें कि यह वार्ता ऐसे समय हुई है जब वेनेजुएला ने अपने हाइड्रोकार्बन क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। वेनेजुएला दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों वाला देश है। दशकों तक कठोर सरकारी नियंत्रण के बाद अब कानूनों में व्यापक सुधार किए गए हैं। खोज, उत्पादन, वितरण और विपणन में निजी भागीदारी को अनुमति दी गई है। कर और रॉयल्टी घटाई गई हैं, बड़े प्रोजेक्ट के लिए शुल्क और कम किए जा सकते हैं और विवादों में अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता का रास्ता खोला गया है। इस तरह यह बदलाव कर पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज के दौर की राष्ट्रीयकरण नीति को पलट दिया गया है। अमेरिका ने भी जवाबी कदम उठाते हुए वेनेजुएला को प्रतिबंधों में ढील दी है। नया सामान्य लाइसेंस अमेरिकी कंपनियों को वेनेजुएला के तेल के निर्यात, भंडारण, परिवहन और परिशोधन की अनुमति देता है, हालांकि भुगतान और कुछ देशों से जुड़े लेन-देन पर सख्त शर्तें रखी गई हैं। हम आपको याद दिला दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल मार्च में वेनेजुएला से तेल खरीदने वाले देशों पर भारी शुल्क लगाया था, जिसमें भारत भी शामिल था। अब दिशा बदली है। देखा जाये तो रूस यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने अवसर का लाभ उठाते हुए सस्ता रूसी तेल बड़ी मात्रा में खरीदा। इससे देश की ऊर्जा जरूरतें भी पूरी हुईं और कीमतों पर भी नियंत्रण रहा। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। अमेरिका का दबाव बढ़ा है, व्यापार शुल्क भारी हुए हैं और प्रतिबंधों के कारण आपूर्ति व्यवस्था जटिल हो गई है। इसी वजह से भारत अब तेल आयात के नए विकल्प तलाश रहा है। आयात के ताजा आंकड़े बताते हैं कि दिसंबर में रूस से तेल खरीद दो साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। इसके साथ ही ओपेक देशों से आने वाले तेल की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ी है। कई भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी कच्चे तेल से दूरी बना ली है और आपूर्ति स्रोत बदलने शुरू कर दिए हैं। इसी बीच, वेनेजुएला के नए कानून ने एक नई संभावना खोली है। उत्पादन और निर्यात में तेज बढ़ोतरी की उम्मीद जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रतिबंधों के चलते जो तेल पहले मजबूरी में सस्ते दाम पर बेचना पड़ता था।

एक्सप्रेस आलेख

किसी भी नीति का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि वह समाज को जोड़ती है या तोड़ती है। यदि वह अविश्वास और टकराव को बढ़ावा देती है, तो उस पर पुनर्विचार अनिवार्य हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक को किसी की हार या जीत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक सुधार का अवसर है-सरकार, यूजीसी और समूचे शैक्षिक तंत्र के लिए। यह समय है कि भावनाओं और राजनीतिक आग्रहों से ऊपर उठकर एक ऐसी नीति बनाई जाए, जो वास्तव में समान अवसर सुनिश्चित करे, लेकिन बिना किसी नए विभाजन को जन्म दिए। शिक्षा में सुधार का अर्थ समाज को आगे ले जाना है, न कि पुराने घावों को फिर से कुरेदना।

शिक्षा में समता या नई असमानता: यूजीसी नियमों पर न्यायिक विराम

ललित गर्ग

देश को ऐसी शिक्षा नीति की आवश्यकता है जो प्रतिभा को जाति से ऊपर रखे, अवसर को पहचान से मुक्त करे और परिसरों को संघर्ष का नहीं, संवाद का केंद्र बनाए। सुप्रीम कोर्ट की यह रोक उसी दिशा में एक संकेत है। अब यह सरकार और यूजीसी की जिम्मेदारी है कि वे इस संकेत को समझें, आत्मावलोकन करें और ऐसे नियम गढ़ें जो वास्तव में भारत की समावेशी, भविष्यद्रष्टा संरचना के अनुरूप हों।

नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के माध्यम से उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता के नाम पर लागू किए गए नए नियमों ने देश के शैक्षिक और सामाजिक परिदृश्य में एक बार फिर गहरी हलचल पैदा कर दी है। जिस नीति को 'समता', 'समान अवसर' और 'समावेशी शिक्षा' की भावना से जोड़कर प्रस्तुत किया गया, वह व्यवहार में आते ही एक वर्ग विशेष के तीव्र विरोध, व्यापक असंतोष और सामाजिक तनाव का कारण बन गई। स्थिति इतनी विकट हुई कि सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप कर इन नियमों पर अंतरिम रोक लगानी पड़ी। यह रोक न केवल सरकार की नीति-निर्माण प्रक्रिया पर एक प्रश्नचिह्न है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अतिशयोक्तिपूर्ण और असंतुलित प्रयोग देश को किस दिशा में ले जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप किसी नीति के समर्थन या विरोध का सीधा निर्णय नहीं है, बल्कि यह एक संवैधानिक चेतावनी है कि समानता के नाम पर लागू किए गए नियम यदि अस्पष्ट हों, दुरुपयोग की संभावना रखते हों और सामाजिक सौहार्द को बाधित करते हों, तो वे न्यायिक समीक्षा से परे नहीं रह सकते। अदालत ने प्रथम दृष्टया यह माना कि यूजीसी के नए नियमों में स्पष्टता का अभाव है और यही अस्पष्टता उन्हें विवादास्पद बनाती है। यह रोक सरकार को आत्ममंथन का अवसर देती हैकृएक ऐसा अवसर जिसे राजनीतिक टकराव के बजाय सुधार के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रश्न यह है कि जो सरकार बार-बार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की बात करती रही है, वह शिक्षा संस्थानों जैसे विचार-निर्माण के केंद्रों में ऐसे नियम क्यों लाई, जिनसे जातिगत पहचान और वर्गीय विभाजन की रेखाएँ और गहरी होने की आशंका पैदा हो गई। भारत का सामाजिक इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि जाति के नाम पर की गई किसी भी नीति ने, चाहे उसका उद्देश्य कितना ही कल्याणकारी क्यों न रहा हो, समाज को भीतर ही भीतर विभाजित किया है। आरक्षण जैसी संवैधानिक व्यवस्था सामाजिक न्याय के लिए लाई गई थी, लेकिन इसके लंबे प्रयोग ने देश को ऐसे घाव भी दिए हैं, जिनका उपचार आज तक पूर्ण रूप से नहीं हो सका। ऐसे में शिक्षा के क्षेत्र में जातिगत आधार को और उभारने वाली किसी भी पहल को लेकर स्वाभाविक रूप से आशंका उत्पन्न होती है। शिक्षा संस्थान केवल डिग्री बांटने की फैक्ट्रियां नहीं होते; वे समाज की दिशा तय करने वाली प्रयोगशालाएं होते हैं। यहां तैयार होने वाला छात्र केवल नौकरीपेशा व्यक्ति नहीं, बल्कि भविष्य का नागरिक होता है। यदि यही परिसर अविश्वास, वर्ग-संघर्ष और परस्पर शंका के केंद्र बन जाएं, तो इसका प्रभाव केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह सामाजिक ताने-बाने को भी कमजोर करता है। यूजीसी के नए नियमों को लेकर उठा विरोध इसी आशंका का प्रकटीकरण है। यह भी विचारणीय है कि समानता और समता के बीच का अंतर नीति-निर्माण में किस हद तक समझा गया। समानता का अर्थ है सबके साथ एक जैसा व्यवहार, जबकि समता का अर्थ है परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संतुलित अवसर देना। यदि समता के नाम पर ऐसे प्रावधान किए जाएं जो एक नए प्रकार की असमानता को जन्म दें, तो वह नीति अपने उद्देश्य से भटक जाती है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इसी बिंदु की ओर संकेत करती है कि नियमों का उद्देश्य भले ही सकारात्मक रहा हो, लेकिन उनकी संरचना और भाषा ने विवाद और भ्रम को जन्म दिया। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस पूरे मामले में राजनीतिक रंग तेजी से हावी होता गया। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इसे अपने-अपने हितों के चश्मे से देखना शुरू कर दिया, वोट बैंक की राजनीति से इसे देखा जाने लगा जबकि यह विषय मूलतः शिक्षा सुधार और सामाजिक संतुलन से जुड़ा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं कई अवसरों पर यह कहते रहे हैं कि शिक्षा को राजनीति से मुक्त रखा जाना चाहिए और नीतियां दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर बननी चाहिए। फिर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यूजीसी द्वारा बनाए गए इन नियमों में उस दूरदर्शिता और संतुलन का अभाव क्यों दिखा? लगता है कि यूजीसी ने जल्दबाजी में बिना सोचे समझे इसे लागू कर दिया,यदि यूजीसी ने व्यापक संवाद, सभी पक्षों से परामर्श और संभावित दुरुपयोग की आशंकाओं का पूर्व आकलन किया होता, तो शायद यह स्थिति उत्पन्न ही नहीं होती। नीति बनाते समय केवल कानूनी वैधता पर्याप्त नहीं होती; सामाजिक स्वीकार्यता और नैतिक संतुलन भी उतने ही आवश्यक होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने आदेश के माध्यम से यही संकेत दिया है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी बदलाव से पहले उसके दूरगामी प्रभावों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। नए नियमों की सबसे बड़ी कमजोरी एवं त्रासदी यही रही कि वे आरक्षित और सामान्य वर्गों को एक-दूसरे के सामने खड़ा करके विद्रोह एवं विरोध में खड़ा कर दिया। यह विभाजनकारी प्रवृत्ति न केवल शिक्षा के वातावरण को दूषित करती है, बल्कि उस राष्ट्रीय एकता की अवधारणा को भी कमजोर करती है, जिसकी बात हम संविधान में करते हैं। किसी भी नीति का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि वह समाज को जोड़ती है या तोड़ती है। यदि वह अविश्वास और टकराव को बढ़ावा देती है, तो उस पर पुनर्विचार अनिवार्य हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक को किसी की हार या जीत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक सुधार का अवसर है-सरकार, यूजीसी और समूचे शैक्षिक तंत्र के लिए। यह समय है कि भावनाओं और राजनीतिक आग्रहों से ऊपर उठकर एक ऐसी नीति बनाई जाए, जो वास्तव में समान अवसर सुनिश्चित करे, लेकिन बिना किसी नए विभाजन को जन्म दिए। शिक्षा में सुधार का अर्थ समाज को आगे ले जाना है, न कि पुराने घावों को फिर से कुरेदना। देश को ऐसी शिक्षा नीति की आवश्यकता है जो प्रतिभा को जाति से ऊपर रखे, अवसर को पहचान से मुक्त करे और परिसरों को संघर्ष का नहीं, संवाद का केंद्र बनाए। सुप्रीम कोर्ट की यह रोक उसी दिशा में एक संकेत है। अब यह सरकार और यूजीसी की जिम्मेदारी है कि वे इस संकेत को समझें, आत्मावलोकन करें और ऐसे नियम गढ़ें जो वास्तव में भारत की समावेशी, संतुलित और भविष्यद्रष्टा संरचना के अनुरूप हों। यदि इस अवसर को भी राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ा दिया गया, तो यह केवल एक नीति की विफलता नहीं होगी, बल्कि उस विश्वास की भी हार होगी, जो जनता ने शिक्षा सुधारों से जोड़ रखा है।

सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप किसी नीति के समर्थन या विरोध का सीधा निर्णय नहीं है, बल्कि यह एक संवैधानिक चेतावनी है कि समानता के नाम पर लागू किए गए नियम यदि अस्पष्ट हों, दुरुपयोग की संभावना रखते हों और सामाजिक सौहार्द को बाधित करते हों, तो वे न्यायिक समीक्षा से परे नहीं रह सकते।

आज का पंचांग

किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए सही मुहूर्त, सही समय, और सही नक्षत्र का होना जरूरी होता है, आज हम आपको आज के दिन का सही समय जो की सही कार्य करने का है, और आज कब कौन सी दशा कौन से टाइम में चल रही है उसका समुचित विवरण हिन्दू कैलेंडर और हिन्दू पंचांग के अनुसार दे रहे है, आज आपका दिन मंगलमयी रहे, यही शुभकामना है। आज का दिन शुभ कार्य के लिए सही कार्य है या नहीं आज के चौघड़िया के अनुसार जानें। अगर आप आज वाहन खरीदने का विचार कर रहे है या आज कोई नया व्यापार आरंभ करने जा रहे है, गृह प्रवेश कर रहे है, गृह निर्माण कर रहे है, प्रॉपर्टी खरीद रहे है, या कोई अन्य शुभ कार्य करने के लिए सोच रहे है तो पहले यहाँ सही समय देख लें, आपका कार्य शुभ और सफल होगा, यही हमारी ओर से शुभ मंगल कामना है।

तिथिः	प्रतिपदा 13:52 तक
नक्षत्रः	आश्लेषा 10:47 तक
पक्षः	शुक्ल
वारः	सोमवार
योगः	आयुष्मान, 07:20
सूर्योदयः	07:10
सूर्यास्तः	18:10
चंद्रमाः	कर्क राशि में
राहुकालः	08:32-09:55
विक्रमी संवत्:	2082
शक सम्वतः	1947
मासः	माघ
शुभ मुहूर्तः	12:18-13:02

जन एक्सप्रेस

होगा बजट पेश !

लेखा जोखा आएगा ।
होगा बजट पेश ।।
आम हो या खास ।
इंतजार में देश ।।
आमदनी और खर्च का ।
मद हुआ तैयार ।।
इसी सहारे एक साल ।
है बजनी झंकार ।।
सस्ते और महंगे की ।
होगी बहसबाजी ।।
किसी का विरोध तो ।
होगा कोई राजी ।।
प्रतिक्रिया से पट जाएंगे ।
गरीब और किसान की पर ।
लौटेगी बहार ?

- कृष्णेन्द्र राय

एक्सप्रेस स्वास्थ्य

फेफड़ों में कफ जम जाए तो पिएं काली मिर्च का काढ़ा

कफ कंजेशन की समस्या से अक्सर लोग परेशान रहते हैं। सर्दियों में ये दिक्कत और बढ़ जाती है और लंबे समय तक बनी रहती है। यहां तक कि जिन लोगों को निमोनिया, ब्रोंकाइटिस और अस्थमा की दिक्कत रहती है उनमें भी ये समस्या देखी जाती है। दरअसल, कफ और कंजेशन की वजह से लोगों को सांस लेने में दिक्कत होती है और कई बार सोने में भी समस्या होने लगती है। ऐसे में हर बार एंटीबायोटिक दवाओं को लेना सेहत के लिए उतना फायदेमंद नहीं माना जाता है जितना कि देसी उपचार।

फेफड़ों में कफ जम जाए तो पिएं काली मिर्च का काढ़ा: फेफड़ों में कफ जमने की स्थिति में काली मिर्च का काढ़ा कुछ हद तक राहत दे सकता है। काली मिर्च में मौजूद पिपेरिन तत्व बलगम को पतला करने में मदद करता है, जिससे कफ आसानी से बाहर निकल पाता है और सांस लेने में राहत मिलती है। स्टडी बताती है कि एल्कलॉइड प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले रासायनिक यौगिकों का एक समूह है जो कि कफ को तोड़ने के साथ कई पुरानी बीमारियों के खिलाफ कारगर है जिसमें कि पहले तो ये इंसुलिन प्रतिरोध में कमी लाता है, सूजन कम करता है

और फैटी लिवर में जमाव।

छाती में जकड़न: फेफड़ों में कफ जमने पर काली मिर्च का काढ़ा बेहद फायदेमंद है। डॉ. जोशी बताते हैं कि यह काढ़ा छाती में जकड़न, भारीपन और खांसी की परेशानी को कम करने में सहायक माना जाता है। कंजेशन होने पर काली मिर्च का काढ़ा कफ तोड़ता है और इसे ढीला करता है। इसके अलावा ये फेफड़ों में गर्मी पैदा करता है जिससे कफ को बाहर निकालने में मदद मिलती है। इससे छाती में जमा कफ की सफाई हो जाती है और पीड़ित व्यक्ति जकड़न से राहत महसूस करता है।

इन्फेक्शन और सूजन कम करने वाला: काली मिर्च में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण भी होते हैं, जो हल्के इन्फेक्शन और सूजन को कम कर सकते हैं। जब आप इस काढ़े को पीते हैं तो इसके बायोएक्टिव गुण आसानी से शरीर द्वारा अवशोषित हो जाता है। काली मिर्च ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाने में कारगर है। यह एक नेचुरल कंजेशन निवारक के रूप में भी काम करती है, जिससे बंद वायुमार्ग खुलते हैं और श्वसन क्रिया में सुधार होता है।

फेफड़ों के लिए काली मिर्च का काढ़ा बनाकर कैसे पिएं?: फेफड़ों के लिए काली मिर्च का काढ़ा बनाना बेहद आसान है। आपको करना ये है कि काली मिर्च को कूटकर इसका पाउडर बना लें और अदरक कूटकर मिला लें। इस काढ़े में थोड़ा गुड़ मिला लें और एक उबाल ले लें। फिर इसे छानकर इसमें थोड़ा सा नमक मिलाकर पिएं। इस प्रकार से गुनगुना काढ़ा पीने से गले और श्वसन नलिका को आराम मिलता है। हालांकि, लंबे समय से कफ, सांस फूलना, सीने में दर्द या बुखार जैसे लक्षण हों, तो केवल घरेलू उपायों पर निर्भर न रहें और समय पर डॉक्टर से जांच व इलाज कराना जरूरी है क्योंकि कफ को लंबे समय तक फेफड़ों में जमा रखना सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है।

क्या हम रोज काली मिर्च का पानी पी सकते हैं?: नहीं, रोज काली मिर्च का पानी पीना शरीर की गर्मी बढ़ाने के साथ पित्त के दिक्कत की वजह बन सकता है। इसकी वजह से पेट से जुड़ी समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

एक्सप्रेस विशेष

सालिसिटर जनरल की चुप्पी?

डॉ0 ओ0पी0 मिश्र

अब देखना यह होगा कि किसके भरोसे पर मोदी जी और भाजपा खरी उतरती है। क्योंकि वोट तो सरकार बनाने के लिए अगड़े पिछड़े तथा दलित सभी का भाजपा को चाहिए। लेकिन यूजीसी लागू करके शायद ही भाजपा सबको खुश कर पाए?

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि यह भारत सरकार का कानून है संसद का कानून है सभी को इसे मानना ही पड़ेगा। इस मौके पर मैं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का वह बयान यहां कोड कर रहा हूं जिसमें वह कहते हैं कि सनातन धर्म को विभाजित करने वाले यूजीसी नियमों पर रोक लगाने के लिए उच्चतम न्यायालय के प्रति हार्दिक आभार। आज मंत्री जी सुप्रीम कोर्ट के प्रति आभार व्यक्त कर रहे हैं।

हम सब जानते हैं कि किसी भी मुकदमे में दो पक्ष होते हैं एक तरफ सरकार का पक्ष रखने तथा सरकार को डिफेन्ड करने के लिए सरकारी वकील तो दूसरी तरफ बचाव पक्ष का वकील जो यह साबित करने का प्रयास करता है कि उसके क्लाइंट ने कुछ भी नहीं किया बल्कि उसी के साथ गलत किया गया। निकली आदालतो में इन्हीं सरकारी वकील को कोर्ट साहब यानि पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अर्थात अभियोजन अधिकारी कहा जाता है । जबकि आगे बढ़ने पर यानी हाई कोर्ट तथा सुप्रीम कोर्ट पहुंचने पर इन्हें एडवोकेट जनरल, सालिसिटर जनरल कहा जाता है । अमूमन यह सारे विधि वेत्ता सरकार के निर्णय तथा उसकी पॉलिसी कैसे को सही सिद्ध करने का ही प्रयास करते हैं और करना भी चाहिए। क्योंकि यह उनका दायित्व है। लेकिन प्रत्येक भारतवासी को उस समय अचरज हुआ जब यूजीसी को लेकर जब मामला सुप्रीम कोर्ट आया और वहां मौजूद सरकार के वकील यानी सालिसिटर जनरल ने चुप्पी साध ली? क्यों चुप्पी साथ ली, किसके कहने पर चुप्पी साध ली और उनकी चुप्पी की वजह क्या थी? यह कुछ ऐसे सवाल है जिनका जवाब तो आना ही चाहिए। ऐसे में यह सवाल तो उठेगा ही क्या सरकार वोट बैंक सहेजने के चक्कर में खुद ही फस गई थी? क्या सरकार को यह लग गया था कि इस तरह तो अगडे और पिछडे दोनों उसके हाथ से जाएंगे? क्या इसीलिए सालिसिटर जनरल तुषार मेहता खामोश रहे? कितनी अजीब बात है कि जब-जब सीजेआई सालिसिटर जनरल तुषार मेहता से मुखातिब हुए और स्पष्टीकरण चाहा तब तब उन्होंने चुप्पी साध ली। सुप्रीम कोर्ट का कहना था कि हमने जाति विहीन समाज की दिशा में जो कुछ भी हासिल किया है क्या हम फिर से पीछे की ओर जा रहे हैं? सालिसिटर जनरल चुप रहे। फिर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारत की एकता शैक्षणिक संस्थानों में झलकनी चाहिए। इसके लिए आपके पास क्या कोई सुझाव है? तुषार मेहता चुप रहे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पहली नजर में ये नियम अस्पष्ट है। य समाज को बांट देंगे और खतरनाक प्रभाव भी पड़ेगा। सालिसिटर जनरल चुप रहे। फिर कोर्ट ने कहा कि एक एक्सपर्ट कमेटी बनानी चाहिए जो इसकी समीक्षा करें। मेहता साहब चुप ही रहे। यहां यह जानना आवश्यक है कि 13 जनवरी को यूजीसी ने कथित समानता का यह आदेश promotion of equity in higher education institutions regulations को लागू किए जाने का आदेश दिया था। जिसे मात्र 15 दिनों बाद यानी 29 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने अगले आदेशों तक रोक दिया। इसका मतलब सुप्रीम कोर्ट भी काफी जल्दबाजी में था और सालिसिटर जनरल तुषार मेहता की छुप्पी यह बता रही थी कि वह चाहते हैं कि फिलहाल तुरंत स्टे लग जाए। वैसे सुप्रीम कोर्ट कभी भी इतनी एक्टिव नहीं हुई है। बिहार चुनाव के समय एसआईआर की घोषणा हुई थी आधा दर्जन राज्यों ने इसका विरोध किया लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने स्टे नहीं दिया। क्योंकि सालिसिटर जनरल तुषार मेहता इन मामलों में खामोश नहीं रहे। जबकि यूजीसी के मामले में वह खामोश रहे और बहस नहीं की कि यह एक वर्ग को सुरक्षित महसूस करने के लिए क्या दूसरे वर्ग को असुरक्षित करना आवश्यक है। यहां यह बात भली-भांति समझनी होगी की शैक्षणिक परिसर सबसे संवेदनशील जगहों में से एक है। यहां की घटनाएं उन छात्रों पर प्रभाव डालती है जिन्हें भविष्य में देश और समाज की दिशा तय करनी है । इसलिए यहां आवश्यक यह है कि कोई भी नियम कानून की मेरिट और डिमैरिट परखने तथा सोच समझ के बाद ही लागू किया जाए। ऐसे में अगर सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा है कि देश को जाति विहीन समाज की ओर बढ़ना चाहिए ना के पीछे की तरफ तो सही ही कहा। लेकिन सरकार और सरकारों की नीतियां हमेशा जाति के आधार पर ही तय होती आयी हैं। क्योंकि सारे राजनीतिक दल जाति आधारित ही राजनीति करते हैं। टिकट जाति के आधार पर बांटे जाते हैं, मंत्री जाति के कोटे के आधार पर बनाए जाते हैं वोट के लिए और चुनाव जीतने के लिए। राष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री की जाति बताई जाती है फिर हम जाति विहीन समाज की कल्पना कैसे कर सकते हैं। ऐसे में अगर मैं यह कहूं कि हमारे जिस्म के रगों में बहते हुए खून की रंगत भी जाति के रंग से रंगी है तो शायद गलत नहीं होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशकः अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा ए0वी0बी0 रेप्रोग्राफिक्स, ए-59, इंडस्ट्रियल एस्टेट, ताल कटोरा, लखनऊ से मुद्रित तथा अय्यूब कॉम्प्लेक्स, 82/68, गुरु गोविन्द सिंह मार्ग, लखनऊ पिन-226004, उ0प्र0 से प्रकाशित। संपादकः अरुण कुमार त्रिपाठी, (प्रबन्ध संपादक-मनोज तिवारी, सह-संपादकः इमरान खान, राज्य ब्यूरो प्रमुख- सन्तोष कुमार दीक्षित) आर.एन.आई. पंजीयन संख्या : UPHIN/2009/30003, फोन नं.: 0522-4330955 मोबाइल नं. 8933805555, (नोटः सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ स्थित न्यायालय होगा।)

भाजपा जिला कार्यालय में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के 9वें केंद्रीय बजट का हुआ लाइव प्रसारण

- बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद बोले आत्मनिर्भर भारत को और मजबूती देने वाला बजट
- राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने बताया विकसित भारत के लक्ष्य को साधने वाला ऐतिहासिक बजट

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर रविवार को केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में प्रस्तुत किए गए केंद्रीय बजट 2026-27 (9वां बजट) का सीधा लाइव प्रसारण बड़े ही उत्साह, अनुशासन और गंभीरता के साथ देखा गया। इस अवसर पर जिला कार्यालय को विशेष रूप से सजाया गया था तथा बड़ी स्क्रीन के माध्यम से बजट भाषण का सजीव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने केंद्रीय वित्त मंत्री के बजट भाषण को ध्यानपूर्वक सुना और बजट के विभिन्न प्रावधानों पर आपस में विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 3.0 कार्यकाल में प्रस्तुत यह बजट देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और मजबूत कदम है। उन्होंने कहा कि इस बजट में गरीब, किसान, महिला, युवा, मजदूर और मध्यम वर्ग के कल्याण को प्राथमिकता दी गई है, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था को नई गति और दिशा मिलेगी। भाजपा जिला प्रभारी गुलशन आनंद एवं जिला अध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह ने बजट को जनकल्याणकारी और विकासोन्मुखी बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर दूरदर्शी और साहसिक निर्णय ले रही है। पूर्व विधायक किशन लाल राजपूत ने बजट को संतुलित बताते हुए कहा कि यह बजट देश के दीर्घकालिक विकास की मजबूत नींव रखेगा। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष आस्था अग्रवाल, जिला महामंत्री एवं कार्यक्रम संयोजक अमित अग्रवाल, लेखराज भारती, ब्लॉक प्रमुख मरौरी सभ्यता वर्मा, जिला उपाध्यक्ष रेखा सिंह परिहार, सुषमा देवी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष गीता मिश्रा, मनोज गुप्ता, जय जय राम वर्मा, जिला कोषाध्यक्ष मुकेश गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी स्वतंत्र देवल, शांति स्वरूप सोनकर, सुमित गंगवार, जिला मंत्री संजीव मोहन अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष महेंद्र वर्मा, कपिल सिंह सहित सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में कार्यकर्ताओं ने बजट को देश के सर्वांगीण विकास की दिशा में मील का पत्थर बताते हुए केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया और यह संकल्प लिया कि बजट से जुड़ी योजनाओं और प्रावधानों को आमजन तक पहुंचाने के लिए संगठन स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाई जाएगी।

देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले व्यापारी समाज की बजट में पूरी तरह अनदेखी की गई है। उन्होंने बताया कि सरकार से व्यापारियों को जीएसटी सरलीकरण, टैक्स राहत और व्यापारिक सुविधाओं की बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन किसी भी प्रमुख मांग को पूरा नहीं किया गया, जिससे व्यापारिक जगत में रोष और हताशा व्याप्त है।

एम.ए. जीलानी
जिला अध्यक्ष, उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 3.0 कार्यकाल में प्रस्तुत यह बजट ‘विकसित भारत’ के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक ऐतिहासिक और निर्णायक कदम है। उन्होंने कहा कि बजट में गांव, गरीब, किसान, मजदूर, युवा और मध्यम वर्ग—सभी वर्गों के लिए अवसर और राहत के प्रावधान किए गए हैं।उन्होंने बताया कि बजट से जहां आर्थिक सुधारों को गति मिलेगी, वहीं शिक्षा, स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर, रोजगार और उद्योग के क्षेत्र में व्यापक विकास होगा। छोटे और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने वाले प्रावधान भारत को वैश्विक मंच पर और अधिक सशक्त बनाएंगे।

संजय सिंह गंगवार राज्य मंत्री उ.प्र.

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर, 3 आयुर्वेदिक एम्स, टेक्नोलॉजी सेक्टर, स्टार्टअप्स और युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों पर विशेष जोर दिया गया है।उन्होंने कहा कि यह बजट न केवल आर्थिक प्रगति को गति देगा, बल्कि आम नागरिकों के जीवन स्तर में भी सकारात्मक परिवर्तन लाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि बजट की जानकारी सरल भाषा में जनता तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद

बजट में महंगाई, बेरोज़गारी और किसानों की आय दोगुनी करने जैसे ज्वलंत मुद्दों पर कोई ठोस रोडमैप नहीं है।किसानों को न तो एमएसपी की कानूनी गारंटी दी गई और न ही खाद, बीज एवं डीज़ल की बढ़ती कीमतों से राहत मिली। युवाओं के लिए रोजगार सृजन केवल कागज़ी घोषणाओं तक सीमित है। महिलाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के बजट में कटौती कर सरकार की संवेदनहीनता उजागर हुई है।पार्टी ने आरोप लगाया कि यह बजट चंद पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने वाला है और आम जनता के लिए निराशाजनक साबित हुआ है।

जगदेव सिंह जग्गा

जिला अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी

बीसलपुर में सड़क हादसों पर फिर उठे सवाल

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, हाईवे बना मौत का रास्ता

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

बीसलपुर। बीसलपुर-पीलीभीत हाईवे पर एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही ने एक युवक की जान ले ली। शनिवार देर रात कोतवाली क्षेत्र में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद उसका शव हाईवे किनारे पड़ा मिला, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। देर रात गश्त पर निकली पुलिस टीम की नजर जब सड़क पर पड़े शव पर पड़ी, तब घटना की जानकारी हुई। पुलिस द्वारा तलाशी के दौरान युवक की जेब से मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान गांव लौंगहा निवासी प्रदीप कुमार गंगवार 25 वर्ष के रूप में हुई। सूचना मिलने पर परिजन घटनास्थल पर पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। परिजनों के अनुसार प्रदीप शनिवार की शाम किसी आवश्यक कार्य से बाइक द्वारा गांव टिकरी गया था और देर रात लौटते समय गांव परसिया के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक सड़क पर गिर पड़ा और अज्ञात वाहन उसे कुचलते हुए फरार हो गया। हादसे की खबर से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस हाईवे पर पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन तेज रफ्तार वाहनों पर अंकुश और सुरक्षा उपायों की कमी के कारण हालात जस के तस बने हुए हैं। कोतवाली प्रभारी संजीव शुक्ला ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है। अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है, तहरीर मिलने पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर वाहन की तलाश में जुटी है। यह हादसा एक बार फिर सड़क सुरक्षा, रात्रि गश्त और हाईवे पर निगरानी व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। आवश्यकता है कि ऐसे मार्गों पर सुरक्षा इंतजामों को और सख्त किया जाए, ताकि निर्दोष लोगों की जान बचाई जा सके।

मिशन शक्ति-5, जागरूकता से सशक्तिकरण की ओर बढ़ता कदम

छात्राओं को कानून, साइबर सुरक्षा और बाल विवाह से बचाव की दी गई जानकारी

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति-5 अभियान जनपद पीलीभीत में प्रभावी ढंग से आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में पुलिस प्रशासन द्वारा छात्राओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान चलाया गया।पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में थानों पर नियुक्त महिला सुरक्षा केंद्र टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों में भ्रमण कर छात्राओं से संवाद किया और उन्हें महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, उत्पीड़न, बाल विवाह तथा अन्य अपराधों से संबंधित कानूनी प्रावधानों से अवगत कराया गया। महिला सुरक्षा केंद्र टीमों ने साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को देखते हुए सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन ठगी से बचाव तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। साथ ही 1090, 112 सहित अन्य हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर छात्राओं को निर्भीक होकर सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। टीमों ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की परेशानी या उत्पीड़न की स्थिति में पुलिस सदैव उनके साथ खड़ी है। छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने, सजग रहने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। यह अभियान थाना सेहरामऊ उत्तरी, सुनगढ़ी, माधोटांडा, हजारा, गजरौला, घुंघचाई, बरखेड़ा, बिलसंडा, दियोरिया कला, महिला थाना एवं थाना करेली क्षेत्रों में संचालित किया गया। स्थानीय नागरिकों और छात्राओं ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे महिलाओं की सुरक्षा की दिशा में एक सार्थक और प्रभावी कदम बताया।

संगीनों के साये में जीने को मजबूर होने लगे कई थाना क्षेत्रों के वासिन्दे

जन एक्सप्रेस। सीतापुर

जाबाज हाई कमान के नेतृत्व में कार्य कर रहे कुछ पुलिस अधिकारियों का रसूक फीक पड़ने लगा है। जिले के तालगांव और सकरन कोतवाल अपने क्षेत्र के पेशेवर अपराधियों पर झामकसी नही कर पा रहे है। इन क्षेत्रों के पेशेवर अपराधी क्षेत्रवासियों को संगीनों के साये में जीन को मजबूत कर रहे है। तालगांव में सत्रह लाख की डकैती से लोगो में दहशत का माहौल कायम कर दिया था तो सकरन इलाके में जेवर से भरा बैग युवक की आंख में मिर्च झोकी और फिर तमन्चों की नोक पर जेवर से भरा बैग लूटकर लुटेरे फरार हो गये है। इन दोनो घटनाओं ने क्षेत्र के वाशिन्दों में असुरक्षा की भवना पैदा कर रही है। गौरतलब हो कि बाइक सवार दो बदमाशों ने हसनापुर मोड़ के पास सर्राफ की आंखों में मिर्च झोंक कर जेवर से भरा बैग लूट लिया। पीड़ित के भाई ने दस लाख रुपये के जेवर लूटे जाने का आरोप लगाया है। घटना की जानकारी जैसे ही पुलिस को हुई, उसने पीड़ित को ही अपने पास बैठा लिया। मनीष के अनुसार बिसवां के पटना गांव निवासी भाई मोनू की सकरन के महोलियाकलां चैराहे पर हरिओम ज्वैलर्स व रेडीमेड सेंटर के नाम से दुकान है। पास में शराब का ठेका भी है। शाम करीब पांच बजे मोनू अपनी दुकान बंद कर बाइक से घर जा रहे थे। मोनू के पास जेवरों से भरा एक बैग था। उनकी बाइक जैसे ही हसनापुर मोड़ के पास पहुंची, तभी पीछे से एक बाइक पर सवार दो बदमाश आ धमके। बदमाशों ने मोनू की आंख में मिर्च झोंक दिया। इससे वह गिर गए। इसके बाद बदमाशों ने तमंचे के बल पर जेवर से भरा बैग लूट लिया।शोर सुनकर सेमरा गांव के लोग मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने पुलिस को मामले की सूचना दी। आरोप है कि वारदात का पता चलते ही स्थानीय पुलिस ने पीड़ित को अपने पास बैठा लिया।

उसे परिजनों व मीडिया कर्मियों से बात भी नहीं करने दी। वारदात के बाद एएसपी समेत अन्य पुलिसकर्मियों ने जांच की है। पीड़ित की दुकान चैकी से महज 50 कदम की दूरी पर है। वहीं घटनास्थल चैकी से महज एक किलोमीटर की दूरी पर है। आशंका जताई जा रही है कि वारदात से पहले रेकी की थी।

उधर, पुलिस ने पहले तो घटना को छिपाने का प्रयास किया। बाद में घटना को स्वीकारते हुए सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए।जिले में अपराध थमने का नाम नहीं ले रहा है।

फांसी के फंदे लटकता मिला इंजीनियर की पत्नी का शव

जन एक्सप्रेस। सीतापुर

जनपद के रामकोट थाना क्षेत्र में इंजीनियर की पत्नी का शव फंदे से लटकता हुआ मिला है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही करनी शुरू कर दी है। घटना के सम्बन्ध में मिली जानकारी के अनुसार उक्त थानाक्षन्तर्गत चीनी मिल कॉलोनी में इंजीनियर की पत्नी का शव घर में फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने विधिक कार्रवाई की है। पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव लेकर मध्यप्रदेश के ग्वालियर चले गए हैं। वहीं पर महिला का अंतिम संस्कार किया जाएगा। कॉलोनी में चर्चा है कि घरेलू विवाद के बाद महिला ने फांसी लगा ली। ग्वालियर निवासी ऋषिकेश मिश्रा रामकोट स्थित चीनी मिल में ग्रेन डिस्टलरी में इंजीनियर हैं। शुक्रवार देर रात उनका अपनी पत्नी नीलू मिश्रा (38) से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। शनिवार सुबह ऋषिकेश चीनी मिल चले गए। इसी बीच नीलू ने घर में फांसी लगा ली। सूचना पर मिल अधिकारी, कर्मी व अन्य लोग इंजीनियर के आवास पर पहुंचे। परिवार में एक 12 वर्षीय पुत्री व 10 वर्षीय पुत्र है।

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने कमरे की बारीकी से तलाशी भी ली है। प्रभारी निरीक्षक सुरेश पटेल ने बताया कि परिजनों ने कोई आरोप नहीं लगाया है।

डीएम के निर्देशन में प्रदर्शनी का आयोजन मंत्री का किया दीप प्रज्वलित

जन एक्सप्रेस। सीतापुर

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में संचालित जिला विज्ञान क्लब सीतापुर द्वारा जिलाधिकारी डॉक्टर राजा गणपति आर के निर्देशन में जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन सेक्रेड हार्ट इंस्टिट्यूट में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर विकास राज्यमंत्री राकेश राठौर ने दीप प्रज्वलित कर किया। छात्र समिति की सौम्या सिंह शाब्दी, नंदिनी, आस्था, तन्मय, इशिका शुक्ला, कुलदीप ने ईश्वर की वंदना प्रस्तुत की। मंत्री ने युवा वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय तकनीकि का युग है, जिसमें हमें पारंगत होने की आवश्यकता है। हमारे युवा वैज्ञानिक विभिन्न क्षेत्रों में अपनी खोजों से, नवाचार से भारत को विकसित बनाने का कार्य कर रहे हैं इसके लिए वे धन्यवाद के पात्र हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के मॉडलों का अवलोकन कर उनकी प्रशंसा की। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य तथा कार्यक्रम के नोडल प्रभारी अशोक सिंह ने अपने संबोधन में नवाचार पर जोर देते हुए कहा कि जीवन को सुगम बनाने के लिए विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका है, किंतु विज्ञान का दुरुपयोग हानिकारक भी होता है अतः हमें मानव जाति के उत्थान के लिए ही विज्ञान तथा तकनीकि का उपयोग संयमित रूप से करना चाहिए।जिला विज्ञान क्लब समन्वयक डॉ0 योगेश चंद्र दीक्षित ने कार्यक्रम में आए अतिथियों का स्वागत किय प्रबंधक फादर जॉनी तथा उप्राचार्य फादर सजीमन ने जिला विज्ञान क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रम के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।दीनदयाल उपाध्याय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के जंतु विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ0 कुंवर जी तिवारी, गणित के विभागाध्यक्ष डॉ0 विपिन कुमार, डायट के भौतिक विज्ञान प्रवक्ता नरेंद्र सिंह तथा राजकीय इंटर कॉलेज रजवापुर के प्रधानाचार्य वीरेश सिंह ने विषय विशेषज्ञ तथा निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में अपना योगदान दिया। मॉडल प्रदर्शनी में कृषक इंटर कॉलेज, डीपीआईडी इंटर कॉलेज खगेसिया मऊ, जेएलएमडी कॉलेज, खैराबाद, हिंदू कन्या पाठशाला, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, कमलापुर, उजागर लाल इंटर कॉलेज, आरबीआईएसबी सिंह इंटर कॉलेज कमलापुर, सीता इंटर कॉलेज, म्युनिसिपल इंटर कॉलेज, रघुराज सिंह हायर सेकेंडरी स्कूल, आर पी चिल्ड्रन हाई स्कूल, सुमति कन्या इंटर कॉलेज, अग्रवाल पब्लिक स्कूल, पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज, हिंदू कन्या इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों ने लगभग 50 मॉडल प्रस्तुत किये। कृषक इंटर कॉलेज महोली के अभिषेक कुमार को जैविक खाद्य संसाधन विषयक मॉडल को प्रथम स्थान, उजागर लाल इंटर कॉलेज के प्रांजल श्रीवास्तव को महिला सुरक्षा संबंधी उपकरण को दूसरा स्थान जबकि सीता इंटर कॉलेज के आर्यन नाग को बहुउद्देशीय संयंत्र हेतु तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।

ट्रैक एंड फील्ड प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

जन एक्सप्रेस। सीतापुर। शिक्षा के साथ खेलकूद का महत्व बताते हुए महिला थाना एंटी रोमियो प्रभारी पूजा कटियार ने कहा कि शिक्षा में खेलकूद उतना ही आवश्यक है जितना पढ़ाई में पुस्तकों का स्थान होता है। वह मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में डोर फाउंडेशन द्वारा आयोजित ट्रैक एंड फील्ड प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रही थीं। कार्यक्रम का शुभारंभ बार एसोसिएशन अध्यक्ष विजय अवस्थी और समाजसेवी आकाश बजरंगी ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर किया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों से आए बच्चों ने दौड़, लंबी कूद, गोला फेंक, बोरी दौड़ सहित कई खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया।कार्यक्रम में मानस मेला अध्यक्ष विषम्भर तिवारी, सर्व समाज संगम अध्यक्ष धीरज पांडे तथा लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने उपस्थित होकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। महासचिव डॉ. आर्या एवं उपाध्यक्ष बृजेश तिवारी ने प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। डोर फाउंडेशन के अध्यक्ष सुधांशु मिश्रा ने अतिथियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया।इस अवसर पर पूनम मिश्रा, ममता तिवारी, संतोष कुमार, शिवांश दीक्षित, खुशी सिंह, मोंटू, शिवांशी मिश्रा, शिवांशु मिश्रा, ताहिर, देश दीपक, अजय रावत, मतेंद्री मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एक्सप्रेस खबरें...

सपा नेता ने यूरिया खाद का वजन घटाने पर जताया रोष

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर। समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष पवन यादव ने किसानों के साथ छल किए जाने को लेकर गंभीरता दिखाते हुए पोस्ट किया 23 जनवरी 2026 को भारत सरकार के आदेश पत्र में 40 केजी का यूरिया बोरी होने की बात कही गई है। किसानों से जुड़े इस गंभीर मुद्दे पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया सपा नेता ने बताया पहले यूरिया का बैग 50 किलो से घटाकर 45 किलो किया गया और अब 2026 से इसे और घटाकर 40 किलो किया जा रहा है। ऊपर से इसमें नाइट्रोजन की मात्रा 37 प्रतिशत और सल्फर केवल 17 प्रतिशत रखी जा रही है। जबकि कीमत 254 रुपये तय की गई है। यह सीधा-सीधा किसानों की जेब पर बोझ डालने और खेती की लागत बढ़ाने का फैसला है।सरकार चोरी-छिपे मात्रा घटाकर किसानों को कम खाद देकर ज्यादा पैसे वसूलना चाहती है, जो किसान विरोधी सोच को दर्शाता है। किसान पहले ही महंगी डीजल, बिजली और बीज की मार झेल रहा है, ऐसे में यूरिया की गुणवत्ता और मात्रा में कटौती करना अन्याय है। समाजवादी पार्टी किसानों के हक के लिए हमेशा संघर्ष करती रही है और आगे भी करेगी। हम मांग करते हैं कि यूरिया की मात्रा और गुणवत्ता में कटौती का फैसला वापस लिया जाए और किसानों को सस्ती, पूरी मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जाए। किसान मजबूत होगा तभी देश मजबूत होगा।

सड़क पर तड़पता गौवंश

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर। तहसील अंतर्गत घाटमपुर क्षेत्र में गौवंश संरक्षण के दावों की पोल खुलती नजर आ रही है। संगम मैरिज हॉल के सामने हाईवे पर एक घायल गाय घंटों तड़पती रही, लेकिन प्रशासनिक तंत्र की ओर से कोई मदद न मिलने पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई। घाटमपुर संगम मैरिज हॉल के पास हाईवे पर एक गौवंश गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला। स्थानीय लोगों और हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं का आरोप है कि गाय दर्द से कराह रही थी, लेकिन सूचना देने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी या ग्राम पंचायत स्तर के कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचे। इस संवेदनहीनता को देख कार्यकर्ताओं का धैर्य जवाब दे गया और उन्होंने मौके पर ही हंगामा शुरू कर दिया। हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने इस पूरी घटना के लिए ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि बार-बार शिकायत और प्रशासन की निष्क्रियता के कारण क्षेत्र में गौवंश की स्थिति दयनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी योजनाओं के बावजूद धरातल पर घायल पशुओं के उपचार और संरक्षण के लिए कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं की गई है। हंगामे की सूचना मिलते ही सामाजिक कार्यकर्ता और हिंदू नेता शिवम भदोरिया अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने न केवल घायल गाय के उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की, बल्कि वहां मौजूद लोगों से गौवंश संरक्षण की अपील भी की। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए मांग की कि लापरवाह अधिकारियों और कर्मचारियों पर जल्द से जल्द सख्त कार्रवाई की जाए, अन्यथा हिंदू संगठन बड़े आंदोलन को बाध्य होंगे।

विशाल भंडारे के साथ श्री बिष्णु महायज्ञ का समापन

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर। क्षेत्र के गांव सिमरिया ता.अजीतपुर बिल्हा में चल रहे श्री बिष्णु महायज्ञ का बिशाल भंडारे व पूर्ण आहुति के साथ समापन हो गया। अंतिम दिन भक्तों की भारी भीड़ यज्ञ में उमड़ी। अंतिम दिन गांव के अलावा आस पडोस के गांवों से भक्तों ने यज्ञ में पहुंच कर परिक्रमा कर पूजा अर्चना कर मन्नते मांगी। यज्ञाचार्य आचार्य राज कुमार शुक्ला ने वैदिक विधि विधान से मंत्र उच्चारण के साथ पूर्ण आहुतियां डलवाई। उसके बाद यज्ञ वेदी का पूजन करवाया। उन्होंने कहा कि यज्ञ कराने से गांव का वातावरण शुद्ध रहता है। साथ ही आने वाली बीमारियों को भी यह महायज्ञ रोकता है। अंतिम दिन गांव के अलावा चंदोखा, जितौरिया, दिलावरपुर, जनकापुर,गोपालपुर,अजीतपुर बिल्हा, गरीवपुर सहित कई गांव के लोग व महिलाएं पहुंची। इस दौरान देवी देवताओं के जयकारे से यज्ञ स्थल गूंज उठा। ग्रामीणों के सहयोग से चल रहे कार्यक्रम के समापन के बाद विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया।जिसमें भक्तों ने पहुंच कर भंडारा ग्रहण किया।विशाल भंडारा देर शाम तक चलता रहा। इस दौरान बडी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

धूमधाम के साथ मनाई गई संत रविदास जी की जंयती

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर। क्षेत्र के मटेहना कालोनी व दंदौल कालौनी में संत रविदास की जयंती समारोह मनाया गया। इस दौरान शोभा यात्रा भी निकल गई। रविवार को घुंघचाई थाना क्षेत्र के गांव मटेहना कालौनी व दंदौल कालौनी में संत शिरोमणि गुरु रविदास जंयती समारोह धूमधाम के साथ मनाया गया। संत रविदास जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनको नमन किया। इस अवसर पर शोभायात्राएं निकाली गई। गाजे बाजे के साथ शोभायात्रा मटैहना कालौनी से शुरू हुई जो जंगल कोठी पर पहुंची। शोभायात्रा में भक्त थिरकते नजर आए। इस दौरान शोभायात्रा का जगह जगह स्वागत किया गया। इस दौरान भजन-कीर्तन हुए, और भव्य भंडारों का आयोजन किया गया। इस दौरान गुरु जी के प्रेम,समानता और भाईचारे के संदेश को याद किया। कवि और समाज सुधारक रविदास के बताए गए समानता और ऊंच-नीच को मिटाने के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। उनके द्वारा वताए गए रास्ते पर चलने की अपील की। उनके द्वारा किए गए कार्यों की विस्तार से जानकारी दी गई। देर शाम तक कार्यक्रम व भंडारे आयोजित होते रहे। इस दौरान इस दौरान श्री श्याम, अमर जीत,राजेंद्र प्रसाद पाल,रामेश्वर,धर्मेंद्र कुमार, ओमकार,राजेश कुमार,सिमरन भक्त, राजाराम, वीरेंद्र सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

तेंदुआ पशुशाला से उठा ले गया पालतू कुत्ता, दहशत

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर। क्षेत्र के चिरागा गांव में आए दिन वन्यजीव जंगल से निकलकर आवादी की ओर पहुंच रहे है। गांव निवासी हरजीत सिंह की पशुशाला के पास शुक्रवार की बीतीरात उनका पालतू बैठा था। इसी दौरान जंगल से निकला तेंदुआ पहुंच गया। रात में पालूत कुत्ते को उठा ले गया और खेतो की ओर ले जाकर उसको अपना निवाला वना लिया। कुत्ते के चीखने चिल्लाने पर आस पड़ोस के कई लोग आ गए। और शोर शराबा करते हुए सभी लोग जहां पर कुत्ते को निवाला बनाया वहां पर पहुंचे। इस दौरान रात्रि में सड़क पर टहलते हुए दिखाई दिया। जिससे लोगों में दहशत फैल गई। तेंदुए की चहलकदमी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें सड़क को पार करते हुए खेतों की ओर जाता साफ दिखाई रहा है। शनिवार को भी कुछ लोग खेतों की तरफ गए तो चहलकदमी देखी। जिससे खलबली मच गई। लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। जिस पर तेंदुआ जंगल की ओर चला गया। ग्रामीणों ने बताया आए दिन जंगल से निकलकर आबादी की ओर पहुंच रहा है। इससे पहले भी कई बार बाघ खेतों में व सड़क पर चहलकदमी करते देखा जा चुका है,लगातार चहलकदमी से ग्रामीणों में दहशत फैली हुई है। डर के चलते खेतों की ओर जाने से लोग कतरा रहे हैं। जिससे उनका कृषि कार्य भी बाधित हो रहा है। ग्रामीणों ने शीघ्र ही उसको पकडवाए जाने की मांग की है।

ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर से वाइक सवार घायल

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर। कोतवाली क्षेत्र के गांव खमरिया पट्टी निवासी विकास अपने साथी के साथ घुंघचाई थाना क्षेत्र के गांव दिलाबरपुर गए थे। शनिवार की देर शाम वह वाइक से वापस अपने घर को लौट रहे थे। इसी दौरान घुंघचाई के उदरहा चौराहे पर ट्रैक्टर ट्राली ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे में विकास गंभीर रूप से घायल हो गया। मामले की सूचना पर पुलिस पहुंच गई। लेकिन उससे पहले ही ट्रैक्टर चालक अपना वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए सीएचसी भिजवाया। सूचना पाकर घायल के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए।

कजरी निरंजनपुर गौशाला में मृत पडी मिली गायों के शव

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर। कोतवाली क्षेत्र के गांव कजरी निरंजनपुर गौशाला में लावारिस हालत में गायों की लाशे मृत मिली।जिससे खलवली मच गई। आरोप है कि अवशेष कुत्ते और कौआ खा रहे है। सूचना पर ठाकुर शिवम सिंह भदोरिया गौ सेवा टीम पूरनपुर राष्ट्रीय बजरंग दल के पिपरिया मझरा ग्राम अध्यक्ष गगन मिश्र अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचे और गौशाला के आस पास देखा तो पाया कि खेतों में लगभग 20 गौवंश मृत पड़े पड़े सड़ रहे है और उन्हें कुत्ते और कौआ खा रहे है।अवशेष छुपाने के लिए थोड़ी थोड़ी मिट्टी ऊपर से डाली गई है। गौशाला के बाहर 3 एकड़ में अवशेष मांस के टुकड़े और हड्डियां फैली हुई है। जब गगन मिश्र ने अंदर गौशाला में जाने की कोशिश की तब वहां के कर्मचारियों ने उनके साथ बदतमीजी और धक्का मुक्की की और उन्हें गौशाला से बाहर निकाल दिया। बाद में गौशाला संचालक सोढ़ी जब गौशाला पहुंचे तो गगन मिश्र से बोले तेरी हिम्मत कैसे हुई गौशाला में घुसने की और उसे नशेड़ी बताया। कहना है कि हर प्रधान अपने गांव में अपनी प्रधानी पक्की करने के लिए पैसे देकर अपने गांव के पशु गौशाला में भरवा रहा है। पशु गौशाला में बीमारी और भूख प्यास से मर रहे है और मरने के बाद भी उन्हें अंतिम संस्कार तक नसीब नहीं हो रहा। उनका शरीर कुत्ते खा रहे है। पैसा बहुत आता है और सब दलालों द्वारा अधिकारियों द्वारा खा लिया जाता है।गौ के नाम के 1-1 रुपए का हिसाब जब देना होगा तब इनका हश्र देखने वाला होगा। राष्ट्रीय बजरंग दल पूछता है अधिकारियों से और गौशाला चलाने वाले लोगों से वीडियो में साफ साफ देख रहे है आप सब क्या हाल है योगी सरकार मै गौ माता का हाल बुरा है। राष्ट्रीय बजरंग दल पूरनपुर एक एक गौशाला का निरीक्षण कर रहा है और दलालों को और अधिकारियों को उस दिन अकल आएगी जिस दिन पूरा संगठन एक साथ रोड पर बैठकर जवाब मांगेगा।

सरकार के आदेश को ठेंगा, तरीबुल्दा घाट से चालू है बालू का अवैध खनन

जन एक्सप्रेस। शत्रुघ्न सिंह

उरई। राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन द्वारा बालू खनन के नियमों और प्रतिबंधों को सख्ती से लागू करने के बावजूद तरीबुल्दा घाट पर अवैध बालू खनन का मामला लगातार बढ़ता जा रहा है। तरीबुल्दा घाट में बालू खनन के लिए निर्धारित क्षेत्रों में शासन द्वारा ठोस कदम उठाने के बावजूद, कुछ खनन संचालक सरकारी आदेशों की अनदेखी करते हुए नियमों की अवहेलना कर रहे हैं। खासतौर पर गाटा संख्या 36/1 खंड संख्या 01 का क्षेत्रफल 20.20 का संचालक, ए एण्ड आर इंफा फर्म प्रो. आतिफ इकबाल पुत्र कमालुद्दीन निवासी 656/24 सुभाष नगर यूनिटी सिटी कुर्मी रोड़ गुडंबा लखनऊ के नाम से फर्म चला रहे हैं, यह स्पष्ट रूप से दिखा रहे हैं कि वे कानून और नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। इन संचालकों के नाम जिले के नामचीन लोग बताए जा रहे हैं, जो अपने फायदे के लिए वन विभाग की जमीन से अवैध रूप से बालू निकालने का काम कर रहे हैं। तरीबुल्दा घाट से अवैध खनन की यह गतिविधि प्रशासन की गहरी निंद्रा और कार्यवाही में कमी का परिणाम है। यह खनन क्षेत्र वन विभाग की जमीन के अंतर्गत आता है, और सरकार ने इस पर स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए हैं कि इस क्षेत्र से कोई भी खनन कार्य नहीं किया जाएगा, ताकि पर्यावरणीय असंतुलन और वन्यजीवों के लिए खतरा न पैदा हो। बावजूद इसके, स्थानीय प्रशासन और वन विभाग के अधिकारियों की अनदेखी के कारण, इस क्षेत्र से बालू का खनन बुरी तरह से चल रहा है। इन अवैध खनन गतिविधियों से न केवल पर्यावरणीय संकट उत्पन्न हो रहा है, बल्कि यह क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था, खासकर ग्रामीणों के लिए भी खतरा बन चुका है। अवैध खनन के कारण बालू की जमाखोरी और कालाबाजारी भी तेज हो गई है, जिससे निर्माण कार्यों की लागत बढ़ी है और गुणवत्ताहीन निर्माण सामग्री उपलब्ध हो रही है। साथ ही, स्थानीय जल स्रोतों का स्तर घट रहा है, जिससे पीने के पानी की आपूर्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। प्रशासन की इस निष्क्रियता से यह संदेश जा रहा है कि कानून का पालन करने वाले नागरिकों के मुकाबले अवैध गतिविधियों में शामिल लोग अधिक सुरक्षित और प्रभावी हो सकते हैं। यह स्थिति राज्य के विकास कार्यों और सार्वजनिक विश्वास दोनों के लिए हानिकारक साबित हो रही है। प्रशासन को इस अवैध खनन को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे और यह सुनिश्चित करना होगा कि खनन के नियमों का पालन किया जाए। अगर सरकार और प्रशासन की तरफ से शीघ्र और सख्त कार्रवाई नहीं की जाती है, तो इस अवैध खनन से न केवल पर्यावरणीय विनाश होगा, बल्कि समाज में असमानता और भ्रष्टाचार भी बढ़ेगा। वही जब इस मामले को लेकर खनिज अधिकारी सनी कौशल से बात करनी चाहिए तो उन्होंने फोन नहीं उठाया इसलिए उनसे बात नहीं हो पाई। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों को जिले के अधिकारी दरकिनार कर सरकारी फोन नहीं उठाते हैं।

हार्ट अटैक होने पर इलाज के दौरान ट्रक मालिक की मौत

जन एक्सप्रेस। कालपी

जिला विदिशा ग्राम बिल्हौर निवासी ट्रक मालिक प्रेम सिंह पुत्र गज्जू शनिवार को चालक अनिल पुत्र गंगाराम निवासी जिला गुना ग्राम मदौरा व परिचालक राखी पुत्र रामू के साथ ट्रक पर बैठकर कानपुर से जालौन के कोंच माल भरने जा रहे थे। तभी भोगनीपुर के समीप चल रहे ट्रक पर अचानक ट्रक मालिक प्रेम सिंह की हालत बिगड़ गई, जिसे तत्काल चालक ने कालपी सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र में भर्ती कराया। जहां पर मौजूद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर शेख ने जांच कर इलाज शुरू कर दिया। कुछ घंटे चले उपचार के बाद उनकी मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लिया और मामले की सूचना उसके परिजनों को दी। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और वह रोते बिलखते मौके पर पहुंच गए। फिलहाल पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी।

ऑटो की टक्कर से पिता-पुत्र घायल,चालक ऑटो सहित फरार

जन एक्सप्रेस। सांडी

थाना व कस्बा सांडी में कान्हा गौशाला के पास रविवार को एक तेज रफ्तार ऑटो ने बाइक सवार पिता पुत्र को टक्कर मार दी जिससे पिता पुत्र दोनों घायल हो गए।घटना के बाद चालक ऑटो सहित मौके से फरार हो गया।आस पास मौजूद राहगीरों ने घायल पिता पुत्र को इलाज के लिए सीएचसी भेजा जहां से गम्भीर हालत में दोनों को मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार सांडी थाना क्षेत्र के बघराई गांव निवासी जगदीश पुत्र श्रीपाल अपने 6 वर्षीय बेटे ऋतिक के साथ रविवार को बाइक पर सांडी से वापस अपने घर लौट रहे थे।जैसे ही बाइक सवार पिता पुत्र कान्हा गौशाला के पास पहुंचे इसी दौरान सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार सीएनजी ऑटो ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।इस हादसे में पिता-पुत्र दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर के बाद आरोपी चालक ऑटो सहित मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल उपचार के लिए सीएचसी भिजवाया।जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया।

संत रविदास जयंती पर डीएम व एसपी ने किया श्रद्धासुमन अर्पण

जन एक्सप्रेस। उरई

संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती के अवसर पर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने बबीना स्थित संत रविदास मंदिर पहुंचकर संत रविदास जी की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित की। इस अवसर पर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने संत रविदास जी के सामाजिक समरसता, समानता और मानवता के संदेशों को स्मरण करते हुए उनके विचारों को आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी का जीवन समाज में भेदभाव रहित वातावरण एवं आपसी सौहार्द स्थापित करने की प्रेरणा देता है।कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

डीएम-एसपी ने बबीना व कदौरा गौशालाओं का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं में लापरवाही पर दिए निर्देश

जन एक्सप्रेस। उरई

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने बबीना एवं कदौरा स्थित कान्हा गौशालाओं का निरीक्षण कर गोवंश संरक्षण एवं व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने गोवंशों को गुड़ खिलाया। विशेष दृश्य तब देखने को मिला जब जिलाधिकारी ने गोवंशों को पुकारा, तो वे दौड़ते हुए उनके पास आ गए। जिलाधिकारी ने गोवंशों को दुलारते हुए उनके संरक्षण एवं समुचित देखभाल के महत्व पर बल दिया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गोवंशों के लिए हरा चारा, स्वच्छ पेयजल एवं चिकित्सीय देखभाल की व्यवस्था निरंतर सुनिश्चित की जाए। साफ-सफाई की स्थिति पर असंतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि गौशाला परिसर में सुबह-शाम प्रतिदिन अनिवार्य रूप से सफाई कराई जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही कड़ी कार्यवाही की जाएगी। गौशाला प्रबंधन को व्यवस्थाओं में सुधार लाने तथा सुरक्षा एवं अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए।

कैलिया पुलिस ने वारंटी को दबोचा, न्यायालय भेजा

उरई। कोंच थाना कैलिया पुलिस ने लंबित वारंट के तहत एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। थानाध्यक्ष अवनीश पटेल ने पुलिस बल के साथ रविवार को सूचना पर ग्राम कूड़ा में दबिश देकर वारंटी कुलदीप जाटव निवासी ग्राम कूड़ा को गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि कुलदीप पर वर्ष 2023 में दफा 354(डी) सहित अन्य धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज था। आरोपी न्यायालय की सुनवाई में लगातार गैरहाजिर चल रहा था जिसके कारण न्यायालय ने उसके खिलाफ एन.बी.डब्ल्यू. वारंट जारी किया था। गिरफ्तार कुलदीप को थाना लाकर आवश्यक पूछताछ के बाद न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

संस्कार केंद्र में सम्पन्न हुआ सप्तशक्ति कार्यक्रम

जन एक्सप्रेस। उरई

कोंच कस्बे के सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मंडी द्वारा संचालित जीजाबाई संस्कार केंद्र (पटेल नगर ब्लॉक) पर रविवार को विद्या भारती कानपुर प्रान्त के निर्देश पर सप्तशक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाज सेविका गीता जादौन और मुख्य वक्ता राजकुमारी कपूर रही। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती पूजन के साथ हुई, जबकि विद्यालय की प्रवक्ता रंजना तिवारी ने श्रद्धापूर्वक गीत प्रस्तुत किया। गीता जादौन ने कहा कि समाज के सकारात्मक बदलाव में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है और उनका सक्रिय योगदान समाज को सशक्त बनाता है। वहीं, राजकुमारी कपूर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में नई दिशा और जागरूकता पैदा करने में सहायक होते हैं। विद्या भारती के निर्देशानुसार विद्यालय द्वारा आयोजित यह पहल महिलाओं को सजग और जागरूक करने के उद्देश्य से की गई है, जिससे समाज में सक्रिय भागीदारी बढ़े।कार्यक्रम में प्रधानाचार्या आभा तिवारी, संस्कार केंद्र प्रमुख हरिकिशोर निरंजन, नरेंद्र सिंह, अरविन्द पटेरिया, विवेक तिवारी सहित छात्राएं अभिलाषा, सुदीप्ता, वंदना, आकांक्षा, सोनम, सुरक्षा आदि उपस्थित रहीं। अंत में प्रवक्ता वंदना अवस्थी ने सभी उपस्थित महिलाओं और अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

शारदा नहर में युवक का शव मिलने से सनसनी,जांच में जुटी पुलिस

जन एक्सप्रेस। हरदोई

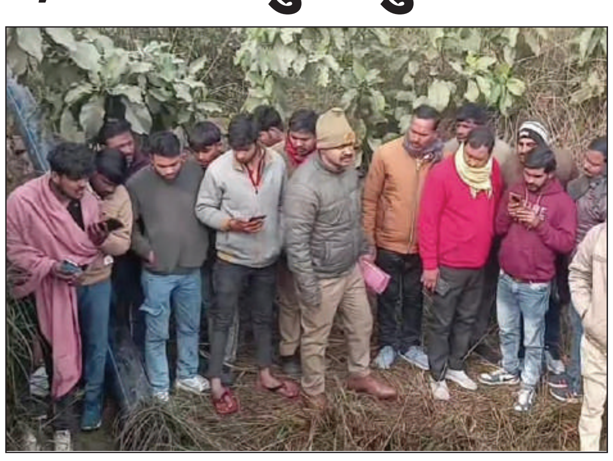

जनपद के लोनार थाना क्षेत्र में बावन शारदा नहर पुल के पास एक युवक का शव नहर मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव दिखाई देने के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ एकत्र हो गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान 20 वर्षीय मनमोहन सिंह पुत्र नन्हे सिंह, निवासी कमालपुर अरुआ थाना हरियावां जनपद हरदोई के रूप में हुई है। बताया गया कि मृतक सांडी थाना क्षेत्र के छितरामऊ स्थित अपनी ससुराल गया था। वहां से वापस लौटते समय यह घटना हुई। हालांकि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई इसका स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आ सका है।पुलिस ने बताया कि शनिवार की रात करीब 11 बजे बावन नहर पुल के पास एक बाइक खड़ी मिली थी। कोहरे के कारण आसपास कोई व्यक्ति दिखाई नहीं दिया, जिस पर पुलिसकर्मियों ने बाइक को सुरक्षित चौकी पर लाकर खड़ा कर दिया। जांच के दौरान बाइक के रजिस्ट्रेशन के आधार पर पता चला कि वह हरदयाल पुत्र तेजा, निवासी कुरसेली थाना हरियावां के नाम दर्ज है। इसी जानकारी के आधार पर मृतक की पहचान संभव हो सकी।घटना की सूचना मिलते ही बावन चौकी प्रभारी वरुण शुक्ला मौके पर पहुंचे। इसके बाद लोनार कोतवाली प्रभारी राकेश यादव समेत भारी पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचा। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है, जो सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

पुलिस द्वारा मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। उनके आने के बाद शव को नहर से निकलवाकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच में जुटी हुई है।

मिशन शक्ति के तहत बहू बेटी सम्मेलन आयोजित

जन एक्सप्रेस/हरपालपुर। शासन की मंशा के अनुरूप महिलाओं और बेटियों को सुरक्षित व स्वावलंबी बनाने के लिए चलाए जा रहे %मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0% के क्रम में रविवार को ग्राम चाऊपुर में %बहू-बेटी सम्मेलन% का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मिशन शक्ति टीम ने ग्रामीण परिवेश की महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग किया।

जानकारी के अनुसार उपनिरीक्षक अंजना सचान ने महिलाओं को निडर होकर अपनी बात रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में महिला पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 का उपयोग कैसे करें। साथ ही महिला आरक्षी संध्या व आशा ने साइबर फ्रॉड (1930) के प्रति सचेत करते हुए बताया कि किसी को भी अपना ओटीपी साझा न करें। इस दौरान सरकार द्वारा संचालित कन्या सुमंगला योजना व अन्य महिला हितैषी योजनाओं के पंपलेट भी बांटे गए।

विधायक के प्रयासों से पैंटून पुल का हुआ निर्माण, दर्जनों गांवों के लोगो के चेहरों पर मुस्कान

जन एक्सप्रेस। प्रतुल कुमार

हरपालपुर। क्षेत्रीय जनभावनाओं और विकास के संकल्पों को अब एक नया धरातल मिला है। क्षेत्रीय विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू के भगीरथ प्रयासों से अरवल क्षेत्र में नंदना गांव के पास रामगंगा नदी पर बहुप्रतीक्षित पैंटून पुल का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। पुल पर आवागमन प्रारंभ होते ही नदी के दोनों तटों पर बसे हजारों ग्रामीणों के चेहरों पर वर्षों बाद सुकून की मुस्कान तैर उठी है।पुल के अभाव में रामगंगा नदी पार करने के लिए क्षेत्रीय निवासियों को नियति के भरोसे रहना पड़ता था। ग्रामीणों को पलिया एवं दहेलिया होकर लगभग 20 किलोमीटर का लंबा फेरा लगाना पड़ता था। यह पुल मात्र पीपों का नहीं, बल्कि उन हजारों किसानों की उम्मीदों का सेतु है, जिन्हें प्रतिदिन अपनी खेती-किसानी के लिए नाव के असुरक्षित सफर का जोखिम उठाना पड़ता था। अब तक रामगंगा की लहरें विकास की राह में बाधा बनी हुई थीं। नाव के जरिए केवल मोटरसाइकिल ले जाना ही संभव था, जिससे ट्रैक्टर और अन्य भारी वाहनों का आवागमन पूरी तरह ठप रहता था। किसानों के लिए अपने कृषि उत्पादों को मंडी तक पहुँचाना एक दुरूह स्वप्न बन गया था। पुल निर्माण के पश्चात अब भारी वाहनों का मार्ग प्रशस्त हो गया है, जिससे क्षेत्र में आर्थिक समृद्धि के नए द्वार खुलेंगे। पुल की सौगात मिलने पर दोनों ओर के निवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के लिए जीवनरेखा करार दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि विधायक रानू के प्रयासों ने न केवल दूरियां घटाई हैं, बल्कि परस्पर रिश्तों और व्यापार के नए सेतु भी स्थापित किए हैं।

शराब के नशे में बाइक सवार अनियंत्रित होकर खाई में गिरकर घायल

जन एक्सप्रेस/शाहाबाद। मंझिला थाना क्षेत्र के बरेला गांव के पास शराब के नशे में एक बाइक सवार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया जिससे गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में सीएचसी लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज हरदोई रेफर किया गया। जगत चंद पुत्र उसलेस निवासी सरायं रौनक रविवार को शाम 4ः00 बजे शराब के नशे में बाइक से अपने घर जा रहा था। वह जैसे ही बरेला गांव के पास पहुंचा उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई और खाई में गिर गया। जिससे गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज हरदोई रेफर किया गया है।

पैदल जा रहे युवक के ऊपर ई रिक्शा पलटा, घायल

जन एक्सप्रेस/शाहाबाद। तेज रफ्तार ई रिक्शा पैदल जा रहे एक युवक पर अनियंत्रित होकर पलट गया जिससे पैदल जा रहा युवक घायल हो गया। घायल को सीएचसी में भर्ती कराया गया। शाहाबाद कोतवाली के मोहल्ला खेड़ा बीबी जयी निवासी सोनू पुत्र रामाधार रविवार को शाम 4ः30 बजे अपने घर से तिराहे के लिए जा रहा था। वह जैसे ही सड़क पर पहुंचा वैसे ही एक तेज रफ्तार ई रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया जिसमें दबकर सोनू घायल हो गया। घायल अवस्था में सोनू को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है।

यूजीसी कानून को लेकर युवाओ ने सड़को पर उतरकर किया विरोध प्रदर्शन, बाजार बंद कर व्यापारियों ने की कानून वापस लेने की मांग

जन एक्सप्रेस। हरदोई

केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए यूजीसी 2026 को काला कानून बताते हुए इसके विरोध में रविवार को हरपालपुर कस्बे में युवाओं का जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला।क्षेत्र के हजारों युवाओ ने कस्बे के तिवारी गेस्ट हाउस में एकत्रित होकर यूजीसी कानून को केंद्र सरकार से वापस लेने की मांग करते हुए कस्बे में प्रदर्शन किया।युवाओ ने कस्बे की बाजार में यूजीसी का विरोध प्रदर्शन करते हुए एक रैली निकालते हुए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी युवाओं ने यूजीसी 2026 को शिक्षा विरोधी बताते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। बताते चलें कि रविवार को यूजीसी कानून 2026 के बिरोध में पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार हरपालपुर कस्बे की बाजार को बंद कर क्षेत्र के हजारो युवाओ ने प्रदर्शन किया।प्रदर्शन के दौरान युवाओ ने यूजीसी कानून हटाओ,यूजीसी रोल बैक, काला कानून वापस लो लिखी हुई तख्तियां हांथो में पकड़ रखी थी।युवाओ ने तिवारी गेस्ट हाउस में एकत्रित होकर यूजीसी कानून के बारे में सरकार की जमकर अलोचना की।इसके उपरांत सड़क पर आकर प्रदर्शन किया।यूजीसी कानून के बिरोध में प्रदर्शन कारियों ने कस्बे की बाजार बंद करते हुए ककरा तिराहे तक प्रदर्शन किया। हाथों में नारे लिखी तख्तियां लिए छात्र ÷यूजीसी 2026 वापस लो÷, ÷सवर्ण विरोधी कानून नहीं चलेगा÷, ÷शिक्षा का बाजारीकरण बंद करो÷ जैसे नारे लगाते हुए आगे बढ़े।प्रदर्शन के दौरान पूरा क्षेत्र नारेबाजी से गूंज उठा और माहौल पूरी तरह आक्रोशपूर्ण नजर आया।प्रदर्शन कर रहे युवाओं ने आरोप लगाया कि यूजीसी 2026 के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था को पूंजीपतियों के हाथों में सौंपने की साजिश की जा रही है।युवाओ का कहना था कि नए प्रावधानों से गरीब, मध्यम वर्ग और ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों की उच्च शिक्षा तक पहुंच और भी कठिन हो जाएगी। उन्होंने इसे युवाओं के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ बताया।इस दौरान यूजीसी कानून व केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षा को रोजगार से जोड़ने के बजाय उसे व्यवसाय बना रही है, जिससे देश का भविष्य अंधकार की ओर जा रहा है।प्रदर्शन कारी युवाओं ने चेतावनी दी कि यदि यूजीसी 2026 को शीघ्र वापस नहीं लिया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।यूजीसी कानून का विरोध प्रदर्शन करने बालो में विधायक प्रतिनिधि डॉक्टर रजनीश त्रिपाठी,गजेंद्र सिंह चौहान,जगरूप तिवारी,कृष्ण कुमार त्रिवेदी,अवनीश द्विवेदी,शोभित त्रिवेदी,रामू सिंह,प्रधान संघ अध्यक्ष सांडी आलोक सिंह,शुभम शुक्ला,आर्यन शुक्ला,अजय शुक्ला ,हर्षित त्रिवेदी, उज्ज्वल पांडेय,राहुल त्रिपाठी,युवा नेता गौरव द्विवेदी,शिवकांत त्रिपाठी,अजय पाठक ,श्यामा कुमार त्रिवेदी,सूरज शर्मा, सहित बजरंगदल व विश्व हिंदू परिषद के तमाम कार्यकर्ता व पदाधिकारी भी शामिल रहे।

यूजीसी का विरोध: प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

जन एक्सप्रेस। हरपालपुर

हरपालपुर कस्बे में रविवार को यूजीसी के नए नियमों को लेकर युवाओं का जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला। युवाओं ने गेस्ट हाउस में बैठक करने के बाद पलिया तिराहे से लेकर ककरा तिराहे तक पैदल मार्च निकाला। इस दौरान युवाओं ने केंद्र सरकार और यूजीसी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पैदल मार्च करते हुए युवाओं का हुजूम ककरा तिराहे पर पहुंचा, जहां वे धरने पर बैठ गए। युवाओं का कहना है कि यूजीसी द्वारा साल 2026 में लागू किए गए %प्रमोशन ऑफ इक्विटी% नियम भेदभावपूर्ण हैं। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि इन नियमों में सामान्य वर्ग के छात्रों की सुरक्षा को लेकर कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है और इनकी परिभाषाएं इतनी उलझी हुई हैं कि भविष्य में इनका दुरुपयोग हो सकता है। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे नायब तहसीलदार देशराज गौड़ को युवाओं ने डॉक्टर रजनीश कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई है कि एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाकर इन नियमों की दोबारा समीक्षा की जाए और जब तक जांच पूरी न हो, तब तक इन्हें लागू न किया जाए। युवाओं ने दो टूक कहा कि उनका उद्देश्य किसी वर्ग का विरोध करना नही,बल्कि सभी के लिए समान न्याय सुनिश्चित कराना है।

आरोग्य मेले का डीएम ने किया औचक निरीक्षण

पीएचसी खुशहालनगर में 42 मरीजों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, चार आयुष्मान कार्ड बने

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

जिलाधिकारी सन्तोष कुमार शर्मा ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खुशहालनगर में आयोजित आरोग्य मेले का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आरोग्य मेले में कुल 42 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें आवश्यक दवाओं का वितरण किया गया। इस अवसर पर मेदिनीपुर निवासी नंदू, संतोष, शुभम एवं पूजा सहित चार लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए। जिलाधिकारी ने पीएचसी में दवा स्टॉक की जांच की, जिसमें अधिकांश दवाएं उपलब्ध पाई गईं। हालांकि एआरवी वैक्सीन उपलब्ध नहीं थी। इस पर फार्मासिस्ट ने बताया कि वैक्सीन की मांग जिला मुख्यालय को भेज दी गई है। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को तत्काल वैक्सीन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।
निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने आशा कार्यकर्ताओं से आयुष्मान लाभार्थियों की सूची देखी और निर्देशित किया कि 70 वर्ष से अधिक आयु का कोई भी पात्र व्यक्ति आयुष्मान योजना से वंचित न रहे। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश देते हुए कहा कि मरीजों को सभी आवश्यक जांच एवं दवाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही स्वास्थ्य कर्मी मरीजों के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करें।
जिलाधिकारी ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं शासन की शीर्ष प्राथमिकता हैं और इसे धरातल पर उतारना सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी है। निरीक्षण के समय मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन.एन. प्रसाद, एमओआईसी घुघली डॉ. अमित विक्रम सिंह, डॉ. राकेश मोहन शर्मा सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

सामाजिक समरसता और स्वावलंबन सिखाता है रासेयो शिविर

जन एक्सप्रेस । देवरिया

स्थानीय कस्बा के शिवधरिया वार्ड स्थित अभयानंद बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का आयोजन किया गया था। जिसका विविध कार्यक्रमों के बीच शनिवार को समापन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. तेज प्रताप सिंह और रमेश चंद्र सिंह ने शिविर का समापन किया। वक्ताओं का कहना था कि शिविर से शिविरार्थी कुंदन की तरह तप कर बाहर निकलते हैं। जिसके जरिये सामाजिक समरसता और स्वावलंबन की सीख मिलती है। कुमार दिव्या यादव, श्रेया बरनवाल ने सरस्वती वंदना ओर स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को डॉ.एसके शर्मा, सतीश कुमार सिंह, हरिकेश सिंह आदि ने संबोधित किया। मौके पर अशोक कुमार सिंह, शशिभूषण पांडेय, नवनीत कुमार पाठक, राघवेंद्र प्रताप सिंह, सतीश कुमार रावत, राजेश, ऋषिकेश यादव मौजूद रहे।

अवैध क्लीनिक पर स्वास्थ्य विभाग व पुलिस की संयुक्त टीम ने मारा छापा

क्लिनिक में सरकारी दवाइयां बरामद, झोलाछाप डॉक्टर गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले के महेशगंज थाना इलाके के हीरागंज बाजार में मन्नत क्लिनिक के नाम से संचालित क्लिनिक पर स्वास्थ्य विभाग व पुलिस टीम ने छापेमारी के दौरान एक झोलाछाप डॉक्टर को गिरफ्तार किया है जहां पर सरकारी दवाइयां भी बरामद की गई हैं। अवैध रूप से संचालित क्लीनिक पर मरीजों को देखा जा रहा था जिसकी सूचना मिलने के बाद सीएमओ के निर्देश पर उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आजाद अहमद के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम व महेशगंज थाने के एसआई प्रभाशंकर सचान के साथ संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान क्लीनिक कार्यालय में पंजीकृत नहीं पाया गया एवं सरकारी दवाइयों का बंडल भी बरामद हुआ। जिसके बाद कुण्डा थाना इलाके के रहने वाले तथाकथित डॉक्टर अरशद अहमद को हीरागंज बाजार स्थित मन्नत क्लीनिक से गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपमुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आजाद अहमद मय हमराह स्वास्थ्य विभाग की टीम, जिसमें डॉ. आर. पी. सिंह (स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी) एवं डॉ. राजेश कुमार एवं थाना महेशगंज पर तैनात एसआई प्रभाशंकर सचान मौजूद रहे। एसओ महेशगंज राधेश्याम ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग व पुलिस टीम की कार्यवाही में क्लिनिक अवैध पाया गया। मुकदमा दर्ज करने के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

विद्यालय परिसर में नेत्र शिविर का आयोजन

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले के नगर पंचायत कोहड़ौर स्थित सूर्य नारायण आदर्श विद्यालय में रविवार को लगाए गए नेत्र परीक्षण शिविर में मोतियाबिंद के 108 मरीज चिन्हित किए गए। 203 महिलाओं और पुरुषों ने शिविर में नेत्र परीक्षण के लिए पंजीकरण कराया था। 16 महिलाओं और पुरुषों का चश्मा जांचा गया। जिसे चश्मा नंबर दिया गया। अन्य नेत्र रोगों के लिए नेत्र चिकित्सक ने परीक्षण कर उपचार के लिए उचित सलाह दिया। इंदिरा गांधी नेत्र चिकित्सालय मुंशीगंज अमेठी के डाक्टर अंकित सिंह ने नेत्र परीक्षण किया। चिकित्सालय की अशोक कुमारी, सोनी, अशी, किरण और मंजू मौर्या ने मरीजों का विजन, बीपी और शुगर की जांच किया। शिविर संयोजक कल्पनाथ यादव, पवन सिंह तथा अमर सिंह ने मरीजों की काउंसलिंग किया। विद्यालय के शिक्षक राम कुमार वर्मा, डाक्टर हरिकेश भोजवाल, जगदीश गुप्ता ने मरीजों का पंजीकरण किया। डा. दिनेश प्रताप सिंह, अमित जायसवाल, डा. कमलेश कुमार पाण्डेय, सुरेश कुमार पटवा, बृजेश कुमार उमरवैश्य, ओम प्रकाश यादव, अनुभव जायसवाल, रवि कुमार उमरवैश्य, सत्यदेव जायसवाल, मदन लाल उमरवैश्य, गंगा प्रसाद, सुनील कुमार, कृष्ण कुमार, त्रिवेणी लाल उमरवैश्य, पूर्व प्रधान पवन कुमार ने शिविर में सहयोग किया।

एनएफडीपी पोर्टल पर 128 मत्स्य कृषकों का हुआ पंजीकरण

जन एक्सप्रेस । देवरिया

स्थानीय ब्लॉक परिसर में शनिवार को मत्स्य विभाग की ओर से एनएफडीपी पोर्टल पर पंजीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें करीब 128 मत्स्य कृषकों ने पंजीकरण कराते हुए योजना के बारे में जानकारी ली।
मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय कुमार मिश्र ने पोर्टल के उद्धेश्य और उससे जुड़े आधुनिक तकनीकी योजनाओं के जरिये लोगों को सशक्त बनाने के बारे में जानकारी दी। जबकि मत्स्य निरीक्षक कुलदीप सक्सेना, जितेंद्र भारत आदि ने सब्सिडी, वित्तीय सहायता आदि के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर अनिल निषाद, लव सोनकर, नवाब हुसैन, रामधनी निषाद, सुभाष चंद्र शाह, नंदलाल, सुरेश चंद्र, कीर्ति, दिव्या, सलोनी आदि मौजूद रहे।

अंतर्राज्यीय साइबर ठगी गिरोह का सदस्य चढ़ा पुलिस के हत्थे, भेजा जेल

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले में रविवार को साइबर थाने के प्रभारी दिवाकर सिंह व उनकी पुलिस टीम ने ऑनलाइन गेमिंग, ट्रेडिंग एवं लोन एप के माध्यम से की जा रही अंतरराज्यीय साइबर ठगी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बता दें कि बीते वर्ष जुलाई माह में आरोपी के साथियों ने जेठवारा थाना इलाके के एक दुकानदार को लोन दिलाने के नाम पर उसका एटीएम व पासबुक लेकर ठगी की थी। जिस मामले में साइबर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। एसपी दीपक भूकर के कुशल निर्देशन में जांच के क्रम में प्रभारी निरीक्षक साइबर थाना दिवाकर सिंह व उनकी पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए अभियुक्त सूरज यादव को शहर के काशीराम कालोनी के समीप गिरफ्तार किया गया। आरोपी बस्ती जिले का रहने वाला है। आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल फोन, पांच सिम, दस डेबिट कार्ड व एक पासबुक बरामद किया है। गिरफ्तार अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि मोबाइल फोन व उसमें लगी दोनो सिम व आठ डेबिट कार्ड मेरे हैं तथा दो डेबिट कार्ड व पर्स में रखे तीनो सिम व पासबुक पंकज अग्रहरि नें मेरे पास भिजवाया था। पंकज अग्रहरि पहले परीक्षाओं में परीक्षार्थियों के प्रवेश के समय बायोमैट्रिक वैरिफिकेशन का कार्य करता था। मैं भी उसी के साथ कुछ दिन काम किया, जिसके कारण उससे हमारी मित्रता हो गयी थी। पंकज अग्रहरि साइबर फ्राड सम्बन्धित संगठित गिरोह का सदस्य भी है। वह पहले से ही साइबर फ्राड करता था। उसके बहकावे में आकर मै उसके साथ मिलकर साइबर फ्राड का काम करने लगा। लोगों को लोन दिलवाने के बहाने खाता खुलवाते समय सिम को बैंक अकाउन्ट में लिंक करवा देते थे तथा उनसे एटीएम, सिम व बैंक पासबुक ले लेते थे, जिसमें फ्राड करके पैसा मंगाते थे। पंकज अग्रहरि मुझे एटीएम, सिम व बैंक पासबुक उपलब्ध कराता था। पंकज अग्रहरि व उसके गैंग के अन्य साथियों द्वारा फर्जी ट्रेडिंग, लोनिंग व गेमिंग एप के माध्यम से फ्राड करके जब भी बैंक खातो में पैसा भेजते थे तो पंकज अग्रहरि मुझे काल या मैसेज करके बता देता था तथा उसके द्वारा उपलब्ध कराये गये एटीएम कार्ड से पैसे निकाल लेने के बाद मै अपना हिस्सा लेकर शेष पैसो को उसके द्वारा बताये गये बैंक अकाउन्ट में डाल देता था। कभी कभी मेरे बैंक अकाउन्ट में भी पैसे भेजता था जिसको मै अपने बैंक अकाउन्ट से उसके द्वारा बताये गये बैंक अकाउन्ट में ट्रान्सफर कर देता था।

रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले की रानीगंज थाने की पुलिस ने रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले एक आरोपी व उसके दो बेटों व एक अन्य समेत कुल चार लोगों के खिलाफ गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।
बात दें कि प्रयागराज जिले के फूलपुर थाना इलाके के लतीफपुर गांव निवासी सुनील बिंद ने तहरीर देते हुए बताया कि रानीगंज थाना इलाके के संडीला गांव निवासी अमर बहादुर ने बीते वर्ष नवम्बर महीने में अपने घर पर बुलाया और रेलवे में नौकरी दिलाने के एवज में छः लाख रुपये व शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की मांग की। आरोप है कि अमर बहादुर ने अपने बेटे सूरज व नीरज के खाते में तीन लाख रुपये व बाकी तीन लाख रुपये सुरजीत गौतम के खाते में मंगवाया। ठगों ने पीड़ित को फर्जी जॉइनिंग लेटर, आईकार्ड व ड्यूटी पास उपलब्ध कराने से लेकर दिल्ली में किसी रेलवे स्टेशन पर ट्रेनिंग तक दिलवाया। पीड़ित के अनुसार उसे एक महीने का वेतन भी उसके खाते में भेज दिया। लेकिन उसके बाद ठगों ने काल लेटर का बहाना करते हुए बातचीत करना बंद कर दिए। जब युवक को ठगी का एहसास हुआ तो उसने पूरा घटनाक्रम पुलिस को बताया। पुलिस से शिकायत होने के बाद आरोपियों ने 14 जनवरी 2025 को स्वीकार किया कि दो किस्तों में डेढ़ माह के भीतर पीड़ित के छः लाख रुपये वापस कर देंगे। लेकिन ठगों ने जब सालभर बीत जाने के बाद भी पैसा वापस नहीं दिया तो सुनील बिंद ने थाने पर तहरीर दी। जिसके बाद पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर रानीगंज थाना इलाके के संडीला निवासी अमर बहादुर पटेल व उसके दोनों बेटे सूरज और नीरज के साथ ही देवसरा थाना इलाके के लिए सुरजीत गौतम के खिलाफ गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

ठगी के शिकार पीड़ितों के खाते में नौ लाख रुपये वापस कराए

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों की पुलिस ने ठगी के शिकार हुए पीड़ितों के खाते में कुल 9 लाख 32 हजार 938 रुपए वापस कराए हैं। साइबर ठगों द्वारा यूपीआई, इंटरनेट बैंकिंग व क्रेडिट कार्ड समेत अन्य तरीकों से ठगी की गई है। एसपी दीपक भूकर के कुशल निर्देशन में व नोडल अधिकारी साइबर एएसपी पूर्वी शैलेन्द्र लाल, सहायक नोडल अधिकारी साइबर सहायक पुलिस अधीक्षक (सीओ सिटी) प्रशान्त राज के निकट पर्यवेक्षण में साइबर अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियन्त्रण हेतु एनसीआरपी पोर्टल एवं पीड़ितों द्वारा दिये गये शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए साइबर सेल व साइबर क्राइम थाना टीम द्वारा शिकायतकर्ताओं की धोखाधड़ी से कटे रुपये उनके खाते में पुनः वापस कराई गई। शिकायतकर्ताओं द्वारा जिले के उच्चाधिकारियों, साइबर सेल व साइबर क्राइम थाना टीम का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया गया। पुलिस ने लोगों से डिजिटल प्लेटफार्म पर सतर्कता बरतने की अपील करते हुए कहा है कि किसी भी ऐप को इंस्टॉल करते समय अनावश्यक परमिशन देने से बचें। ओटीपी, सीवीवी, एटीएम पिन सहित किसी भी जानकारी को गोपनीय रखें। पब्लिक वाई फाई का उपयोग करते समय बैंकिंग या संवेदनशील लॉग-इन न करें। ऑनलाइन शॉपिंग करते समय केवल भरोसेमंद और सुरक्षित वेबसाइट का ही उपयोग करें। साथ ही क्यू आर कोड स्कैन करने से पहले उसका स्रोत जरूर जांच लें, अनजान क्यू आर कोड से भुगतान न करें। वीडियो कॉल या स्क्रीन शेयर के लिए कहने वाले अनजान व्यक्ति से तुरंत संपर्क तोड़ दें। सोशल मीडिया पर दिखाए जा रहे लुभावने ऑफर से सावधान रहें। साथ ही यह भी बताया है कि इस प्रकार की कोई भी घटना होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 या वेबसाइट पर कॉल करके ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराएं।

पच्चीस हजार का इनामिया गैंगस्टर गिरफ्तार, भेजा जेल

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले की रानीगंज थाने की पुलिस व स्पेशल टीम ने पच्चीस हजार रुपये के इनामिया गैंगस्टर को गिरफ्तार किया है। इसके विरुद्ध जिले में लूट, धोखाधड़ी, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम जैसे गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।
एसपी दीपक भूकर द्वारा अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी शैलेन्द्र लाल व क्षेत्राधिकारी रानीगंज विनय प्रभाकर साहनी के कुशल पर्वेक्षण में थाना प्रभारी रानीगंज प्रभात कुमार सिंह व उनकी पुलिस टीम एवं स्पेशल टीम में तैनात एसआई लक्ष्मी कान्त सेंगर व उनकी टीम द्वारा वाहनों की चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप अधिनियम थाना फतनपुर से संबंधित पच्चीस हजार रुपये के ईनामिया अभियुक्त भाष्कर सिंह को रानीगंज थाना इलाके के कहला बाजार के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त फतनपुर थाना इलाके के गौरा पूरेबदल गांव का रहने वाला है। इसके विरुद्ध फतनपुर थाने पर मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेज दिया।

पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के दो आरोपियों को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले की हथिगवां थाने की पुलिस ने गौवध अधिनियम, विस्फोटक अधिनियम व गैंगस्टर जैसे गंभीर मामलों में वांछित दो अंतर्जनपदीय आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अन्तर्जनपदीय गैगलीडर अभियुक्त राम लक्षन सरोज पर प्रयागराज व प्रतापगढ में गौवध निवारण अधिनियम, पशु क्रूरता अधिनियम, आर्म्स एक्ट, विस्फोटक अधिनियम व गैंगस्टर एक्ट जैसे गंभीर अपराध पंजीकृत है। वहीं अन्तर्जनपदीय प्रेमपाल पर जनपद कौशांबी व प्रतापगढ में गौवध निवारण अधिनियम, पशु क्रूरता अधियम, गैंगस्टर एक्ट जैसे गंभीर अपराध पंजीकृत है।
एसपी दीपक भूकर द्वारा अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी बृजनन्दन राय व सीओ कुण्डा अमरनाथ गुप्ता के कुशल पर्वेक्षण में थाना हथिगवां प्रभारी सत्येन्द्र सिंह के नेतृत्व में एसआई प्रिन्स तिवारी व उनकी पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त रामलक्षन सरोज व प्रेमपाल को थाना इलाके के जहानाबाद पुल के समीप से गिरफ्तार किया गया। रामलक्षन नवाबगंज थाना इलाके के पथरियापुर व प्रेमपाल कौशाम्बी जिले के मंझनपुर थाना इलाके के टेंवा का रहने वाला है। दोनों के खिलाफ गम्भीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। थाना प्रभारी हथिगवां सत्येंद्र सिंह ने बताया कि गैंगस्टर एक्ट समेत गम्भीर मुकदमे में वांछित दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेज दिया गया।

संजय स्पोर्टिंग क्लब ने बेतिया को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

कुशीनगर। संजय क्लब के तत्वावधान में आयोजित 48वीं संजय कप आल इंडिया फुटबॉल प्रतियोगिता के तहत शनिवार को चौथा क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेला गया। मुकाबले में मेजबान संजय स्पोर्टिंग क्लब बरवा राजापाकड़ ने आरएलएसवाई क्लब बेतिया, बिहार को 3-1 से पराजित कर सेमीफाइनल में स्थान सुनिश्चित किया। मैच की शुरुआत से ही मेजबान टीम ने आक्रामक रुख अपनाया। पहले हाफ में बरवाराजापाकड़ के जर्सी नंबर आठ खिलाड़ी हैप्पी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11वें व 28वें मिनट में दो गोल दागे। इन गोलों से टीम को मजबूत बढ़त मिली व विपक्षी टीम दबाव में आ गई। मध्यांतर तक स्कोर 2-0 रहा। मध्यांतर के बाद भी बरवाराजापाकड़ का दबदबा कायम रहा। 50वें मिनट में फिरोज ने सटीक प्रहार करते हुए तीसरा गोल कर टीम को 3-0 से आगे कर दिया।

कोरिया के श्रद्धालुओं ने महापरिनिर्वाण मंदिर में की पूजा

जन एक्सप्रेस । 000

कसया। साउथ कोरिया के 520 सदस्यीय बौद्ध श्रद्धालुओं का एक दल शनिवार को अंतरराष्ट्रीय पर्यटक स्थल कुशीनगर पहुंचा। श्रद्धालु सुबह लगभग साढ़े दस बजे वैशाली से सड़क मार्ग द्वारा कुशीनगर आए और करीब 11 बजे मुख्य महापरिनिर्वाण मंदिर परिसर में पहुंचे।
यहां बौद्ध गुरु वेनेरेबल पंक्यून सुनिम के नेतृत्व में कोरियाई विधि-विधान से विशेष पूजा-अर्चना संपन्न हुई। पूजा लगभग तीन घंटे तक चली। इसके उपरांत श्रद्धालुओं ने भगवान बुद्ध की लेटी प्रतिमा पर चीवर चढ़ाकर विधिवत पूजा की तथा विश्व शांति और मानव कल्याण की कामना की।
इसके बाद श्रद्धालुओं का दल रामाभार स्तूप पहुंचा, जहां भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण के बाद हुए अंतिम संस्कार स्थल पर बने स्तूप की परिक्रमा कर विशेष प्रार्थना की गई। भ्रमण के दौरान श्रद्धालुओं ने कुशीनगर के विभिन्न स्तूपों, विहारों एवं पुरातात्विक अवशेषों का अवलोकन किया और बुद्ध के जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। कुशीनगर भ्रमण के बाद यह दल लुंबिनी के लिए रवाना हुआ। लुंबिनी से यह दल श्रावस्ती और संकिसा होते हुए दिल्ली पहुंचेगा।

प्लास्टिक मुक्त, हरा-भरा बस्ती के लिये दिलाया सामूहिक शपथ

जन एक्सप्रेस। बस्ती

नगर पंचायत गणेशपुर स्थित 'श्रीमती सावला देवी जूनियर हाईस्कूल' के प्रांगण में रविवार को संत रविदास के जयन्ती अवसर पर को पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौतियों दो दिवसीय वृहद सेमिनार का भव्य आयोजन किया गया। 'सक्षम कल्चर सेवा समिति' द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी में ग्रामीण क्षेत्र में जागरूकता की एक नई मिसाल पेश की, जहाँ विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और पर्यावरण प्रेमियों ने एक सुर में धरती को बचाने का संकल्प लिया। 'प्लास्टिक मुक्त व हरा-भरा बस्ती' बनाने की सामूहिक शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नवल किशोर ने दीप प्रज्वलन कर किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य आलोक श्रीवास्तव ने वृक्षारोपण के महत्व की जनकारी दी। कहा कि आज के दौर में बढ़ता प्रदूषण और लुप्त होते जंगल मानव अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं। उन्होंने इतिहास और संस्कृति का हवाला देते हुए बताया कि भारतीय परंपरा हमेशा से प्रकृति पूजक रही है, लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम अपनी जड़ों को भूल रहे हैं। प्रधानाचार्य ने छात्रों को 'ग्रीन वॉरियर' बनने का आह्वान किया और कहा कि हर व्यक्ति को अपने जीवन के विशेष अवसरों पर एक पौधा लगाकर उसकी संतान की तरह देखभाल करनी चाहिए।

संस्थान के प्रबंधक और कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार सक्षम श्रीवास्तव ने सेमिनार की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि समिति ने बिना किसी सरकारी वित्तीय सहायता के, अपने निजी प्रयासों और सीमित संसाधनों से इस विशाल आयोजन का बीड़ा उठाया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पर्यावरण की रक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक कर्तव्य है। संगोष्ठी के दौरान तकनीकी सत्र में विशेषज्ञों ने 'रेन वाटर हार्वेस्टिंग' (वर्षा जल संचयन), सौर ऊर्जा के बढ़ते महत्व और रासायनिक खादों के स्थान पर जैविक खेती अपनाने की वैज्ञानिक विधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस दौरान उपस्थित जनसमूह को कचरा प्रबंधन और प्लास्टिक के बहिष्कार के व्यावहारिक तरीके भी समझाए गए।

कार्यक्रम में केवल बौद्धिक चर्चा ही नहीं हुई, बल्कि कला और संस्कृति के माध्यम से भी पर्यावरण का संदेश दिया गया।

स्थानीय कलाकारों ने अपनी मधुर आवाज में पर्यावरण पर आधारित लोकगीत प्रस्तुत किए, जिसने उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने 'उजड़ते वन और कराहती धरती' विषय पर एक मर्मस्पर्शी लघु नाटिका का मंचन किया, जिसने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य प्रबुद्ध जन राजेश कुमार, सीमा श्रीवास्तव, अशोक वर्मा, वंदना राय, सुनील चौधरी, पंकज त्रिपाठी, रेणु, और सत्य प्रकाश ने संस्था के इस साहसिक और निस्वार्थ प्रयास को सराहा । कार्यक्रम में अमित, विकास, राहुल, सुमित, प्रीति, सुल्ताना बेगम, राम सिंह, कमला देवी, राम लखन, सर्वेश, आशुतोष, नितेश, श्वेता, मोहिनी, मुकेश, पवन, और आदित्य सहित भारी संख्या में ग्रामीण, अभिभावक और छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी आगंतुकों को फलदार पौधे वितरित किए गए और 'प्लास्टिक मुक्त व हरा-भरा बस्ती' बनाने की सामूहिक शपथ दिलाई गई।

पीयू में केंद्रीय बजट 2026-27 का सजीव प्रसारण

अनुसंधान-नवाचार को लेकर नई रणनीति पर मंथन वीसी की अध्यक्षता में समिति गठित, सेमीकंडक्टर से लेकर एआई तक पर फोकस

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर गंभीर मंथन शुरू हो गया है। माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल के निर्देशों के क्रम में विश्वविद्यालय प्रशासन ने बजट के गहन अध्ययन के लिए एक विशेष समिति का गठन किया है। रविवार को कुलपति प्रो. वंदना सिंह की अध्यक्षता में समिति ने केंद्रीय बजट का सजीव प्रसारण देखा और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व अनुसंधान योजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की।

कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 में अनुसंधान, नवाचार और उन्नत प्रौद्योगिकी को देश के आर्थिक विकास की रीढ़ के रूप में प्रस्तुत किया गया है। विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए बजट में सेमीकंडक्टर, जैव-प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल अनुसंधान को विशेष प्राथमिकता दी गई है।

उन्होंने बताया कि इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के अंतर्गत प्रस्तावित ?40,000 करोड़ के प्रावधान से चिप निर्माण, सामग्री विज्ञान और उन्नत तकनीकी अनुसंधान को गति मिलेगी। इससे विश्वविद्यालयों और उद्योगों के बीच सहयोग के नए अवसर सृजित होंगे।

स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान के क्षेत्र में 'बायोफार्मा शक्ति' योजना के तहत अगले पांच वर्षों में 10,000 करोड़ के निवेश को शोधार्थियों के लिए बड़ा अवसर बताते हुए कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय अब लैब-टू-मार्केट मॉडल पर अनुसंधान को आगे बढ़ाएगा। इसके लिए एआई और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाएगा।

चिकित्सा, अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान, योग, नवीकरणीय ऊर्जा और जल अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में विश्वविद्यालय पहले से सक्रिय है और अब केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप इन क्षेत्रों में और अधिक प्रभावी योगदान देने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

समिति का उद्देश्य बजट के उन प्रावधानों की पहचान कर एक समेकित रिपोर्ट तैयार करना है, जो उच्च शिक्षा और अनुसंधान के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बना सकें। यह रिपोर्ट भविष्य में छात्रहित से जुड़ी योजनाओं और नीतिगत निर्णयों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगी।

इस अवसर पर प्रो. सौरभ पाल, डॉ. विक्रांत भटेजा, डॉ. धीरेन्द्र चौधरी, डॉ. काजल डे, डॉ. रमांशु प्रताप सिंह सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

विधवा महिला के उत्पीड़न को लेकर विहिप जिलाध्यक्ष ने थानाध्यक्ष से किया कार्यवाही की मांग

जन एक्सप्रेस। बस्ती

आरोपों की हो रही जांच, नही होगा अन्याय- थाना प्रभारी

इस संबंध में थाना प्रभारी पैकोलिया के. के. साहू ने बताया कि समुदाय विशेष के वर्ग के घर से एक युवती भग गई है। जिसका आरोप उक्त परिवार पर लगाया जा रहा। इसके बावजूद पुलिस गहनता से जांच कर रही है। जल्द ही युवती बरामद करने के लिए पुलिस टीम लगी है। किसी का उत्पीड़न व अन्याय नही होने पाएगा।

हरैया। हरैया तहसील क्षेत्र के पैकोलिया थाना अंतर्गत जीतीपुर गांव निवासिनी विधवा संगीता शर्मा व उसके पुत्र विकास शर्मा पर कथित रूप से युवती को भगाने का आरोप लगा कर पड़ोसी अब्दुल मलिक, मोहम्मद सलीम, अब्दुल्ला व इनके रिश्तेदार निवासी गांधीनगर बस्ती मोहम्मद जाकिर द्वारा उत्पीड़न किए जाने के मामले को लेकर विहिप जिलाध्यक्ष मनोज सिंह व प्रवीण सिंह, अजय कनौजिया आदि विहिप कार्यकर्ताओं के साथ रविवार को पैकोलिया थानाध्यक्ष के.के. साहू से मिल कर दो दिन में दोषियों पर कार्यवाही की मांग की है।

इस दौरान कार्यवाही न होने पर आगे आन्दोलन की चेतावनी दी है। विहिप नेता का आरोप है कि समुदाय विशेष का व्यक्ति खुलेआम पुलिस का संरक्षण लेकर अवैध आरामशीन चला कर प्रतिबंधित हरे पेड़ों की कटान व चिरान किया जा रहा है।

इसके लिए बनाए गए पुलिसिया तिकड़म के माध्यम से वह हिंदू विधवा महिला व उसके बेटे पर मित्थया आरोप लगा कर ऐसा उत्पीड़न कर रही है कि परिवार पलायन करने को लाचार है। इस पर कार्यवाही न हुई तो पैकोलिया पुलिस के विरुद्ध भीषण आंदोलन तय है।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा देने वाला बजट: अजय सिंह

जन एक्सप्रेस। बस्ती

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा रविवार को पेश किए गए बजट को लेकर हरैया विधायक अजय सिंह ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। विधायक ने कहा कि यह बजट निश्चित रूप से विकसित भारत के सपने को साकार करने वाला बजट है। यह बजट आत्मनिर्भरता, समावेशी विकास और आर्थिक अनुशासन का संतुलित उदाहरण है। उन्होंने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट दूरदर्शी सोच पर आधारित है, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर, रोजगार सृजन, आत्मनिर्भर भारत और तकनीकी सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी गई है। इस बजट में बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। यह प्रावधान आने वाले वर्षों में भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कहा कि यह बजट न केवल आर्थिक विकास को गति प्रदान करेगा, बल्कि सामाजिक समरसता और गरीब कल्याण को भी मजबूती देगा। कहा कि बजट में हाईस्पीड रेल और इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर की गई घोषणाएं देश की कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई पर ले जाएंगी। रेल, सड़क और जलमार्गों को आधुनिक बनाने की योजनाएं न केवल आवागमन को आसान करेंगी, बल्कि उद्योग और निवेश के नए अवसर भी पैदा करेंगी। उन्होंने इसे विकास की रीढ़ बताया।

चेकिंग के दौरान पुलिस को मिली सफलता, अवैध तमंचा व कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

पंजीकृत मुकदमा

मु0अ0सं0-40/2026, धारा 9/25 शस्त्र अधिनियम, थाना बदलापुर, जनपद जौनपुर।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

उ0नि0 मुन्ना राम
हे0का0 दीपक सिंह (थाना बदलापुर, जौनपुर)

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

थाना बदलापुर पुलिस को संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग के दौरान बड़ी सफलता हाथ लगी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने परमहंस मोड़, ग्राम बलुआ के पास से एक युवक को अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान हार्दिक यादव उर्फ हैप्पी, पुत्र संजय यादव, निवासी खमपुर वीरभानपुर चवेर, थाना बक्शा, जनपद जौनपुर के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक तमंचा .315 बोर, एक जिंदा कारतूस 315 बोर तथा एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। ता बरामदगी के आधार पर अभियुक्त के खिलाफ आर्म्स एक्ट की सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से इस प्रकार की चेकिंग आगे भी लगातार जारी रहेगी।

बच्चों का भविष्य संवार देती है अच्छी शिक्षा: सिद्धार्थ सिंह

ओम श्री मां ग्लोबल स्कूल बगथरी का स्थापना दिवस समारोह सम्पन्न

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

वाराणसी के युवा समाज सेवी एवं पूर्व एम एल सी बृजेश सिंह के पुत्र सिद्धार्थ सिंह ने कहा कि अच्छा स्कूल और अच्छी शिक्षा ही बच्चों का भविष्य संवार देती है।

अभिभावकों को चाहिए कि अपने बच्चों के सुन्दर भविष्य के लिए अच्छे स्कूलों में ही प्रवेश दिलायें।

रविवार को ओम श्री मां ग्लोबल स्कूल बगथरी आजाद नगर मुफ्तीगंज के स्थापना दिवस समारोह को वह बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे।

स्कूल के चेयरमैन व संस्थापक की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि सुदूर ग्रामीणांचल में इतना आलीशान शिक्षा मंदिर की स्थापना करके बहुत ही सराहनीय कार्य किया है, जो प्रशंसनीय ही नहीं अनुकरणीय भी है और अब गांव वालों को महानगरों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी वह इस विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करके देश का विकास करेंगे।

विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रमुख मुफ्तीगंज विनय सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर आरएसएस के काशी प्रांत के कार्यवाह मुरली पाल, प्रचार प्रमुख राम चन्द्र, डॉ0 नृपेंद्र सिंह, राम प्यारे यादव मुकेश सिंह,राम चंद्र राय, प्रेमचंद तिवारी, कैलाश नाथ सिंह, डॉ नरसिंह बहादुर सिंह, आशीष सिंह, संत कुमार सिंह व अभिमन्यु सिंह आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संस्थान के चेयरमैन राजन सिंह व डिप्टी चेयरमैन उर्मिला सिंह, संस्थापक इन्द्र कुमार सिंह, इन्द्रसेन सिंह, दिनेश सिंह, उग्रसेन सिंह एवं गौरव सिंह ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत कर आभार प्रकट किया।

कार्यक्रम का संचालन विकास तिवारी एडवोकेट व प्रधानाचार्य अमरनाथ यादवने किया।

इस अवसर पर स्कूल के बच्चों ने स्वागत गीत व एक से एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया।

विकसित भारत 2047 की ओर मजबूत कदम: ऐतिहासिक बजट से युवाओं, महिलाओं और उद्योगों को नई उड़ान

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर केंद्रीय बजट 2026 का लाइव प्रसारण देखा गया। इसके उपरांत जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति के नेतृत्व में संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व विधायक सुरेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष हरिश्चन्द्र सिंह और सुशील उपाध्याय उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण तथा वंदे मातरम् के गायन से हुआ।

मुख्य वक्ता पूर्व विधायक सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने बजट को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह युवाओं के सपनों को पंख देने वाला बजट है। इससे भारत की वैश्विक स्थिति मजबूत होगी और देश शीघ्र ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। यह बजट छोटे व्यापारियों और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

पूर्व जिलाध्यक्ष हरिश्चन्द्र सिंह ने कहा कि यह बजट महिला सशक्तिकरण का सशक्त संदेश देता है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लगातार नौवीं बार बजट प्रस्तुत करना ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह बजट अवसरों के नए द्वार खोलता है और 2047 तक विकसित भारत की नींव को मजबूत करता है।

पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील उपाध्याय ने कहा कि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत को गति देने के लिए यह बजट दूरदर्शी रोडमैप प्रस्तुत करता है।

सेमीकंडक्टर मिशन 2.0, बायो-फार्मा शक्ति, रेयर अर्थ कॉरिडोर और एमएसएमई विकास जैसे कदम भविष्य की जरूरतों को पूरा करेंगे।

जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि सरकार ने पूंजीगत व्यय बढ़ाकर बुनियादी ढांचे को नई रफ्तार दी है। यह बजट राजकोषीय अनुशासन के साथ उच्च विकास का संतुलन साधता है और विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने की दिशा में मजबूत आधार है।

कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अमित श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरायख्वाजा पुलिस की तत्परता से अपहृत बालिका सकुशल बरामद

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

थाना सरायख्वाजा पुलिस ने सतर्कता और लगातार प्रयासों के दम पर अपहृत बालिका को सकुशल बरामद करते हुए अपहरण के आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक सरायख्वाजा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा की गई। पुलिस के अनुसार थाना सरायख्वाजा में पंजीकृत मु0अ0सं0-0045/ 2026, धारा 137(2) व 87 भारतीय न्याय संहिता से संबंधित प्रकरण में अपहृत बालिका की तलाश लगातार की जा रही थी। इसी क्रम में पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर कुत्तुपुर तिराहे के पास से आरोपी रामजी मौर्या उर्फ गुड्डू मौर्या पुत्र भैय्यालाल मौर्या, निवासी ग्राम फरीदाबाद, थाना सुजानगंज, जनपद जौनपुर को गिरफ्तार कर लिया। बरामद की गई बालिका को नियमानुसार आवश्यक चिकित्सीय परीक्षण हेतु भेजा गया है तथा उसके बयान विधिक प्रक्रिया के अंतर्गत दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है और उसे माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। इस सराहनीय कार्यवाही में उपनिरीक्षक सैय्यद हसन जाफर, हेड कांस्टेबल परमात्मानन्द यादव एवं कांस्टेबल मिथिलेश कुमार शामिल रहे। स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता की प्रशंसा की है।

22 दिन बाद फिर छाया घना कोहरा, ठंड और गलन ने किया परेशान

जन एक्सप्रेस। मिर्जापुर। आठ जनवरी के बाद लगभग 22 दिन राहत के बाद शनिवार को छाए घने कोहरे और कड़ाके की ठंड से जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा। हालांकि न्यूनतम तापमान एक डिग्री बढ़कर नौ डिग्री पर सेल्यिस पहुंच गया। अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस पर थमा रहा। शुक्रवार की रात छाया घना कोहरा दूसरे दिन शनिवार की सुबह साढ़े नौ बजे तक बना रहा। शुक्रवार की रात में फॉग लाइट के सहारे सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आए। शनिवार को सुबह घने कोहरे के चलते प्रमुख मार्गों पर हेड लाइट और हार्न के सहारे गुजरते रहे। सुबह नौ बजे का स्कूल होने से कोहरे के बीच जान जोखिम में डालकर बच्चे स्कूलों की तरफ जाते दिखे। सुबह 10 बजे के बाद धूप जरूर निकली लेकिन गलन व ठंड से बेअसर रही। मौसम वैज्ञानिक शिव मंगल सिंह ने बताया कि शनिवार को अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान नौ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इधर 22 दिन बाद कोहरे और गलन से आम जनमानस परेशान रही। उधर, फसलों को लेकर किसानों की चिंता बढ़ गई है। गेहूं को छोड़कर दलहनी, तिलहनी फसलों में अरहर, चना, मटर, मसूर, सरसों और आलू पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। ब्रह्मपुत्र आठ घंटे तो मगध एक्स. सात घंटे की देरी से पहुंची-मिर्जापुर। घने कोहरे का असर दिल्ली से मिर्जापुर आने वाली ट्रेनों पर भी पड़ा। ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस आठ घंटे तो मगध 7 घंटे की देरी से शनिवार को चल रही थी।

हटाया गया सोनवर्षा प्रधान, पशुधन प्रसार अधिकारी समेत दो निलंबित

जन एक्सप्रेस। मिर्जापुर

पशु तस्करी के मामले में डीएम पवन कुमार गंगवार ने सोनवर्षा के प्रधान श्याम बहादुर पटेल को तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया है। जांच के बाद दोषी पाए जाने पर ग्राम पंचायत अधिकारी कृष्ण लाल व पशुधन प्रसार अधिकारी जगदंबा प्रसाद सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

डीएम ने उप जिलाधिकारी लालगंज से कहा कि धोबहा देवघटा सोनवर्षा में विकास कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए नियमानुसार ग्राम पंचायत या ग्रामसभा की बैठक कराएं। इसमें निर्वाचित सदस्यों में से किसी एक सदस्य का नाम अस्थायी रूप से प्रधान पद के लिए तत्काल प्रस्तावित करना सुनिश्चित करें।

बताया कि निराश्रित गोवंश आश्रय स्थल सोनवर्षा में अभिलेखीय व स्थल संरक्षित गोवंशों की संख्या में भिन्नता मिली है. गोवंश आश्रय स्थल पर रखे गए सभी गोवंशों की टैगिंग नहीं हुई है। साथ ही शासकीय कार्यों में रुचि नहीं लेने तथा सौंपे गए दायित्वों के निर्वहन में घोर लापरवाही शिथिलता बरतने पर पशुधन प्रसार अधिकारी जगदंबा प्रसाद सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। किसानों को गुमराह कर प्रधान और अपना दल कमेरावादी का जिलाध्यक्ष श्याम बहादुर पटेल और उसका बेटा छुट्टा मवेशियों को अपने स्वार्थ के लिए निशाना बनाते थे। फसल को नुकसान पहुंचा रहे पशुओं को किसानों से पकड़वा कर वे गोआश्रय स्थल में रखने के बहाने मंगाते थे। इसके बाद वहां से वाहनों पर लदवाकर भेज देते थे। दस दिन पहले ही 25 किसानों ने 64 गोवंशों को गोआश्रय स्थल पहुंचाया था। ये सिर्फ एक मामला है। ऐमी कई परतें खुलनी अभी बाकी हैं। गो आश्रय स्थल तक पशुओं को लाने का काम केवल आम जनता को दिखाने के लिए किया जाता था। ऐसे मवेशियों की टैगिंग नहीं करते थे। ऐसे में आश्रय स्थल से जुड़े कर्मियों के कामकाज पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। हलिया के राजपुर के रहने वाले जगजीवन ने बताया कि उनका पूरा इलाका छुट्टा पशुओं से परेशान है। रात में सैकड़ों की संख्या में गोवंश आते हैं और खेत की फसल को चट कर जाते हैं। उन्होंने बताया कि प्रधान के बेटे ने कुछ दिन पहले संदेश भेजा कि वे अगर पशुओं को पकड़कर लाते हैं तो वे गो आश्रय स्थल में उन्हें रख लेंगे। फसलों को बचाने के लिए 25 किसान 22 जनवरी 64 गोवंशों को लेकर पैदल गोआश्रय स्थल पहुंचे थे। राजपुर के ही किसान नूर मोहम्मद ने बताया कि प्रधान पुत्र ने उन्हें फोन कर पशुओं को मंगाया। पशु लेकर 22 जनवरी को पहुंचने पर उनसे पशुओं को बांधने वाली रस्सी के लिए साढ़े छह हजार रुपये मांगे। उन्होंने ढाई हजार ऑनलाइन पेमेंट भी दिखाया। बाद में वो लोग पशुओं को बाड़े में छोड़कर चले आए। उन्होंने आशंका जताई की बाद में पशुओं को वहां से वाहनों पर लादकर भेज दिया गया होगा। अमरेश गुप्ता ने भी यही शिकायत की। स्थानीय लोगों ने बताया कि छुट्टा पशुओं को प्रधान का गिरोह निशाना बनाता था। वे उसे गोआश्रय स्थल में रखने के बहाने लाते थे और फिर बेच देते थे।

99 प्रतिशत एसआईआर फॉर्म गलत निर्वाचन विभाग ने जारी किए नोटिस

जिला अधिकारी ने दिया जांच का आदेश ग्रामीणों में मचा हड़कंप

जन एक्सप्रेस। सुनहरा

लखीमपुर खीरी। जिले की तहसील गोला गोकर्णनाथ के मैलानी थाना क्षेत्र में स्थित ग्राम पंचायत सुआबोझ के गांव रामपुर फुलिया (भाग संख्या 305) में एसआईआर फॉर्म भरने को लेकर एक बड़ा मामला सामने आया है। पलिया विधानसभा क्षेत्र में आने वाले इस फुलैया गांव में लगभग 99 प्रतिशत एसआईआरफॉर्म गलत पाए गए हैं।

इन गलतियों के कारण निर्वाचन विभाग ने संबंधित ग्रामीणों को नोटिस जारी किए हैं, जिससे पूरे गांव में हड़कंप मच गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मैलानी नगर पंचायत अध्यक्ष कीर्ति माहेश्वरी और उनके पति भवानी शंकर माहेश्वरी ने तत्काल संज्ञान लिया।नगर पंचायत स्तर पर अधिकारियों की उपस्थिति में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें समस्या के समाधान के प्रयासों पर चर्चा हुई।

इसका उद्देश्य आम जनता को किसी भी प्रकार की परेशानी से बचाना है। इस मामले में एएनएम ज्योति मौर्या, जिनकी ड्यूटी अचानक एसआईआर प्रक्रिया में लगाई गई थी, ने बताया कि उन्हें केवल नोटिस बांटने का प्रभार मिला है। उनके अनुसार, एसआईआर फॉर्म भरने का काम पूर्व बीएलओ सुमन का था और नोटिस पर भी सुमन सरोज का नाम लिखा है। उन्होंने यह भी बताया कि जब वह यहां आईं, तो अधिकांश लोगों के नाम पहले ही कट चुके थे, और वह पिछले दो दिनों से रात 10 बजे तक गांव में नोटिस वितरित कर रही हैं। जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल खीरी ने इस प्रकरण को गंभीरता से लिया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्वाचन प्रक्रिया का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जांच के दौरान जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गोला के प्रमुख मार्गो पर की गई पैदल गस्त

जन एक्सप्रेस। गोला गोकर्णनाथ खीरी। सुरक्षा की दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी गोला के नेतृत्व में भारी पुलिस बल के साथ की गई पैदल गस्त की।इस दौरान कई संदिग्ध वाहनो एवं संबंधित व्यक्तियों की, भी चेकिंग की गई। सुरक्षा के दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी गोला रमेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली गोला अंबर सिंह एवं भारी पुलिस बल के साथ बड़ा चौराहा, अंबेडकर तिराहा, शिवम चौराहा, सिनेमा रोड, नानक चौकी रोड तक पैदल गस्त किया गया।

हैदराबाद पुलिस ने वांछित वारंटी को किया गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस। गोला गोकर्णनाथ खीरी

थानाध्यक्ष थाना हैदराबाद सुनील मलिक के नेतृत्व में दिनांक 01.02.2026 को एक नफर वारन्टी अभियुक्त आदेश कुमार पुत्र स्व0 स्वामीदयाल निवासी ग्राम मुरादपुर (गुरधिया) थाना खुटार जिला शाहजहाँपुर उम्र करीब 25 वर्ष को सम्बन्धित वारण्ट मु0स0 1750/25 बनाम आदेश कुमार धारा 138 हद्द ,ष्ट्रञ्ज थाना हैदराबाद सम्बन्धित न्यायालय सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 लखीमपुर खीरी में गिरफ्तार कर वास्ते विधिक कार्यवाही हेतु मा0 न्यायालय खीरी के समक्ष भेजा।

वही अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम मे उप निरिक्षक जयरनरायण यादव व आरक्षी सचिन कुमार थाना हैदराबाद खीरी प्रमुख रूप से सामिल रहे।

धूमधाम से मनाई गई संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती, शोभायात्रा निकालकर दिया गया सामाजिक जागरूकता का संदेश

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी

मैगलगंज थाना क्षेत्र में संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। लालपुर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क एवं डन्डौरा गांव में आयोजित कार्यक्रमों में वक्ताओं ने संत रविदास के विचारों को जन-जन तक पहुंचाते हुए सामाजिक समानता, शिक्षा और जागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर शोभायात्रा भी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम की शुरुआत संत रविदास के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। रविवार को लालपुर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद जुगुल किशोर रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में कल्बे हसन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विकास गौतम ने किया। वक्ताओं ने संत रविदास के जीवन संघर्ष, सामाजिक कुरीतियों के विरोध और समता मूलक समाज की स्थापना के उनके संदेशों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

इस दौरान बौद्ध विहार पार्क, लालपुर में अधूरे पड़े पुस्तकालय को पूर्ण कराने की घोषणा पूर्व राज्यसभा सदस्य जुगुल किशोर ने अपने निजी खर्चे से करने की की। वहीं क्षेत्रीय जिला पंचायत सदस्य दिनेश चंद्र गुप्ता ने सुलभ शौचालय निर्माण कराए जाने की घोषणा कर सामाजिक सरोकार का परिचय दिया।

उधर, डन्डौरा गांव में आयोजित संत रविदास जयंती कार्यक्रम का उद्घाटन संदीप राठौर ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. अमित राठौर रहे तथा संचालन रोहित लाल गुलाबी तथा अखिलेश जौहर ने किया। वक्ताओं ने संत रविदास के जीवन दर्शन, मानवता और भाईचारे के संदेशों को अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर तौले सिंह यादव, ऋषि नाथ वर्मा, संतोष कुमारी, विश्वराज सिंह, जिला पंचायत सदस्य राममूर्ति राठौर सहित क्षेत्र के तमाम गणमान्य लोग और ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

कैमहरा गांव में चल रही श्री राम कथा का श्री राम जी के विवाह के प्रसंग के साथ हुआ समापन

जन एक्सप्रेस। गोला गोकर्णनाथ खीरी

कैमहरा गांव में 25 जनवरी से चल रही श्रीमद् भागवत कथा एवं श्री राम कथा का समापन 31 जनवरी श्री राम जी के प्रसंग के साथ हुआ जिसमें कथा व्यास शिव प्रकाश मिश्रा ने भगवान राम और माता सीता के दिव्य विवाह की कथा सुनाई गई जो रामायण में वर्णित है, मिथिला के राजा जनक द्वारा आयोजित सीता स्वयंवर में भगवान राम द्वारा शिव धनुष पिनाक तोड़ने के बाद यह विवाह संपन्न हुआ, जो मर्यादा, धर्म, प्रेम और आदर्श दांपत्य जीवन का प्रतीक है और भारत में विवाह पंचमी के रूप में मनाया जाता है, जहाँ उनके चारों भाइयों लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न का विवाह भी हुआ। मिथिला के राजा जनक ने अपनी पुत्री सीता के स्वयंवर का आयोजन किया, जिसमें शर्त थी कि शिव के धनुष पिनाक को तोड़ने वाला ही सीता से विवाह कर सकेगा। भगवान राम ने विश्वामित्र के साथ वहाँ जाकर पिनाक धनुष को तोड़ दिया, जिससे सीता ने उन्हें वरमाला पहनाई विवाह की घोषणा और बारात यह समाचार अयोध्या भेजा गया, जिसके बाद राजा दशरथ अपनी बारात लेकर मिथिला पहुंचे, यह विवाह केवल राम और सीता का नहीं, बल्कि उनके भाइयों लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न का भी हुआ, जिनका विवाह सीता की बहनों उर्मिला, मांडवी और श्रुतकीर्ति से हुआ। यह प्रसंग सनातन धर्म में आदर्श दांपत्य जीवन, त्याग, सम्मान और पवित्र प्रेम का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है, जो हर भक्त को निष्ठा और सद्भाव की प्रेरणा देता है। श्री राम जी के विवाह का प्रसंग सुन श्रोता भाव विभोर हो गए, इसी के साथ ही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत व श्री राम कथा का समापन हुआ।

बिजली पावर हाउस की कार्यशैली से परेशान होकर

अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद महिला मोर्चा बजरंग दल ने पावर हाउस पर दिया धरना

जन एक्सप्रेस। निघासन खीरी

तिकुनिया पावर हाउस पर तैनात अवर अभियंता दिलीप पटेल तथा स्टॉप की मनमानी से परेशान होकर अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल, तहसील निघासन इकाई ने क्रमिक अनशन चार सूत्री मांगों को लेकर शुरू कर दिया है धरने पर आज करीब दो दर्जन से अधिक लोग बैठे इस बीच पावर हाउस पर अफरा तफरी बनी रही हिंदू परिषद का कहना है जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं हो जाती नहीं हो तब तक अनशन जारी रहेगा। पावर हाउस परिसर के अंदर धरना दे रहे हिंदू परिषद, बजरंग दल, महिला मोर्चा ने बताया नियमानुसार पावर हाउस से उपभोक्ता को अपना बिल जमा करने की नोटिस का समय 15 दिन देना चाहिए जिससे कि उपभोक्ता इंतजाम करके बिजली बिल जमा कर सके लेकिन ऐसा ना करके बिल जमा न होना दिखाकर तत्काल कनेक्शन काट दिया जाता है इसको बंद किया जाए, सरकार के नियमों के अधीन ही काम किया जाए जब किसी उपभोक्ता की बिजली खराब होती है तो उसकी शिकायत पर उपभोक्ता से वसूली करके लाइन ठीक की जाती है इसे बंद किया जाए यहां तैनात अवर अभियंता दिलीप पटेल उपभोक्ता के फोन किए जाने पर फोन नहीं उठाते हैं और उठाते हैं तो उपभोक्ता से अभद्र व्यवहार करते हैं। अवर अभियंता का स्थानांतरण किया जाए इस दौरान धरने में शामिल सुनील श्रीवास्तव, सुरेंद्र मिश्रा, विजेंद्र चौहान, प्रदीप राय, राकेश निषाद सुनील राणा, राजेंद्र वर्मा, कुलदीप राणा, आर्यन शुक्ला, रमेश निषाद कृष्ण अवस्थी, राजेंद्र वर्मा, रामसनेही, राहुल भास्कर, लवकुश विजय पाल महिलाओं में आशा देवी, बिंदेश्वरी, सावित्री, चांदनी राना पलक श्रीवास्तव, रूबी, रुचि अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पत्नी की हत्या का आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी

सदर कोतवाली पुलिस ने अपनी पत्नी की हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पारिवारिक विवाद के चलते महिला का गला रेतकर हत्या की थी। पुलिस ने उसे घटना में प्रयुक्त चाकू के साथ पकड़ा और न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह जानकारी सदर कोतवाली प्रभारी ने 1 फरवरी 2026, रविवार को दोपहर करीब 2 बजे दी। पुलिस अधीक्षक खीरी, श्री संकल्प शर्मा के निर्देश पर जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सदर के नेतृत्व में थाना कोतवाली सदर पुलिस ने वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया।गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अंशुल श्रीवास्तव पुत्र स्व. वंशीधर श्रीवास्तव, निवासी ब्लॉक नं-27, कमरा नं-429, काशीराम कॉलोनी, गढ़ी रोड, थाना कोतवाली सदर, जनपद खीरी के रूप में हुई है। उस पर मु0अ0सं0 78/2026 धारा 103(1) बी0एन0एस0 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी के पास से हत्या में इस्तेमाल किया गया प्लास्टिक की मुठिया वाला चाकू भी बरामद किया है। गिरफ्तार अभियुक्त को आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए माननीय न्यायालय भेजा जा रहा है।आरोपी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल अम्बल सिंह और कांस्टेबल सतेंद्र कुमार शामिल थे, सभी थाना कोतवाली सदर, जनपद खीरी से हैं।

एक्सप्रेस खबरें...

पंचशील बुद्धविहार में मनाई गई रविदास जयंती

जन एक्सप्रेस। उन्नाव। नगर शुक्लागंज गंगाघाट क्षेत्र के मोहल्ला सीताराम कालोनी के पंचशील बुद्धविहार में आज दिनांक 1 फरवरी 2026 को संत रविदास जी की 649वीं जयंती पर पंच शील बुद्ध विहार संस्थान सीताराम कालोनी गंगाघाट उन्नाव में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सर्वप्रथम त्रिशरण पंचशील के उपरांत संत रविदास जी की आरती जेजे लाल द्वारा की गई, मुख्य अतिथि के रूप में पूरन दादा ने अपने संबोधन में कहा कि संत रविदास जी के छोटे कार्यों एवं छोटे जाति के कारण उन्हें जो सम्मान मिलना चाहिए वह नहीं मिला,राजेंद्र गौतम अध्यक्ष पंच शील बुद्ध विहार संस्थान गंगा घाट उन्नाव ने कहा कि उन्होंने समाज से अंध विश्वास दूर रहने की सलाह दी,सिकंदर लोधी के समय अधिकतर लोग डर कर इस्लाम धर्म अपना रहे थे लेकिन संत रविदास जी ने इसका विरोध किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से मेजर संत राम,रमाकांत जी, पुत्तन लाल, अमन गौतम, मुकेश गौतम, के डी बाबू, देवीचरण, एम एल कुरील, श्याम बिहारी,अजय पाल, रेखा गौतम, मलती गौतम, राजकुमारी गौतम,माधुरी, संगम देवी आदि लोग शामिल हुए अंत में तहरी भोज एवं प्रसाद वितरण किया गया।

रेलवे स्टेशन गंगाघाट के आगे रेल पटरी के मिला अज्ञात शव

जन एक्सप्रेस। उन्नाव। शुक्लागंज गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत रेलवे स्टेशन के आगे गोपीनाथ पुरम खाटू श्याम मन्दिर के सामने पोल संख्या 11/13 के निकट रेल पटरी के पास अज्ञात शव देखकर स्थानीय निवासियों द्वारा कोतवाली गंगाघाट को सुबह 7-05 बजे सूचना दी गई सूचना पर पंहुचे पश्चिमी चौकी प्रभारी राजेन्द्र सिंह चौहान व बीट के सिपाहियों ने अज्ञात शव को नियमानुसार पोस्टमार्टम हेतु मोर्चरी उन्नाव भिजवाया प्रथम दृष्टया मृतक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत का अनुमान लगाया जा रहा है मृतक की उम्र लगभग 22 वर्ष कद लगभग 5 फुट 2 इंच है रंग संवाल और बाल काले है स्थानीय स्तर पर व अन्य संभावित माध्यमो से शव की शिनाख्त कराने के प्रयास किये गये परन्तु मृतक की पहचान नही हो सकी पोस्टमार्टम के बाद शव को शिनाख्त के लिये 72 घंटे तक सुरक्षित रखा जायेगा मृतक से सम्बंधित कोई पहचान या जानकारी से सम्बंधित किसी को कोई तथ्य ज्ञात हो तो कोतवाली प्रभारी गंगाघाट मो0 नं0 9450606065 या पश्चिमी चौकी प्रभारी गंगाघाट मो0 नं0 9454404366 पर सूचित करें आगे की कार्यवाही पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद की जायेगी अज्ञात शव मिलने की सूचना चौकी प्रभारी पश्चिमी गंगाघाट द्वारा दी गई!

ट्रेक्टर पर स्टंट करते युवक दे रहे है बड़े हादसे को दावत

जन एक्सप्रेस। उन्नाव। नगर कोतवाली गंगाघाट क्षेत्र के अंतर्गत सहजनी क्षेत्र में ट्रेक्टर की खुली ट्राली में तीन युवक उछलते कूदते स्टंट करते नजर आये ये स्टंटबाज युवक दे रहे है बड़े हादसे को दावत कभी भी हो सकती है कोई बड़ी दुर्घटना सहजनी (या कहीं भी) ट्रैक्टर पर स्टंट करना मोटर वाहन अधिनियम के तहत गंभीर अपराध है। यह मुख्य रूप से खतरनाक ड्राइविंग खतरनाक ड्राइविंग की धारा 184 असावधानी से वाहन चलाना और वाहन का अनुचित उपयोग कृषि के बजाय स्टंट के नियमों का उल्लंघन है। स्टंट करने पर भारी जुर्माना और वाहन सीज किया जा सकता है। ट्रैक्टर पर स्टंट करने से यातायात के निम्नलिखित नियमों का उल्लंघन होता है खतरनाक ड्राइविंग धारा 184 सार्वजनिक सड़क पर स्टंट करना, जिससे दूसरों की जान जोखिम में पड़े अनुचित ट्रैक्टर कृषि कार्य के लिए पंजीकृत होते है स्टंट के लिए उपयोग करना नियमों के विरुद्ध है सार्वजनिक सुरक्षा में बाधा- ट्रैक्टर का पहिया उठाकर या तेज़ गति में चलाकर आम जनता के लिए खतरा पैदा करना ट्रैफिक नियमों की अवहेलना लापरवाही से वाहन चलाने तहत भी यह कार्रवाई के योग्य है इन नियमों के उल्लंघन के चलते 1 लाख रुपये तक का जुर्माना और ट्रैक्टर को सीज करने की कार्रवाई की जा सकती है तेज गति से चल रहे ट्रेक्टर पर स्टंट करते ये तीनो युवको का स्टंट जानलेवा भी हो सकता है अब देखना ये है की यातायात नियमों का उलंघन करते ट्रेक्टर के ड्राईवर और स्टंटबाज युवकों पर प्रशासन क्या कार्यवाही करता है या ऐसे वाहनों से किसी बड़ी घटना दुर्घटना का इंतजार है।

खतरनाक कटान के चलते कम रही माघ पूर्णिमा का गंगा स्नान में श्रद्धांलुओं की संख्या

जन एक्सप्रेस। उन्नाव

गंगाघाट क्षेत्र के घाटों पर बढ़ती कटान के खतरे को देखते हुए प्रशासन के पुख्ता सुरक्षा इंतजाम के बाद भी विगत वर्षो की अपेक्षा माघ पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं का आवागमन बहुत कम रहा जबकि नगर पालिका परिषद गंगाघाट द्वारा बैरिकेटिंग कर आनन्द घाट पर कृतिम घाट बनाए गये वही पर श्रद्धांलुओं के स्नान की व्यवस्था की गई और सुरक्षा में नाव नाविक के साथ गोताखोर भी लगाये गये साथ ही पुलिस प्रशासन ने प्रतिबंधित घाटों पर विशेष सतर्कता बरती और मुस्तैद रहा एंव प्रतिबंधित घाटों के सामने के रास्तो पर वेरियर लगा कर रास्ता भी बन्द किया गया बंद किये गये घाटों पर कोतवाली प्रभारी गंगाघाट अजय सिंह के नेतृत्व में पुलिस के जवान तैनात रहे होता है और माघ पूर्णिमा के इस पर्व पर गंगा स्नान का विशेष महत्व के चलते आये हुए श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान पश्चात खिचड़ी व अन्य खाद्य पदार्थो और दृब्य दान कर पुण्य अर्जित किया नगर के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ नजर आयी जहां विगत वर्षो की भांति खतरनाक कटान को देखते हुए श्रद्धांलुओं ने कानपुर के घाटों का रुख किया और इसी कारण इस वर्ष माघ पूर्णिमा का स्नान करने वाले श्रद्धांलुओं की संख्या बहुत कम रही।

संघ शताब्दी वर्ष पर बिल्हौर में भव्य हिंदू सम्मेलन

सामाजिक समरसता और राष्ट्रभाव का संदेश

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में रविवार को बापू गेस्ट हाउस, बिल्हौर में हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ स्वयंसेवक रामकुमार गुप्ता एवं विभाग प्रचारक द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित फर्रुखाबाद विभाग के विभाग प्रचारक राहुल जी ने अपने प्रबोधन में भारत के गौरवशाली इतिहास, महापुरुषों के जीवन आदर्शों तथा संघ की 100 वर्षों की प्रेरणादायक यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके ओजस्वी उद्बोधन से उपस्थित जनसमूह में राष्ट्रभक्ति और सामाजिक चेतना का संचार हुआ। माताओं-बहनों सहित बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने वीर महापुरुषों के बलिदानों का स्मरण करते हुए भावुक क्षणों का अनुभव किया।कार्यक्रम के दौरान संघ के पंच प्रणों—सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी आचरण और नागरिक कर्तव्यों—को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया।

नगर के प्रमुख कथावाचक पंडित कृष्ण मोहन शास्त्री ने अपने विचारों से समाज में एकता और अखंडता का संदेश दिया। वहीं, जीपीआरडी पटेल के शिक्षाशास्त्र प्रवक्ता रमाकांत कटियार ने पर्यावरण संरक्षण पर जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।वरिष्ठ अधिवक्ता बसंती सिंह ने महिला सशक्तिकरण पर मार्गदर्शक उद्बोधन दिया, जबकि समाजसेवी परमसुख जी ने अपने प्रेरक विचारों से उपस्थितजनों को संबोधित किया।कार्यक्रम का कुशल संचालन वरिष्ठ स्वयंसेवक जयप्रकाश कुशवाहा द्वारा किया गया, जिन्होंने कार्यक्रम को सुव्यवस्थित और गरिमामयी रूप प्रदान किया। इस अवसर पर जिला प्रचारक धीरेंद्र, सेवा प्रमुख संदीप, अतुल तिवारी, जिला सद्भावना प्रमुख नमो नारायण दीक्षित, तुषार मिश्रा, सचिन गौतम, राहुल पांडे, दुर्गेश कुशवाहा, राम जी गुप्ता, बसंती सिंह, वाहिनी बस्ती प्रमुख आशुतोष त्रिपाठी, अभिजीत मिश्रा, कुश मिश्रा सहित सह नगर कार्यवाहक अश्वनी, संदीप अवस्थी, राहुल, अमित मिश्रा, अतुल सांवरे, सेठ रामकुमार गुप्ता एवं बड़ी संख्या में स्वयंसेवक व नगर के गणमान्यनागरिक उपस्थित रहे। आयोजकों ने सभी सहयोगियों और उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को सामाजिक चेतना और राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

कानपुर एलिम्को में अब एआई से बनेंगे कृत्रिम अंग

कानपुर के दिव्यांगों को बजट का बड़ा तोहफा, शहर में खुलेंगे एटी मार्ट

दिव्यांगजन कौशल योजना से मिलेंगी जॉब्स, दिव्यांग सहारा योजना से बढ़ेगा असिस्टिव डिवाइसेस का उत्पादन

सरकार ने एलिम्को की वित्तीय दिक्कतों को दूर करने का जो फैसला लिया है, वह क्रांतिकारी है। एटी मार्ट खुलने से दिव्यांगों और बुजुर्गों का जीवन काफी आसान हो जाएगा।

प्रवीण कुमार, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एलिम्को

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

केंद्रीय बजट 2026-27 ने कानपुर के दिव्यांगों और बुजुर्गों बड़ी सौगात दी है।

वित्त मंत्री द्वारा घोषित दिव्यांगजन कौशल योजना और दिव्यांग सहारा योजना से शहर की पहचान बन चुका संस्था एलिम्को (भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम) को नई उड़ान मिलने वाली है। अब यहां के दिव्यांगों को न सिर्फ हाई-टेक उपकरण मिलेंगे, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

बजट की 3 बड़ी सौगातें

- 1. एआई पर जोर- एलिम्को को मिलने वाली फंडिंग बढ़ने से अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कृत्रिम अंग तैयार होंगे।
- 2. हुनर से मिलेगा रोजगार- दिव्यांगजन कौशल योजना के तहत विजुअल इम्पेयर्ड के लिए सॉफ्टवेयर ट्रेनिंग और फिजिकल डिसेबल्ड के लिए मैन्युफैक्चरिंग स्किल्स जैसे कस्टमाइज्ड कोर्स सिखाए जाएंगे।
- 3. घर बैठे सुविधाएं- सरकार का लक्ष्य बुजुर्गों और दिव्यांगों को उनके घर के पास ही सारी सुविधाएं और सर्विस मुहैया कराना है।

कानपुर को ही क्यों होगा ज्यादा फायदा?

एलिम्को का मुख्य प्लांट कानपुर में है, इसलिए बजट का सबसे बड़ा हिस्सा और नई योजनाओं का ट्रायल सबसे पहले यहीं से शुरू होगा। इससे स्थानीय स्तर पर हजारों नौकरियां पैदा होंगी और शहर असिस्टिव टेक्नोलॉजी का हब बनकर उभरेगा।

शहर में खुलेंगे मॉडर्न एटी मार्ट

अब दिव्यांगों और बुजुर्गों को अपनी जरूरत के सामान के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

कानपुर और दिल्ली से असिस्टिव टेक्नोलॉजी मार्ट एंटी मार्ट की शुरुआत होने जा रही है। ये किसी बड़े शॉपिंग मॉल की तरह मॉडर्न रिटेल स्टोर होंगे, जहां आधुनिक व्हीलचेयर, हियरिंग एड्स और प्रोस्थेटिक्स आसानी से उपलब्ध होंगे।

प्राथमिक विद्यालय कुदौरा तक जाने वाले रास्ते नाली के पानी से घिरे, बच्चों की पढ़ाई पर संकट

ग्रामीणों में आक्रोश, प्रशासन से जल्द समाधान की मांग

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

प्राथमिक विद्यालय कुदौरा के पास नाली का गंदा पानी चारों ओर फैलने से विद्यालय तक पहुंचने वाले रास्ते पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। इस कारण स्कूली बच्चों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर पानी जमा होने से रास्ते फिसलन भरे और दुर्गम हो गए हैं, जिससे बच्चों के गिरने और बीमार होने का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय अभिभावकों और ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित विभागों और ग्राम प्रधान से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। सफाई कर्मचारी लंबे समय से क्षेत्र में नजर नहीं आए हैं, जिससे नालियों की स्थिति और भी बदतर हो गई है। विद्यालय के शिक्षकों का भी कहना है कि गंदगी और जलभराव के कारण बच्चों की नियमित उपस्थिति प्रभावित हो रही है। कई अभिभावक सुरक्षा कारणों से बच्चों को स्कूल भेजने से कतराने लगे हैं, जिससे उनकी पढ़ाई पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि नालियों की तत्काल सफाई कराई जाए और पानी के निकास की स्थायी व्यवस्था की जाए, ताकि बच्चों को सुरक्षित और सुगम रास्ता मिल सके। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

सचेड़ी में अज्ञात वाहन ने वृद्ध को मारी टक्कर मौत

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर। सचेंडी थाना क्षेत्र के भैलामऊ गांव के पास देसी शराब के ठेके के सामने रविवार को एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने सड़क किनारे पैदल चल रहे एक अधेड़ व्यक्ति को टक्कर मार दी। हादसे में अधेड़ की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया गया, लेकिन देर शाम तक शिनाख्त नहीं हो सकी। जांच के दौरान मृतक के हाथ पर 'राममिलन' नाम गुदा हुआ पाया गया है, जिसे पहचान से जुड़ा अहम सुराग माना जा रहा है। पुलिस आसपास के इलाकों में जानकारी जुटाने के साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान की जा सके। सचेंडी इंस्पेक्टर दीनानाथ मिश्रा ने बताया कि मृतक की उम्र लगभग 52 वर्ष प्रतीत हो रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया गया है।

प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में सांसद प्रतिनिधि रवि बाजपेई ने किया संबोधन

बुजुर्गों से लिया आशीर्वाद सामाजिक एकता और विकास के संकल्प के साथ आगे बढ़ने का आह्वान

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गोवा गार्डन, सिद्धार्थ पार्क में आयोजित प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में सांसद प्रतिनिधि रवि बाजपेई ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने समाज के वरिष्ठजनों और प्रबुद्ध नागरिकों से आशीर्वाद प्राप्त कर क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का संकल्प दोहराया। अपने संबोधन में रवि बाजपेई ने कहा कि समाज की दिशा और दशा तय करने में प्रबुद्ध वर्ग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने शिक्षा, सामाजिक समरसता, युवाओं के मार्गदर्शन और नागरिक सहभागिता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए सभी वर्गों का सहयोग और सुझाव आवश्यक है। सम्मेलन में उपस्थित बुजुर्गों और गणमान्य नागरिकों ने क्षेत्र की समस्याओं और संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए, जिस पर सांसद प्रतिनिधि ने संबंधित विषयों को उच्च स्तर तक पहुंचाने और समाधान कराने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों द्वारा रवि बाजपेई का अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, समाजसेवी और कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिससे आयोजन एक जन-संवाद और सामाजिक एकता का सशक्त मंच बनकर उभरा।

सीएम भजनलाल शर्मा के निर्देश पर 41 जिलों में 1 हजार 17 पशु चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर प्रदेश के 41 जिलों में जिला कलक्टर्स तथा अन्य अधिकारियों ने पशुपालन विभाग के विभिन्न श्रेणी के पशु चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने राज्य सरकार की ओर से पशुपालकों को उपलब्ध कराई जा रही पशु चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता, संसाधनों की उपलब्धता तथा व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन किया। मुख्यमंत्री के निर्देशन में प्रदेश के 41 जिलों में कुल 1017 संस्थानों का निरीक्षण किया गया, जिनमें से 68 पॉलीक्लिनीक, 246 प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय, 299 पशु चिकित्सालय, 83 ब्लॉक वेटनरी हेल्थ ऑफिस तथा 321 उप चिकित्सा केंद्र शामिल हैं। इस दौरान पशु चिकित्सा संस्थानों में साफ-सफाई सहित जरूरी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। वहीं, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना में एक हजार पशुपालकों से संवाद किया गया। इस निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पशु चिकित्सा संस्थानों में आवश्यकतानुसार सुधार के भी निर्देश दिए। जिला कलक्टर्स, जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अतिरिक्त जिला कलक्टर्स, उपखण्ड अधिकारियों, तहसीलदार तथा विकास अधिकारियों द्वारा निरीक्षण के दौरान विभिन्न श्रेणी के पशु चिकित्सालयों एवं उप-केंद्रों में दवाओं की उपलब्धता, टीकाकरण व्यवस्था, चिकित्सकीय उपकरण, साफ-सफाई, रिकॉर्ड संधारण एवं स्टाफ की उपस्थिति की समीक्षा की गई। इस निरीक्षण में मौके पर उपस्थित पशुपालकों से अधिकारियों ने संवाद कर समस्याएं जानी और उनके सुझाव प्राप्त किए।

पार्क स्ट्रीट के रेस्तरां में यूट्यूबर को मटन की जगह बीफ परोसने का आरोप, एक कर्मचारी गिरफ्तार

कोलकाता। कोलकाता के पार्क स्ट्रीट इलाके में स्थित एक लोकप्रिय बार-कम-रेस्तरां में यूट्यूबर को मटन की जगह बीफ परोसने के आरोप में कोलकाता पुलिस ने एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई की गई। मामले में पार्क स्ट्रीट थाने में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, यूट्यूबर सायक चक्रवर्ती शुक्रवार रात अपने दो मित्रों के साथ पार्क स्ट्रीट स्थित प्रसिद्ध बार-कम-रेस्तरां ओलिपब पहुंचे थे। उन्होंने वहां मटन स्टेक का ऑर्डर दिया था, लेकिन आरोप है कि उन्हें बीफ परोसा गया। इस पर आपत्ति जताए जाने पर संबंधित वेटर ने इसे गलती बताते हुए दोबारा मटन स्टेक लाने की बात कही। घटना को लेकर सायक चक्रवर्ती ने पार्क स्ट्रीट थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने रेस्तरां के एक कर्मचारी को हिरासत में लेकर पूछताछ की और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और रेस्तरां प्रबंधन की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

'भारत पर्व' के समापन समारोह के दौरान तीन राज्यों का दिखा सांस्कृतिक तालमेल

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में लाल किले में आयोजित 'भारत पर्व' के समापन समारोह के दौरान कर्नाटक का शास्त्रीय नृत्य, आंध्र प्रदेश का कुचिपुड़ी नृत्य और झारखंड के पारंपरिक व्यंजनों का सम्मिश्रण देखने को मिला। यह राज्यों की समृद्ध सांस्कृतिक, कलात्मक और पर्यटन विरासत का एक जीवंत प्रदर्शन रहा। पर्यटन मंत्रालय के मुताबिक, यह सांस्कृतिक कार्यक्रम 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना के तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की संस्कृति, पर्यटन, व्यंजन, हथकरघा और विरासत को दर्शाने वाला एक भव्य राष्ट्रीय मंच था। कर्नाटक सरकार के कन्नड़, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग की ओर से शास्त्रीय नृत्य, संगीत और पारंपरिक लोक प्रदर्शनों का आयोजन किया गया, जिसमें कन्नड़ कलाकारों ने जीवंत प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जो राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं। इस अवसर पर कर्नाटक के शिवमोग्गा क्षेत्र का शक्तिशाली और लयबद्ध ढोल नृत्य डोलू कुनिथा मुख्य आकर्षण रहा। इस प्रस्तुति में शानदार यक्षगान भी शामिल था, जो तटीय कर्नाटक की एक अनूठी नृत्य-नाट्य परंपरा है और जिसका इतिहास चार शताब्दियों से अधिक पुराना है। नृत्य, संगीत, रंगमंच और तात्कालिक संवादों का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण यक्षगान, आकर्षक वेशभूषा, भावपूर्ण मुद्राओं तथा सशक्त संगीत के माध्यम से पौराणिक कथाओं को जीवंत कर देता है।

मासिक धर्म पर सुप्रीम फैसले का स्वागत करते हुए आईएमए ने लिखा प्रधानमंत्री को पत्र

नई दिल्ली। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने स्कूलों में मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर दिए गए सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले का स्वागत करते हुए इसे बालिकाओं के स्वास्थ्य, गरिमा और शिक्षा के अधिकार की दिशा में एक बड़ा और प्रगतिशील कदम बताया है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने मासिक धर्म स्वास्थ्य को संविधान के तहत मौलिक अधिकार बताया है। अदालत ने कहा कि यह अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन और निजता के अधिकार का हिस्सा है। न्यायालय ने सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और स्कूलों को लड़कियों के लिए मुफ्त बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड और पर्याप्त स्वच्छता सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आईएमए ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिख कर कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए अनुरोध किया कि इस फैसले को देश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में तत्काल और सख्ती से लागू कराया जाए।

पलामू में अंधविश्वास के चलते परिवार के तीन लोगों की टांगी से हत्या, एक बच्ची गंभीर घायल

एजेंसी

पलामू। झारखंड में पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र के कुसड़ी गांव में रविवार तड़के करीब 4 बजे एक ही परिवार के तीन सदस्यों की टांगी से हत्या कर दी गई, जबकि हमले में एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल 15 वर्षीय ममता कुमारी को प्राथमिक इलाज के बाद मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच में जुटी है।

मृतकों की पहचान 45 वर्षीय विजय भुइंया, उनकी पत्नी 40 वर्षीय हेमंती देवी और पुत्र 25 वर्षीय छोटू कुमार के रूप में हुई है। मृतकों पर हमला उनके ही पड़ोसी और सगे भाई रविंद्र भुइयां और प्रमोद भुइयां ने किया। दोनों आरोपित घटना के बाद से फरार हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, रविवार सुबह करीब तीन बजे आरोपित रविंद्र

और प्रमोद के पिता 65 वर्षीय महेशी भुइयां का निधन हुआ। आरोप है कि उनकी मृत्यु को भूत-प्रेत से हुई मौत मानते हुए दोनों भाइयों ने पड़ोसी विजय भुइंया और उसके परिवार पर हमला कर दिया। पहले विजय भुइंया को ओझा या जादू-टोना करने वाला मानकर टांगी से मारा गया, उसके बाद उसकी पत्नी और पुत्र को भी मौत के घाट उतार दिया गया। हमले में ममता कुमारी गंभीर रूप से घायल हुई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से दोनों परिवारों में ओझा और जादू-टोना को लेकर विवाद चल रहा था। महेशी भुइयां पिछले कई दिनों से बीमार थे और उनके परिवार का आरोप था कि विजय भुइंया ने उन पर भूत लगा दिया था। गांव में कई बार समझौते हुए, लेकिन विवाद शांत नहीं हुआ। इधर, घटना के करीब चार घंटे तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। हालांकि, सुबह करीब 9 बजे पांकी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरु की। लेस्लीगंज के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) मनोज कुमार झा ने घटना की पुष्टि की और बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे जा रहे हैं। पुलिस आरोपित भाइयों की तलाश में छापेमारी कर रही है और पूरे मामले की जांच जारी है।

शांति भंग में भीलवाड़ा पुलिस की कार्रवाई, विभिन्न थानों से कई लोग गिरफ्तार

एजेंसी

भीलवाड़ा। जिला पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह यादव,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन के निर्देश पर शहर की विभिन्न थाना पुलिस ने शांति भंग के आरोप में बीएनएसएस की धारा 126/170 के तहत कईयों को गिरफ्तार किया है। जिनमें प्रतापनगर थाना पुलिस द्वारा लोकेश पुत्र रामजी लाल वर्मा निवासी बापूनगर,सुभाष नगर थाना पुलिस द्वारा महेन्द्र पुत्र गौरू बंजारा निवासी डुंगरी ढीकोला थाना शाहपुरा,श्यामलाल पुत्र मदन लाल सैन निवासी वाल मोटर गेराज के पास,प्रकाश पुत्र लक्ष्मण माली निवासी संजय कॉलोनी,गांधीनगर थाना पुलिस द्वारा नारू हुसैन पुत्र मकबुल बिसायती निवासी मांडल,बनवारी पुत्र रामचन्द्र गुर्जर

निवासी जोधडास,पुर थाना पुलिस द्वारा देबी लाल पुत्र रतन लाल जाट निवासी चुगीनाका पुर,सदर थाना पुलिस द्वारा कैलाश सिंह पुत्र देबी सिंह निवासी पालड़ी प्रमुख है।

दक्षिण कश्मीर के ऊंचे इलाकों में हुई ताजा बर्फबारी, रात का तापमान जमाव बिंदु से ऊपर

एजेंसी

श्रीनगर। कश्मीर के कुछ हिस्सों में ताजा बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश हुई है, जिससे श्रीनगर शहर सहित कुछ स्थानों पर रात का तापमान जमाव बिंदु से ऊपर चला गया। अनंतनाग जिले के पहलगाम और कुलगाम जिले के काजीगुंड इलाके के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी देखी गई, जबकि दक्षिण कश्मीर के कई हिस्से बारिश से प्रभावित हुए। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर शहर में भी सुबह-सुबह बारिश हुई। श्रीनगर शहर में शनिवार रात न्यूनतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो पिछली रात के शून्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस नीचे था। यह मौसम के सामान्य से 2.6 डिग्री अधिक था। गांदरबल जिले के सोनमर्ग सहित कई स्थानों के तापमान डेटा उपलब्ध नहीं थे। बारामूला जिले में गुलमर्ग का स्की रिसॉर्ट शून्य से 7 डिग्री सेल्सियस कम तापमान के साथ जम्मू और कश्मीर में सबसे ठंडा स्थान दर्ज किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के पहलगाम पर्यटक स्थल में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.4

डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात शून्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस नीचे था। यह मौसमी सामान्य से 3.8 डिग्री अधिक था। काजीगुंड में न्यूनतम तापमान 0.4 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि कोकेरनाग में शून्य डिग्री सेल्सियस और कुपवाड़ा में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। जम्मू-कश्मीर में 40 दिनों की सबसे कठोर सर्दियों की अवधि 'चिल्लई-कलां' की समाप्ति के बाद 20 दिवसीय 'चिल्लई खुर्द' (छोटी ठंड) शुरू हुई। चिल्लई खुर्द के बाद 10 दिवसीय 'चिल्लई बच्चा' (बच्चों को ठंडा) मनाया जाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक बादल छाए रहेंगे और रविवार को खासकर ऊंचे इलाकों में गरज या तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है। 2-3 फरवरी को कई स्थानों पर हल्की बारिश और ऊंचे इलाकों में बर्फबारी संभावना है।

फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के घर के बाहर चलीं गोलियां, जांच शुरू

एजेंसी

मुंबई। मुंबई के जुहू इलाके में मशहूर फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के आवास के बाहर देर रात फायरिंग की घटना हुई। कुछ अज्ञात युवकों ने निर्देशक के घर के बाहर लगभग चार राउंड गोलियां चलाईं और उसके बाद मौके से फरार हो गए। गनीमत रही कि इस हमले में किसी भी व्यक्ति के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है।

पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की

पुलिस को फायरिंग की सूचना मिलते ही स्थानीय सुरक्षा एजेंसियां और मुंबई क्राइम ब्रांच सक्रिय हो गईं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जोनल यूनिट और क्राइम ब्रांच की टीमें घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुट गई हैं। पुलिस ने तुरंत इलाके में घेराबंदी कर दी है और आसपास भारी पुलिस बल तैनात कर सुरक्षा बढ़ा दी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, गोलियों की आवाज के बाद आसपास के लोग दहशत में आ गए और पुलिस को सूचना दी।

मुंबई पुलिस कमिश्नर देवेन भारती ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि अज्ञात व्यक्तियों ने रोहित शेट्टी के घर के बाहर गोलियां चलाईं। उन्होंने कहा कि क्राइम ब्रांच और जोनल पुलिस इस मामले की गहन

जांच कर रही हैं। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज, फोरेंसिक साक्ष्यों और आसपास के लोगों के बयानों के आधार पर हमलावरों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

हर एंगल से जांच जारी

पुलिस ने यह भी संकेत दिया है कि जांच में यह देखा जा रहा है कि क्या यह फायरिंग सिर्फ डराने-धमकाने के इरादे से की गई थी या इसके पीछे किसी और मकसद का हाथ है। अधिकारियों ने बताया कि जांच को व्यापक रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है और यह भी देखा जा रहा है कि कहीं इस घटना का कोई अंतरराष्ट्रीय गिरोह या आपराधिक नेटवर्क से संबंध तो नहीं है। इस बीच, रोहित शेट्टी और उनके परिवार की ओर से अभी तक कोई सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया गया है। बॉलीवुड की कई हस्तियों की सुरक्षा को लेकर पहले से चिंताएं उठ रही हैं, और इस घटना ने उन चिंताओं को फिर से बढ़ा दिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

एसआईआर विवादः बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पहुंचेंगी दिल्ली, कर सकती हैं मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सोमवार को दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार से मुलाकात कर सकती हैं। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर विवाद के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी रविवार को दिल्ली पहुंचेंगी। जानकारी सामने आई है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ आम सहमति बनाने के मकसद से दिल्ली में विपक्षी पार्टियों के प्रमुख नेताओं से मुलाकात कर सकती हैं। टीएमसी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने जानबूझकर राष्ट्रीय राजधानी की यात्रा के लिए यह समय चुना है, क्योंकि चल रहे बजट सत्र के कारण सभी विपक्षी पार्टियों के प्रमुख नेता वहां मौजूद रहेंगे। मुख्य

चुनाव आयुक्त से मुलाकात के दौरान ममता बनर्जी एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े बिंदुओं को रख सकती हैं। इससे पहले, उन्होंने सीईसी ज्ञानेश कुमार को एक पत्र भी लिखा था, जिसमें स्पेशल रोल ऑब्जर्वर (एसआरओ) और माइक्रो-ऑब्जर्वर के अधिकार पर सवाल उठाया गया था। पत्र में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तर्क दिया कि एसआरओ और माइक्रो-ऑब्जर्वर की भूमिका एसआईआर प्रक्रिया की देखरेख तक सीमित नहीं थी, क्योंकि उन्हें अप्रूविंग अथॉरिटी के रूप में भी नामित किया गया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखे अपने पत्र में ममता बनर्जी ने दावा किया कि माइक्रो-ऑब्जर्वर को यह अधिकार देने से चुनावी पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) और सहायक चुनावी पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) सिर्फ दर्शक बनकर रह गए हैं। उन्होंने दावा किया कि ऑब्जर्वर और माइक्रो-ऑब्जर्वर को दिए गए अतिरिक्त अधिकार अथॉरिटी भारतीय संविधान के 'लोकतांत्रिक मूल्यों, संघवाद और मौलिक अधिकारों' की भावना के खिलाफ है। हालांकि सीएम ममता बनर्जी के कोलकाता लौटने की तारीख अभी तय नहीं है, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि वह 5 फरवरी से पहले लौटेंगी, क्योंकि उस दिन पश्चिम बंगाल विधानसभा में 'वोट ऑन अकाउंट' पेश किया जाएगा। पश्चिम बंगाल विधानसभा का बजट सत्र भी महत्वपूर्ण है, और सत्ता पक्ष सदन में दो महत्वपूर्ण प्रस्ताव पेश करेगा। एक प्रस्ताव केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के खिलाफ लाया जाएगा।

नवजोत कौर सिद्धू ने प्रधानमंत्री मोदी के पंजाब आने से पहले छोड़ी कांग्रेस

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पंजाब दौरे से पहले पूर्व मुख्य संसदीय सचिव नवजोत कौर सिद्धू ने कांग्रेस को अलविदा बोल दिया है। नवजोत कौर सिद्धू पूर्व मंत्री एवं पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिद्धू की पत्नी हैं। पिछले कई महीने से सिद्धू दम्पति पंजाब की सक्रिय राजनीति से दूर हैं।

नवजोत सिंह सिद्धू को हाल ही में राहुल गांधी की हुई बैठक में भी नहीं बुलाया गया था। कैंसर से ठीक होने के बाद दोबारा सक्रिय हुई नवजोत कौर सिद्धू हाल ही में उस समय सुर्खियों में आई थी, जब उन्होंने कहा था कि कांग्रेस में 500 करोड़ की अटैची देने वाला ही मुख्यमंत्री बनता था। इसके बाद वह समूची कांग्रेस के निशाने पर आ गई थी। इस पर प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने 8 दिसंबर को उन्हें नोटिस जारी करके पार्टी से निलंबित कर दिया था। इसके बाद वह पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया तथा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से भी मिली।

नवजोत कौर सिद्धू ने देर रात सोशल मीडिया 'एक्स' पर कांग्रेस से दूरी बनाने का ऐलान किया। रविवार को अमृतसर में उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस छोड़ने की वजह गिनाते हुए कहा कि कांग्रेस में मेहनती और काबिल नेताओं की बात नहीं सुनी जाती। फैसले निजी स्वार्थों के आधार पर लिए जाते हैं। नवजोत कौर सिद्धू ने सांसद व पूर्व डिप्टी सीएम सुखजिंदर सिंह रंधावा पर भी आरोप लगाए थे। अब रंधावा ने डॉ. नवजोत कौर सिद्धू के पार्टी छोड़ने पर कहा कि अच्छा हुआ, छुटकारा मिला।

हिमाचल, उत्तराखंड समेत पहाड़ी इलाकों में पर्वतीय ट्रेल्स का ऐलान, कंगना बोलीं- विकसित भारत का बजट

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को संसद में यूनियन बजट 2026-27 पेश किया। यह उनका नौवां बजट है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य भारत को तेजी से विकास की राह पर ले जाना है। बजट में पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण पर खास फोकस है।

बजट में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पारिस्थितिक रूप से टिकाऊ पर्वतीय ट्रेल्स विकसित करने की घोषणा की गई है। घाटी में नए ट्रेल्स बनाए जाएंगे। ये ट्रेल्स ट्रेकिंग और हाइकिंग के लिए खास अनुभव देंगे। इसके अलावा, वन्यजीव पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विशेष ट्रेल्स बनाए जाएंगे। ओडिशा, कर्नाटक और केरल में प्रमुख कछुआ प्रजनन स्थलों पर कछुआ ट्रेल्स विकसित किए जाएंगे। इसके साथ ही पूर्वी घाट के अराकू घाटी और पश्चिमी घाट के पुडिगई मलै में भी ऐसे ट्रेल्स बनाए जाएंगे। ये ट्रेल्स पर्यावरण संरक्षण के साथ पर्यटन और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देंगे। भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत

ने पर्यटन, पर्यावरण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने वाली इन योजनाओं की सराहना की। इन घोषणाओं पर कंगना रनौत ने खुशी जताई। उन्होंने कहा, 'यह विकसित भारत का बजट है। हम विकसित भारत के लक्ष्य के बहुत करीब पहुंच गए हैं।'

सरकार का मानना है कि भारत में ट्रेकिंग और प्रकृति-आधारित पर्यटन की बड़ी संभावनाएं हैं। ये योजनाएं स्थानीय रोजगार बढ़ाएंगी, पर्यावरण की रक्षा करेंगी और पर्यटकों को बेहतर अनुभव देंगी। ये घोषणाएं हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर जैसे पहाड़ी राज्यों के लिए खास फायदेमंद साबित होंगी।

पर्यटन क्षेत्र में सरकार ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। देश के 20 प्रमुख पर्यटन स्थलों पर 10 हजार टूर गाइड्स को प्रशिक्षित करने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू होगा। यह 12 हफ्ते का उच्च गुणवत्ता वाला प्रशिक्षण हाइब्रिड मोड में भारतीय प्रबंधन संस्थान के साथ मिलकर दिया जाएगा। इसके अलावा, एक राष्ट्रीय डिजिटल डेस्टिनेशन नॉलेज ग्रिड तैयार किया जाएगा। इसमें भारत के सभी सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक विरासत स्थलों की जानकारी डिजिटल रूप से संकलित और उपलब्ध कराई जाएगी।

राजस्थान के जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद सोनम वांगचुक को एम्स ले जाया गया

एजेंसी

जोधपुर। हरियाणा के जोधपुर की सेंट्रल जेल में चार माह से अधिक समय से बंद लद्दाख के पर्यावरणविद सोनम वांगचुक को शनिवार सुबह कड़ी सुरक्षा के साथ एम्स ले जाया गया। यहां उनकी स्वास्थ्य जांच की गई है। एम्स के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग ने वांगचुक का परीक्षण किया गया है। इसकी रिपोर्ट सोमवार को उच्चतम न्यायालय में पेश की जाएगी। हाल ही सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई में उनके वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट में कहा था कि जेल के पानी से उन्हें पेट की गंभीर समस्या हो रही है। कोर्ट ने उनकी जांच कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए थे। सोनम की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने सोशल मीडिया पर अगली सुनवाई दो फरवरी को होने की जानकारी साझा की थी। वांगचुक की लोकप्रियता और मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एम्स परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

मातृशक्ति समाज की आधारशिला, संवेदनशीलता हर माता का स्वाभाविक गुण : भैय्याजी जोशी

एजेंसी

उज्जैन। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य भैय्याजी जोशी ने मातृशक्ति की भूमिका को समाज की आधारशिला बताया। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता हर माता का स्वाभाविक गुण है। प्रकृति ने महिला को ऐसा स्वरूप दिया है, जो केवल जन्म ही नहीं देता बल्कि जीवन को संवारता भी है।

भैय्याजी जोशी विश्वमांगल्य सभा के मालवा प्रांत के पहले अधिवेशन के उद्घाटन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। यह अधिवेशन मध्य प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन में शनिवार से भव्य रूप से प्रारंभ हुआ। शिप्रा तट स्थित ऐतिहासिक झालरिया मठ में आयोजित इस दो दिवसीय आवासीय अधिवेशन में मालवा प्रांत के 10 जिलों से आई लगभग 1200 मातृशक्तियों ने सहभागिता की। भैय्याजी जोशी ने चिकित्सा क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि चिकित्सालयों में परिचारिका की भूमिका प्रायः महिला निभाती है,

क्योंकि प्रकृति जानती है कि वही बेहतर तरीके से पीड़ा को समझकर उपचार कर सकती है। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति ज्ञान और शिक्षा को बच्चे में संचारित करती है, जबकि पुरुष ज्ञान का भंडार प्रदान करता है। मां संस्कार देती है और पुरुष पुस्तकों के माध्यम से ज्ञान देता है। इस प्रकार महिला ऊर्जा का केंद्र होने के साथ-साथ प्रकृति की अमूल्य देन भी है। भैय्याजी जोशी ने व्यवहार और सेवा के अंतर को स्पष्ट करते हुए कहा कि व्यवहार एक भावना है, जबकि सेवा संस्कारों की प्रतिपूर्ति है। समाज जीवन के हर क्षेत्र में माता की भूमिका कमतर नहीं है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो कार्य महिला कर सकती है, वह कार्य पुरुष नहीं कर सकता। महिलाओं को यह सोच नहीं लानी चाहिए कि पुरुष जो काम करते हैं, वे उनके लिए नहीं हैं। यदि कुछ कार्य सामाजिक दृष्टि से अनुचित या बुरे हैं, उन्हें छोड़ दिया जाए, तो शेष सभी कार्य महिलाएं पूरी क्षमता के साथ कर सकती हैं। ऐसा दृष्टिकोण ही शक्ति के वास्तविक प्रकटीकरण का प्रतीक है। विश्वमांगल्य स्वनाथ परिषद् की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. पायल कनोड़िया ने कहा कि मातृशक्ति केवल परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की धुरी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने आत्मबल और संगठनात्मक शक्ति को पहचानकर समाज के सकारात्मक परिवर्तन में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। विकास फाउंडेशन ट्रस्ट की चेयरपर्सन डॉ. मृदुला धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण का अर्थ केवल अधिकार नहीं बल्कि कर्तव्यों के प्रति सजग होना भी है। उन्होंने कहा कि जब मातृशक्ति जागरूक होती है, तब समाज स्वतः ही सशक्त बनता है।

किरेन रिजिजू समेत कई नेताओं ने बजट को बताया ऐतिहासिक, बोले-सभी वर्गों का रखा गया है ध्यान

एजेंसी

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में केंद्रीय बजट 2026-27 पेश कर रही हैं, ऐसे में विभिन्न राज्यों के नेताओं ने इस बजट को किसानों, महिलाओं और समाज के अन्य वर्गों के हित में बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में सभी को प्राथमिकता दी जाएगी। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, 'जिस विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर देश की सरकार काम कर रही है। 2014 से निरंतर हर बजट इसी दिशा में आगे बढ़ने के पायदान की तरह होता है। इस बार का बजट भी भारत को विकसित भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ाने वाला होगा।' उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास है कि देश की सरकार पिछले 11 सालों से भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के जिस लक्ष्य के लिए काम कर रही है, उस दिशा में 2014 से पेश किए गए हर बजट ने लगातार प्रगति की है। हर

बजट एक कदम आगे बढ़ा है। इस साल का बजट भी भारत को विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में एक कदम और आगे ले जाएगा।'

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'यह एक ऐतिहासिक बजट है। प्रधानमंत्री की 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' विकसित भारत की ओर तेजी से आगे बढ़ेगी। रिफॉर्म एक्सप्रेस बहुत आसानी से आगे बढ़ रही है। इसमें सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है।'

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बजट सत्र के लिए संसद जाने से पहले अपने आवास पर एक पौधा लगाया। उन्होंने इस बजट को 'यह विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत का बजट' बताया। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने केंद्रीय बजट 2026 पर कहा, 'यह बजट समावेशी होगा, जो किसानों, युवाओं, महिलाओं और देश के सभी क्षेत्रों के संपूर्ण विकास के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह भारत को विकसित भारत बनाने के विजन को सपोर्ट करेगा।' उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, 'हम भारत के वित्त मंत्री की ओर से पेश किए जाने वाले केंद्रीय बजट पर करीब से नजर रख रहे हैं। हमें भरोसा है कि 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हर पहल प्रगतिशील रही है।'